रांची, गुरुवार
11.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 189, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

# बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

# राजग सरकार ने विकास, सुशासन और बड़े फैसलों के जरिए देश को नई दिशा दीः मोदी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नेताओं की बैठक में कहा कि वर्ष 2014 में देश ने हमपर भरोसा और उम्मीद जताई थी। उसे पिछले 12 वर्षों में हमने और मजबूत किया गया है। सरकार ने विकास, सुशासन और बड़े फैसलों के जरिए देश को नई दिशा दी है। उन्होंने दावा किया कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। राजग नेताओं की बैठक में दिए गए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में मिली जीत के बाद उन्होंने देश में आशा के नए माहौल की बात कही थी। उन्होंने कहा कि उस आशा और विश्वास को बनाए रखना पूरे राजग परिवार की जिम्मेदारी थी। उनके अनुसार देशवासियों ने कांग्रेस के प्रति निराशा के बाद अपना भरोसा राजग को सौंपा था। राजग ने उस विश्वास को लगातार मजबूत करने का काम किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश कई बड़े घोटालों से प्रभावित रहा। उस दौर में विकास की गति भी धीमी रही। वर्ष 2014 में राजग सरकार बनने के बाद देश ने देखा कि सही नीयत, स्पष्ट नीति और मजबूत निर्णय क्षमता से विकास को नई गति मिल सकती है। राजग के 12 वर्षों की एक बड़ी उपलब्धि यह है कि देश कांग्रेस की सोच और कार्यशैली से बाहर निकला है।

उन्होंने कहा कि एक समय लोगों को

यह विश्वास दिलाया गया था कि भारत में तेज विकास संभव नहीं है। धीमी विकास दर को हिंदू ग्रोथ रेट का नाम दिया गया था। यह नाम गलत था। इसके पीछे शासन की विफलताएं थीं। उन्होंने कहा कि उस समय सुशासन, स्पष्ट नीति, सही नीयत और निर्णायक नेतृत्व का अभाव था। उस दौर को कांग्रेस ग्रोथ रेट कहा जाना चाहिए था।

प्रधानमंत्री मोदी ने निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने का अवसर मिलने को अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने इस अवसर पर सम्मान देने के लिए राजग के सहयोगी नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता उनके लिए ईश्वर का रूप है और उन्होंने सार्वजनिक जीवन को सेवा और साधना के रूप में देखा है। उन्होंने इस यात्रा को सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया।

उल्लेखनीय है कि 10 जून को निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का कार्यकाल 4,399 दिनों का हो गया। इस अवसर पर भारत मंडपम में राजग नेताओं की बैठक में उन्होंने सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विस्तार से अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को करमुक्त किया गया। सरल और फेसलेस कर व्यवस्था बनाई गई। बेहतर बुनियादी ढांचे और नई नीतियों के कारण युवाओं के लिए अवसर बढ़े हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश सर्वोपरि की सोच कठिन फैसले लेने को आसान कर देती है। उन्होंने इस संदर्भ में अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इससे पूरे देश में संविधान समान रूप से लागू हुआ। उन्होंने पूर्वोत्तर में शांति और स्थिरता लौटने का भी जिक्र किया। आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को अपनी क्षमता दिखाई है।

आर्थिक स्थिति पर प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं चुनौतियों का सामना कर रही हैं। उनके अनुसार भारत अब ह्यफ्रेजाइल फाइवह्न की श्रेणी से निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत ने वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की। 31 मार्च को समाप्त तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही।

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में हुए प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने समुद्र मंथन मिशन, तेल और गैस खोज तथा 500 गीगावाट ऊर्जा लक्ष्य का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, चिप निर्माण, बैटरी स्टोरेज, ड्रोन, डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भविष्य के महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्ष सरकार और समाज की साझेदारी के रहे हैं। स्वच्छता अभियान, डिजिटल भुगतान और कोरोना महामारी के दौरान जनता के सहयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों ने हमेशा सरकार का साथ दिया। उन्होंने कहा कि ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भी आह्वान किया।

## संक्षिप्त खबरें

### टीसीबी कार्य में 05 हजार घूस लेते मनरेगा का जेई गिरफ्तार

**देवघर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को करौं प्रखंड की डिंडाकोली पंचायत में बड़ी कार्रवाई करते हुए मनरेगा के कनिष्ठ अभियंता (जेई) संतोष प्रसाद को 5,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, डिंडाकोली पंचायत में संचालित टीसीबी (ट्रेंच कम बंड) योजना के कार्य से संबंधित भुगतान और अन्य प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने के नाम पर लाभुक से 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी। लाभुक ने इसकी शिकायत एसीबी से की, जिसके बाद मामले का सत्यापन कराया गया। शिकायत सही पाए जाने पर एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान आरोपित कनिष्ठ अभियंता संतोष प्रसाद को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपित को अपने साथ ले गई और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी।

### टीएमसी की राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने दिया इस्तीफा

**नई दिल्ली।** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने बुधवार को सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद वह असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मिलने पहुंचीं, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। उन्होंने राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को लिखे इस्तीफे में कहा कि वह तत्काल प्रभाव से राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे रही हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें सभापति, उपसभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी अधिकारियों से सहयोग मिला, जिसके लिए वह आभारी हैं।

### झारखंड राज्यसभा चुनावः परिमल नाथवानी के नामांकन पर बवाल

## विधानसभा के बाहर कांग्रेस-भाजपा का प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

**रांची।** झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र को रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने बुधवार को विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद विधानसभा परिसर के बाहर राजनीतिक तनाव का माहौल बन गया।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि चुनाव आयोग राज्यसभा चुनाव के मामलों में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग मानदंड अपना रहा है। उनका कहना है कि परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में कथित तौर पर कई खामियां होने के बावजूद उन्हें सुधार का अवसर दिया गया, जबकि मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को तकनीकी आधार पर निरस्त कर दिया गया।

प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि यदि मध्य प्रदेश में सख्ती दिखाई गई है तो झारखंड में भी समान नियम लागू होने चाहिए। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी प्रत्याशियों के साथ समान व्यवहार जरूरी है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि परिमल नाथवानी का नामांकन रद्द नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विधानसभा के गेट संख्या-2 पर आयोजित प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, राज्य सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, दीपिका पांडे सिंह और शिल्पी नेहा तिर्की सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक भी वहां पहुंचे और नारेबाजी करते हुए विधानसभा परिसर की ओर बढ़ने लगे।

इस दौरान कुछ कांग्रेस समर्थक सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए विधानसभा परिसर के अंदर प्रवेश कर गए। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा कर्मियों और कुछ कार्यकताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी देखने को मिली। कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने हाथों में झंडे लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाए और परिमल नाथवानी का नामांकन रद्द करने की मांग दोहराई।

कांग्रेस के प्रदर्शन के बीच भाजपा कार्यकर्ता भी विधानसभा परिसर पहुंच गए और उन्होंने भी नारेबाजी शुरू कर दी। भाजपा विधायक सीपी सिंह ने विधानसभा परिसर में प्रवेश को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थकों को विधानसभा परिसर के अंदर जाने दिया गया, जबकि भाजपा कार्यकताओं को गेट पर ही रोक दिया गया। उन्होंने इसे दोहरी नीति बताते हुए नाराजगी जताई और कहा कि इस मामले की शिकायत विधानसभा सचिव से की जाएगी।

भाजपा नेताओं का आरोप है कि प्रशासन को सभी राजनीतिक दलों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

कांग्रेस और भाजपा कार्यकताओं के आमने-सामने आने से विधानसभा परिसर के बाहर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को शांत रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए लगातार निगरानी बनाए रखी।

## मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में होंगे शामिल

बिभा संवाददाता

**रांची।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 11 जून को नई दिल्ली में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल (शासी परिषद) की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में हिस्सा लेने के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। बैठक में राज्य का मजबूती से पक्ष रखने के लिए झारखंड सरकार ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

नीति आयोग की सीईओ निधि छिब्बर ने इस संबंध में झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार को पत्र लिखकर बैठक के एजेंडे की जानकारी दी है। इस बार की बैठक का मुख्य विषय विकसित भारत के लिए मानव पूंजी रखा गया है। इसके अलावा दिसंबर 2025 में आयोजित हुए मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में जिन प्राथमिकताओं और सिफारिशों को तय किया गया था, उनपर भी इस बैठक में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस बैठक के लिए विशेष आमंत्रण भेजा गया है। मुख्यमंत्री के साथ-साथ राज्य के कई शीर्ष अधिकारी भी इस बैठक में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य सरकार ने अधिकारियों के नाम तय कर नीति आयोग को भेज दिए हैं।

### ये अधिकारी बैठक में होंगे शामिल

अविनाश कुमार (मुख्य सचिव, झारखंड), मुकेश कुमार (सचिव, योजना एवं विकास विभाग), अरवा राजकमल (रेसिडेंट कमिश्नर, दिल्ली), -विजया जाधव (अपर सचिव, योजना एवं विकास)।

## मौसम विभाग ने उत्तरी-पश्चिमी भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण आंधी-तूफान एवं ओलावृष्टि की चेतावनी दी

एजेंसी

**नई दिल्ली :** मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तरी-पश्चिमी भारत में आंधी-तूफान तथा ओलावृष्टि की चेतावनी दी और कहा है कि कई राज्यों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हो गई हैं।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 11 और 12 जून को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ओले गिरने के अनुमान हैं। इस दौरान इन क्षेत्रों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है, जिसकी गति बढ़कर 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुँच सकती है।इसके अलावा 11 से 13 जून के दौरान राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में धूलभरी आँधी चलने के भी आसार हैं। मध्य भारत के राज्यों जैसे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में भी इस दौरान गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

विभाग के अनुसार, मानसून की उत्तरी सीमा इस समय हरनाई (महाराष्ट्र), सोलापुर (महाराष्ट्र), कलबुर्गी (कर्नाटक), नंद्याल (आंध्र प्रदेश) और चेन्नई से होकर गुजर रही है। अगले तीन से चार दिनों के भीतर इसके महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ और हिस्सों में दस्तक देने के आसार हैं।इसके साथ ही अगले पांच से सात दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत और पश्चिम बंगाल के पहाड़ी इलाकों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान है। इसके साथ ही केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कई इलाकों में भी इस दौरान भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को जल्द ही भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है। पिछले 24 घंटों में यहाँ का अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, लेकिन आने वाले दिनों में मौसम में बड़ा बदलाव आएगा। दिल्ली में 10-11 जून को दोपहर या शाम के समय गरज-चमक और धूलभरी आँधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में थोड़ी गिरावट आएगी। इसके बाद 12 और 13 जून को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सुबह और शाम दोनों समय बारिश का दौर देखने को मिलेगा। इसके प्रभाव से अधिकतम तापमान तेजी से गिरकर 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक आ जाएगा।

मौसम विभाग ने यह भी बताया कि पिछले 24 घंटों में राजस्थान का श्रीगंगानगर 46.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश में सबसे गर्म स्थान रहा। हालांकि, तटीय आंध्र प्रदेश, कोंकण, गोवा और ओडिशा में अगले दो दिनों तक उमस भरी गर्मी परेशान कर सकती है।

विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान घरों के अंदर रहने, बिजली के उपकरणों को प्लग से निकालकर रखने और पेड़ों या असुरक्षित ढांचों के नीचे शरण न लेने की सलाह दी है।

## पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किये घातक हमले, 11 बच्चे समेत 13 की मौत

एजेंसी

**काबुल :** पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती तीन प्रांतों पर हमले किये हैं, इसमें कम से कम 11 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गयी।

अफगानिस्तान के सरकारी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच बने कुछ समय के शांत माहौल के बाद पिछले कुछ हफ्तों में यह सबसे घातक हमला है।

अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर लिखा, बीती रात पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में आम नागरिकों के घरों पर बमबारी की। इन हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की

मौत हो गयी। ये हमले पिछले कुछ हफ्तों में सबसे घातक हैं और फरवरी के अंत में दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद सीमा पर उपजे अपेक्षाकृत शांत माहौल के बाद हुए हैं।

इससे पहले पाकिस्तानी वायुसेना ने फरवरी के अंत से लेकर मार्च 2026 के मध्य अफगानिस्तान पर कई हमले किये थे। उस समय दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया था कि पाकिस्तान ने इसे खुली जंग घोषित कर दिया था। मार्च के मध्य (विशेषकर 16 मार्च) को काबुल और कंधार पर अभूतपूर्व हमले हुए थे, जिसके बाद अप्रैल में दोनों देशों के बीच एक अस्थायी शांति समझौता हुआ था।

पिछले महीने प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल के पहले तीन महीनों में उस संघर्ष में कम से कम 372 अफगान नागरिक मारे गये और 397 अन्य घायल हुए।

साल 2021 में तालिबान के दूसरी बार सत्ता में आने के बाद से ही पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

# मेला देखने आई युवती को प्यार के जाल में फंसाया, जंगल में गैंगरेप के बाद हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

**खलारी/पिपरवार।** इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात का खुलासा पिपरवार पुलिस ने किया है। मेला देखने आई एक युवती को कथित तौर पर प्यार और भरोसे के जाल में फंसाकर जंगल ले जाया गया, जहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इसके बाद पहचान उजागर होने के डर से उसकी निर्मम हत्या कर दी गई और शव को नदी के बालू में दबाकर साक्ष्य मिटाने की कोशिश की गई। पुलिस ने इस मामले में प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है ।घटना का खुलासा तब हुआ जब 6 जून को पिपरवार थाना क्षेत्र स्थित सपही नदी के किनारे बालू में दबा एक युवती का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया और वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की गई ।जांच के दौरान पुलिस ने मृतका की पहचान की और उसके मोबाइल कॉल डिटेल, तकनीकी साक्ष्य तथा अन्य सुरागों के आधार पर मामले की तह तक पहुंची। पुलिस के अनुसार, मृतका का खलारी थाना क्षेत्र के मनातू गांव निवासी एक युवक के साथ प्रेम संबंध था। इसी संबंध का फायदा उठाकर युवती को मेला घुमाने के बहाने बुलाया गया ।पुलिस जांच में सामने आया कि 1 और 2 जून की रात युवती को पंडरिया जंगल ले जाया गया। वहां उसके साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इसके बाद आरोपियों ने घटना का राज खुलने के डर से युवती पर चाकू और ईंट से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सपही नदी के बालू में दबाकर अपराध के सभी निशान मिटाने की कोशिश की गई।

मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है ।परिजनों ने इस जघन्य अपराध में शामिल सभी आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है ।उनका कहना है कि उनकी बेटी के साथ हुई दरिंदगी ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। परिजनों ने सरकार और न्यायालय से त्वरित सुनवाई कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की अपील की है।

इधर, पुलिस की लगातार छानबीन और तकनीकी जांच के सामने आरोपियों की साजिश ज्यादा दिनों तक टिक नहीं सकी ।एक-एक कर सभी संदिग्ध पुलिस के रडार पर आए और पूछताछ के दौरान मामले की परतें खुलती चली गईं ।इसके बाद पुलिस ने प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त सामान, मृतका से जुड़े साक्ष्य तथा एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है ।अधिकारियों का कहना है कि मामले में पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और आरोपियों के खिलाफ मजबूत चार्जशीट दाखिल की जाएगी ताकि उन्हें जल्द से जल्द कड़ी सजा मिल सके ।इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने भी दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है ।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच आगे भी जारी रहेगी और न्यायालय में सशक्त साक्ष्य प्रस्तुत कर दोषियों को कानून के मुताबिक सख्त सजा दिलाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

## हरिणा मेला की तैयारियों का विधायक संजीव सरदार ने प्रशासनिक अधिकारियों संग लिया जायजा

बिभा संवाददाता

**जमशेदपुर/पोटका :** रोजो संक्रांति के उपलक्ष्य में आगामी 15 जून से मुक्तेश्वर धाम हरिणा में आयोजित होने वाले कोल्हान के सबसे बड़े धार्मिक मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मेला शुभारंभ से चार दिन पूर्व बुधवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं मेला समिति के पदाधिकारियों के साथ मेला एवं मंदिर परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने मेला समिति एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर मेला संचालन, विधि-व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, पेयजल, स्वास्थ्य, बिजली एवं स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हरिणा मेला क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है, जहां झारखंड, ओड़िशा और पश्चिम बंगाल से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार हरिणा को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि हरिणा मेला को राजकीय मेला का दर्जा दिलाने की दिशा में भी प्रयास जारी हैं। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी विभाग की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि हरिणा मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने मेला समिति और प्रशासन से आग्रह किया कि वे सेवा भाव के साथ कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि बाहर से आने वाले श्रद्धालु यहां से अच्छी यादें लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रबंधन और जनसहयोग से इस बार का मेला पहले से अधिक भव्य, व्यवस्थित और ऐतिहासिक बनेगा।

मुसाबनी डीएसपी रोहित कुमार राजवार ने कहा कि मेला के शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की मांग के अनुरूप मेले में पूर्ण शराबबंदी लागू रहेगी तथा बाइक स्टंट, रैश ड्राइविंग और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में मेले का आनंद ले सकें।

निरीक्षण में अंचलाधिकारी निकिता बाला, मुसाबनी डीएसपी रोहित कुमार राजवार, आबकारी विभाग के रामदास भगत, कोवाली थाना प्रभारी मुकेश कुमार साव, मेला समिति के बज्रांकन दंडपात सहित वन, पेयजल एवं विद्युत विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

## संक्षिप्त खबरें

### भाजपा ने मृतक के परिजनों को दी सहयोग राशि

**बेड़ो(बिभा):** भारतीय जनता पार्टी बेड़ो मंडल के कार्यकताओं ने बुधवार को फादिलमर्चा गांव पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ता दशरथ महतो की माता स्वर्गीय मैनी देवी के द्वादश कर्म में भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। कार्यकताओं ने कहा कि स्वर्गीय मैनी देवी का जीवन सादगी, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उनके निधन से परिवार के साथ-साथ क्षेत्र ने भी एक सम्मानित अभिभावक को खो दिया है। इस दुखद घड़ी में भाजपा परिवार पूरी मजबूती के साथ शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। मांडर विधानसभा के सुख-दुख के साथी एवं भाजपा नेता सन्नी टोप्पो के सौजन्य से परिवार के लिए भेजी गई सहयोग राशि भी इस अवसर पर परिजनों को सौंपी गई। उपस्थित नेताओं ने कहा कि दुख की घड़ी में मानवीय संवेदनाएं और आपसी सहयोग ही समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। इस मौके पर भाजपा बेड़ो मंडल महामंत्री आनंद साहु, मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहु, आरती देवी, रामसागर कुमार सहित भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

### बेड़ो थाना परिसर में एसआईएस सिक्योरिटी गार्ड भर्ती शिविर का आयोजन, 33 युवाओं ने किया आवेदन

**बेड़ो(बिभा):** बेड़ो थाना परिसर में बुधवार को रक्ष सिक्योरिटी लिमिटेड द्वारा सिक्योरिटी गार्ड भर्ती शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला, जिसमें क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भर्ती शिविर में कुल 33 युवाओं के आवेदन प्राप्त हुए। भर्ती शिविर का आयोजन उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार किया गया। इस अवसर पर डीएसपी दीपक कुमार सिंह, सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार, थाना प्रभारी मोहम्मद कफील अहमद, एसआई शौकत अली सहित कई पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। डीएसपी दीपक कुमार सिंह ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। ऐसे भर्ती शिविरों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का अवसर मिलता है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं। वहीं थाना प्रभारी मोहम्मद कफील अहमद ने कहा कि थाना परिसर में आयोजित यह भर्ती शिविर बेरोजगार युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी योग्यता और मेहनत के बल पर ऐसे रोजगारपरक कार्यक्रमों का लाभ उठाएं तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ें। भर्ती प्रक्रिया के दौरान युवाओं के दस्तावेजों की जांच एवं प्रारंभिक चयन की प्रक्रिया भी पूरी की गई। आयोजन को लेकर युवाओं में उत्साह देखा गया और उन्होंने इस पहल की सराहना की।

### मतदाता सूची से दलित, आदिवासी और मुस्लिम वोटरों का नाम काटने की साजिश : मोमिन कॉन्फ्रेंस

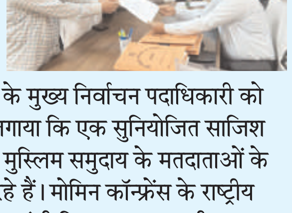

**रांची(बिभा) :** झारखंड में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण एसआईआरअभियान के दौरान बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप को लेकर ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस ने बुधवार को झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि एक सुनियोजित साजिश के तहत दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव मो. सगीर अंसारी और रांची जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की मांग की। ज्ञापन में मांग की गई कि मतदाता सूची अद्यतन करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए, आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धता आसान बनाई जाए तथा बिना उचित सत्यापन के नाम काटने वाले या लापरवाही बरतने वाले बीएलओ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि किसी भी मतदाता का नाम सूची से हटाने से पहले उसे अनिवार्य रूप से नोटिस दिया जाए, ताकि वह अपना पक्ष रख सके। साथ ही 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नए मतदाताओं का नाम जोड़ने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया। मोमिन कॉन्फ्रेंस ने निर्वाचन पदाधिकारी से विशेष रूप से आदिवासी, दलित और मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने की कथित साजिश पर रोक लगाने तथा सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय महासचिव मो. सगीर अंसारी, जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद, जिला उपाध्यक्ष रहमतुल्लाह अंसारी, जिला महासचिव जसीम अंसारी, रातू प्रखंड अध्यक्ष आजाद अंसारी तथा सनाउल्लाह अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

## केडीएच चेक पोस्ट पर बालू माफियाओं का तांडव, सीआईएसएफ की कार्रवाई से बौखलाए कारोबारियों ने किया हंगामा

### अवैध बालू लदे वाहन पकड़े जाने पर माफियाओं के समर्थन में जुटी भीड़, कोयला ढुलाई बाधित करने की कोशिश; सीआईएसएफ ने संभाला मोर्चा

बिभा संवाददाता

**खलारी।** अवैध बालू कारोबार पर शिकंजा कसने पहुंची सीआईएसएफ की कार्रवाई से मंगलवार को केडीएच चेक पोस्ट पर बालू माफियाओं और उनके समर्थकों में भारी बौखलाहट देखने को मिली ।अवैध रूप से बालू ढो रहे एक टाटा-407 और एक ट्रैक्टर को रोककर जांच शुरू होते ही कथित बालू माफियाओं के पक्ष में बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया ।सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई के विरोध में कुछ लोगों ने कोयला परिवहन बाधित करने की भी कोशिश की, जिससे कुछ समय के लिए कोयला ढुलाई प्रभावित हुई। हालांकि सीआईएसएफ जवानों ने संयम और सतर्कता का परिचय देते हुए हालात को नियंत्रण में रखा और किसी भी अप्रिय घटना को टाल दिया ।बताया जाता है कि दामोदर नदी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध बालू उठाव और बिक्री का खेल चल रहा है। इस कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ लगातार शिकायतें मिलने के बाद सीआईएसएफ ने निगरानी और जांच अभियान तेज कर दिया है। मंगलवार की कार्रवाई को इसी अभियान का हिस्सा माना जा रहा है ।सीआईएसएफ अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा। राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। वहीं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से मामले में कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीआईएसएफ की सख्ती से अवैध बालू कारोबारियों में खलबली मची हुई है, जबकि प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

## डीएसपी कार्यालय में व्यापारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक, सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर बनी रणनीति

बिभा संवाददाता

**खलारी।** खलारी डीएसपी कार्यालय डी एस पी राम नारायण चौधरी की अध्यक्षता में व्यावसायिक संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई ।बैठक में क्षेत्र में अतिक्रमण, अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन तथा सीसीटीवी कैमरों के अधिष्ठापन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई ।बैठक के दौरान डीएसपी राम नारायण चौधरी ने कहा कि सुरक्षित और व्यवस्थित समाज के निर्माण में पुलिस और व्यापारिक समुदाय की साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है ।उन्होंने व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों एवं बाजार क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी आपराधिक घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की ।बैठक में बाजार क्षेत्रों में बढ़ते अतिक्रमण और अनियंत्रित पार्किंग के कारण उत्पन्न ट्रैफिक समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। डीएसपी ने कहा कि सड़क और बाजार आम जनता की सुविधा के लिए हैं, इसलिए अतिक्रमण मुक्त एवं व्यवस्थित बाजार क्षेत्र सभी की जिम्मेदारी है ।इस दिशा में प्रशासन और व्यापारियों के संयुक्त प्रयास से प्रभावी कार्रवाई करने पर सहमति बनी ।व्यावसायिक संघ के प्रतिनिधियों ने भी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और सुझावों को डीएसपी के समक्ष रखा ।उन्होंने व्यापारियों की सुरक्षा, बाजार क्षेत्रों में नियमित गश्त और यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग की ।डीएसपी ने सभी सुझावों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया ।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कानून व्यवस्था को मजबूत करने, अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा व्यापारियों और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को और सुदृढ़ करने के लिए पुलिस और व्यावसायिक संघ के बीच नियमित संवाद जारी रहेगा ।क्षेत्र के लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि पुलिस प्रशासन और व्यापारियों के बीच बढ़ता समन्वय खलारी में सुरक्षित,सुव्यवस्थित और अपराधमुक्त वातावरण स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## डकरा परियोजना में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, श्रमिकों की सुरक्षा व स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा : राजेश कुमार

बिभा संवाददाता

**खलारी।** सीसीएल सुरक्षा समिति के सदस्य राजेश कुमार सिंह ने सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान डकरा परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हाजरी घर, वर्कशॉप, कैंटीन एवं खान परिसर का जायजा लेकर श्रमिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया ।निरीक्षण में श्रमिकों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की कमी सामने आई। विशेष रूप से पुरुष एवं महिला शौचालय, स्वच्छ पेयजल, विश्राम स्थल तथा अन्य वैधानिक सुविधाओं का अभाव पाया गया। इस पर नाराजगी जताते हुए राजेश कुमार सिंह ने कहा कि श्रमिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में प्रबंधन पूरी तरह विफल साबित हो रहा है ।उन्होंने कहा कि खदानों में कार्यरत श्रमिक कठिन परिस्थितियों में अपना दायित्व निभाते हैं, ऐसे में उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराना प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। लेकिन डकरा परियोजना में सुविधाओं की मौजूदा स्थिति कई गंभीर सवाल खड़े करती है ।श्री सिंह ने कहा कि स्वच्छ पेयजल, शौचालय और विश्राम स्थल जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है ।उन्होंने कहा कि खान सुरक्षा का दायरा केवल मशीनों और तकनीकी व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रमिक कल्याण और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है ।उन्होंने प्रबंधन से तत्काल व्यवस्था में सुधार करने, सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा श्रमिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो यह स्थिति श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

## जमशेदपुर में टेम्पो परमिट की होगी सख्त जांच, बिना वैध अनुमति चलने वाले वाहनों पर खैर नहीं

बिभा संवाददाता

**जमशेदपुर।** पूर्वी सिंहभूम जिले में बढ़ती यातायात समस्याओं और शहर में लगातार बढ़ रही टेम्पो वाहनों की संख्या को देखते हुए जिला परिवहन विभाग जल्द ही विशेष जांच अभियान चलाने की तैयारी में है। जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) दिलीप कुमार ने कहा कि शहर में संचालित टेम्पो वाहनों के परमिट, दस्तावेज और परिचालन क्षेत्र की व्यापक जांच की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना, सड़क सुरक्षा को मजबूत करना तथा सरकार के राजस्व की हानि को रोकना है।

उन्होंने कहा ने बताया कि विभाग के संज्ञान में यह बात आई है कि बड़ी संख्या में टेम्पो चालक दूसरे क्षेत्रों अथवा अन्य जिलों के लिए जारी परमिट के आधार पर जमशेदपुर शहर में व्यावसायिक रूप से वाहन संचालित कर रहे हैं। इससे न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ रही है। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र में परमिट शुल्क और अन्य करों के रूप में मिलने वाला राजस्व भी सरकार को प्राप्त नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग को इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट और प्रस्ताव भेजा गया है। विभागीय स्तर से आवश्यक निर्देश प्राप्त होते ही बड़े पैमाने पर जांच अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के दौरान टेम्पो के परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई भी की जाएगी।

डीटीओ दिलीप कुमार ने कहा कि जिला परिवहन विभाग का प्रयास केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाना है। शहर में बढ़ते वाहनों के दबाव को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को नियमों के अनुरूप संचालित करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि वैध परमिट के साथ चलने वाले वाहनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी, लेकिन नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्ती बरती जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित करों और शुल्कों की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करना विभाग की जिम्मेदारी है। यदि सभी व्यावसायिक वाहन नियमानुसार पंजीकृत और परमिटधारी होंगे तो सरकार को राजस्व की बेहतर प्राप्ति होगी, जिसका उपयोग सड़क और परिवहन सुविधाओं के विकास में किया जा सकेगा।

डीटीओ ने कहा कि विभाग आम लोगों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उनकी प्राथमिकता शहर के साथ-साथ पूरे जिले में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराना है। साथ ही परिवहन विभाग से जुड़े कार्यों को सरल और पारदर्शी बनाकर लोगों को समय पर बेहतर सेवाएं प्रदान करना भी विभाग के प्रमुख लक्ष्यों में शामिल है। परिवहन विभाग की इस प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर शहर में टेम्पो संचालकों के बीच भी चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है कि जांच अभियान शुरू होने के बाद अवैध रूप से संचालित वाहनों की पहचान होगी और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने में प्रशासन को मदद मिलेगी।

## 14 दिन बाद मिली तीन वर्षीय आफरीन, संतान न होने की पीड़ा में दंपती ने किया था अपहरण, गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

**जमशेदपुर :** साकची बाजार से 26 मई को लापता हुई तीन वर्षीय बच्ची आफरीन को पुलिस ने 14 दिन बाद सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। मामले में कपाली निवासी अब्दुल जसीम उर्फ लखन और उसकी पत्नी अफसाना बेगम को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में दंपती ने बताया कि शादी के 10 साल बाद भी संतान नहीं होने और समाज के तानों से परेशान होकर उन्होंने बच्ची को अपने साथ ले जाने का फैसला किया था।

बुधवार को सिटी एसपी ललित मीणा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बच्ची की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। जांच के दौरान 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के झालदा थाना क्षेत्र स्थित पुष्टि गांव में छापेमारी कर आफरीन को सुरक्षित बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी अब्दुल जसीम कपाली में मोबाइल दुकान चलाता है। बच्ची के मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। मां रुकसार खान ने पुलिस टीम का आभार जताते हुए कहा कि बेटी के सुरक्षित लौटने से पूरे परिवार को राहत मिली है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

# नाथवानी का नामांकन स्वीकार होने पर भड़की कांग्रेस कहा, देश में चल रहा दो निर्वाचन आयोग

बिभा संवाददाता

**रांची।** राज्यसभा चुनाव के निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी का नामांकन स्वीकार किए जाने के बाद कांग्रेस मुख्यालय में इंडी गठबंधन के नेताओं ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर निर्वाचन आयोग और भाजपा पर निशाना साधा।

राज्य के वित्तमंत्री सह कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि परिमल नाथवाणी के आवेदन में बड़ी-बड़ी तकनीकी खामियां रहीं, लेकिन उसके बाद भी केंद्रीय निर्वाचन आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी का नामांकन स्वीकार कर लिया। वहीं भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने किस तरह से काम किया इसे समझने की जरूरत है। किशोर ने कहा कि यदि परिमल नाथवानी जीत जाते हैं तो भाजपा की झोली में सीट जाएगी और यदि हारे तो वे भाजपा के उम्मीदवार नहीं थे, का बखान किया जाएगा। मंत्री ने आरोप लगाया कि देश में दो निर्वाचन आयोग चल रहा है। एक देश का निर्वाचन आयोग और दूसरा निर्वाचन आयोग निर्दलीय उम्मीदवार का। चुनाव आयोग का फॉर्मेट बिल्कुल साफ है, लेकिन यहां पर नाथवानी का फॉर्मेट चल रहा है। यह राजनीतिक फॉर्मेट है।

वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने केशव महतो कमलेश ने कहा कि परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में कुछ आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से सुबह में 11 बजे का समय दिया गया, जबकि मप्र में मीनाक्षी नटराजन को कोई समय नहीं दिया गया।

वहीं झामुमो केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हमलोगों ने पहले ही निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर कुछ आपत्तियां दर्ज कराई थी, लेकिन आपत्तियों को खारिज कर दिया गया। सुप्रियो भट्टाचार्य ने सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा को पता था कि वह चुनाव नहीं जीतेगी। इसके बाद भी उसने तीसरा उम्मीदवार दे दिया।

सुप्रियो ने कहा कि हम एकजुट हैं। हमारे पास 56 विधायकों का समर्थन है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दो दिनों तक झारखंड में रहे। भाजपा ने पहले कहा कि हम उम्मीदवार की घोषणा जल्द करेंगे। प्रधानमंत्री के आर्थिक परिषद के सदस्य गौरव वल्लभ रांची आते हैं और पर्चा खरीदते हैं, लेकिन इसके बाद निर्दलीय परिमल नाथवानी को भाजपा ने समर्थन दे दिया।

### राज्यसभा चुनाव : परिमल नाथवानी का नामांकन मंजूर, कांग्रेस का दावा खारिज

**रांची।** राज्यसभा चुनाव के लिए समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार समाप्त हो गया है। दो दिनों तक चली जांच और आपत्तियों के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका नामांकन स्वीकार कर लिया है। दरअसल, नामांकन दाखिल करने के बाद उनका पर्चा होल्ड पर रख दिया गया था। नाम को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी कुछ दस्तावेजों में उनका नाम परिमल नाथवानी, जबकि कुछ में नाथवानी परिमल दर्ज था। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस विधायक नमन विक्सल कोंगाडी ने आपत्ति दर्ज कराई थी। आपत्ति के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने नामांकन पर फैसला रोकते हुए मामले की जांच शुरू की थी। दो दिनों तक चले विवाद और दस्तावेजों की समीक्षा के बाद चुनाव अधिकारियों ने परिमल नाथवानी का नामांकन वैध मानते हुए उसे मंजूरी दे दी। इससे राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया में उनके उम्मीदवार बने रहने का रास्ता साफ हो गया है।

## कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक प्रक्रियाओं में बाधा डालने की कर रही कोशिश : आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

**रांची।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कांग्रेस पर राज्यसभा चुनाव की संवैधानिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और उसमें बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संभावित हार की आशंका से कांग्रेस बौखला गई है और उसके नेता चुनावी प्रक्रिया पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस के मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता विधानसभा परिसर पहुंचकर अशांति का माहौल बनाने तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने निवार्ची पदाधिकारी (रिटर्निंग ऑफिसर) पर अनावश्यक दबाव बनाने के उद्देश्य से प्रदर्शन और हंगामा किया।

साहू ने कहा कि राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया निर्धारित नियमों और संवैधानिक प्रावधानों के तहत संचालित हो रही है। इसके बावजूद कांग्रेस द्वारा दबाव की राजनीति करना लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को न तो लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास है और न ही संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विधानसभा परिसर में हुए प्रदर्शन को गंभीर विषय बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि जो लोग संवैधानिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं, उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब रिटर्निंग ऑफिसर निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी प्रक्रिया संचालित कर रहे हैं, तब कांग्रेस नेताओं द्वारा दबाव की राजनीति क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है।

आदित्य साहू ने कांग्रेस पर खरीद-फरोख्त और दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी की पुरानी कार्यशैली रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने झारखंड के कार्यकताओं और स्थानीय नेतृत्व की उपेक्षा करते हुए ऐसे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है, जिसका राज्य से प्रत्यक्ष जुड़ाव नहीं रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस झारखंड के स्वाभिमान और स्थानीय नेतृत्व का सम्मान नहीं करती।

प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं को विधानसभा परिसर के भीतर प्रदर्शन की अनुमति मिली, जबकि भाजपा कार्यकताओं को बाहर ही रोक दिया गया। उन्होंने इसे प्रशासन का दोहरा मापदंड बताते हुए निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रशासन को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कार्य करने की सलाह देते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर को किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर नियमों के अनुरूप निर्णय लेना चाहिए।

साहू ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और चुनावी तथा संवैधानिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के किसी भी प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी।

प्रेस वार्ता में प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह तथा अशोक बड़ाईक भी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त खबरें

### सीसीएल के पिपरवार क्षेत्र में लगा शिकायत निवारण शिविर

**रांची(बिभा)।** सीसीएल के निदेशालय (मानव संसाधन प्रबंधन) के तत्वावधान में 10 जून, 2026 को पिपरवार क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य कर्मचारियों, पूर्व कर्मचारियों, उनके आश्रितों, ठेकेदारों एवं अन्य हितधारकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक (समाधान प्रकोष्ठ) सुमन रस्तोगी ने की। इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन), समाधान प्रकोष्ठ गौतम चौधरी, मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन), समाधान प्रकोष्ठ तेजविंदर सिंह, स्टाफ अधिकारी (मानव संसाधन), पिपरवार क्षेत्र सहित मानव संसाधन विभाग के अधिकारी, स्टाफ अधिकारी (सिविल), खनन विभाग के प्रतिनिधि और अन्य उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कर्मचारियों, पूर्व कर्मचारियों, कर्मचारियों के आश्रितों, ठेकेदारों एवं अन्य हितधारकों द्वारा 38 शिकायतें दर्ज कराई गईं। प्राप्त शिकायतों में प्रमुख रूप से आवास (क्वार्टर) अनुरक्षण, अनुकम्पा नियुक्ति, सीएमपीएफ से संबंधित ऑनलाइन डाटा अद्यतन और अन्य सेवा संबंधी विषय शामिल रहे। इसमें सभी उपस्थित व्यक्तियों को अपनी समस्या एवं सुझाव रखने का अवसर प्रदान किया गया। प्राप्त सभी शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया गया। अनेक मामलों में संबंधित व्यक्तियों को मौके पर ही आवश्यक जानकारी एवं समाधान उपलब्ध कराया गया। शेष मामलों में नियमानुसार औपचारिक उत्तर प्रदान करते हुए शिकायतों का यथोचित निस्तारण किया जाएगा।

### नायक ने की नाथवानी के नामांकन रद्द करने की मांग

**रांची(बिभा)।** झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने राज्यसभा चुनाव के नामांकन प्रक्रिया को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए परिमल नाथवानी का नामांकन तत्काल रद्द करने की मांग की है। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यदि नामांकन पत्र में किसी प्रकार की कानूनी, संवैधानिक या प्रक्रियागत त्रुटि पाई गई है, तो केवल नामांकन को होल्ड करना पर्याप्त नहीं है। नायक ने कहा कि मध्यप्रदेश में आपत्तियों के आधार पर कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किया गया था। ऐसे में झारखंड में परिमल नाथवानी के मामले में अलग प्रक्रिया अपनाए जाने पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने पूछा कि क्या चुनावी नियम सभी राज्यों और उम्मीदवारों पर समान रूप से लागू नहीं होने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, निष्पक्षता और समानता जरूरी है।

### मारवाड़ी शाखा के निःशुल्क नेत्र जांच में विशेषज्ञों ने दिए परामर्श

**रांची(बिभा)।** मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने नेत्र दिवस के अवसर पर रातू रोड स्थित मनोराज अपार्टमेंट परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच, नेत्रदान जागरूकता और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व शाखा की अध्यक्षा शुभा अग्रवाल ने किया। शुभा अग्रवाल ने कहा कि समाजहित से जुड़े ऐसे सेवा कार्य भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने बताया कि शिविर में आराम हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच और सामान्य स्वास्थ्य जांच की। बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने निशुल्क जांच शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान उपस्थित लोगों को आंखों की देखभाल, नेत्र रोगों की रोकथाम और नेत्रदान के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आवश्यक परामर्श भी दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, नेत्रदान के लिए प्रेरित करना और प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी आंखों एवं स्वास्थ्य की जांच कराई और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम में शाखा की अध्यक्षा शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका, पूजा लाडिया, आशा सराफ, राधिका बोहरा सहित अन्य मौजूद थे।

## झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को राज्यपाल की मंजूरी, चार नामों पर लगी मुहर

बिभा संवाददाता

**रांची।** झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। राज्यपाल ने राज्य सरकार की ओर से भेजे गए चार सदस्यीय पैनल को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और भाजपा नेता शिवपूजन पाठक के राज्य सूचना आयुक्त बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

राजभवन सचिवालय ने बुधवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने इन चार नामों की अनुशंसा करते हुए प्रस्ताव राज्यपाल के अनुमोदन के लिए भेजा था। हालांकि प्रारंभिक स्तर पर राजभवन ने कुछ प्रक्रियागत आपत्तियां जताते हुए प्रस्ताव को वापस कर दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने उन्हीं नामों के साथ पुनः प्रस्ताव भेजा और उठाई गई आपत्तियों पर अपना पक्ष स्पष्ट किया।

### सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी

**रांची।** झारखंड राज्य सरकार ने सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना बुधवार को जारी कर दी है। मुख्य सचिव अविनाश कुमार के हस्ताक्षर के साथ नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी की गयी है। वे फिलहाल कार्मिक विभाग के भी अतिरिक्त प्रभार में हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि राज्यपाल ने सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 15(3) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार लोगों अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, ,अमुल्य नीरज खलखो, शिवपूजन पाठक को सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्त किया है।

राज्यपाल ने प्रस्ताव को कुछ शर्तों के साथ स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि झारखंड राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति भी जल्द सुनिश्चित की जाए, ताकि आयोग का कार्य प्रभावी और सुचारु रूप से संचालित हो सके।

राज्यपाल ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में किसी प्रकार की प्रक्रियागत त्रुटि पाई जाती है अथवा उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन को लेकर कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो उसकी पूरा जवाबदेही राज्य सरकार की होगी।

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान पैनल में शामिल कुछ नामों के राजनीतिक संबंधों को लेकर भी चर्चा और विवाद हुआ था। अमूल्य नीरज खलखो का कांग्रेस, तनुज खत्री का झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) तथा शिवपूजन पाठक का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़ाव होने की बात सामने आई थी।

विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक संगठनों ने सूचना आयोग जैसे महत्वपूर्ण वैधानिक संस्थान में राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए थे। उनका तर्क था कि आयोग की निष्पक्षता और स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए नियुक्तियों में पारदर्शिता और राजनीतिक तटस्थता आवश्यक है।

राज्य सरकार ने दोबारा भेजे गए प्रस्ताव में स्पष्ट किया कि जिन व्यक्तियों के संबंध में आरोपों या आपत्तियों का उल्लेख किया गया था, वे आरोपों से मुक्त हो चुके हैं। सरकार ने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों से जुड़े नाम नियुक्ति के बाद अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे देंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, संबंधित व्यक्ति वर्तमान में किसी राजनीतिक दल में लाभ के पद पर नहीं हैं और उनकी नियुक्ति सभी कानूनी एवं प्रक्रियागत मानकों के अनुरूप की जा रही है।

## सीआईएल के निदेशक एवं सीएमपीडीआई के सीएमडी ने आईसीपी-एमएस लैब सुविधा का उद्घाटन किया

बिभा संवाददाता

रांची । कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक (तकनीकी) अच्युत घटक एवं सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह ने अपने मुख्यालय, रांची में कोल कैरेक्टराइजेशन लेबोरेटरी के तहत अत्याधुनिक आईसीपी-एमएस लैब सुविधा का उद्घाटन किया। यह लैब सुविधा इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा मास स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-एमएस), एक्स-रे फ्लोरेसेंस (एक्सआरएफ) और एक्स-रे डिफ्रैक्शन (एक्सआरडी) जैसी एडवांस्ड मशीनों से लैस है। यह एक ही जगह पर नान-कोल खनिजों के एलिमेंटल, केमिकल और मिनरलोलाजिकल कैरेक्टराइजेशन के लिए एक व्यापक एनालिटिकल प्लेटफार्म उपलब्ध कराती है।

इस अवसर पर संस्थान के अजय कुमार, नृपेन्द्र नाथ, आनंद मोहन, के० राजशेखर एवं आर०के० सिंह सहित सीएमपीडीआई तथा सीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

तत्पश्चात घटक ने सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, कार्यकारी निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीआईएल के कोल ब्लाक की स्थिति और उन्हें चालू करने के रोडमैप की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। अपने कार्यक्षेत्र में विविधता लाने की रणनीति के तहत, सीएमपीडीआई कोयले के अलावा गैर-कोयला क्षेत्रों में भी अपनी क्षमताएं बढ़ा रहा है, जिसमें रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की खोज शामिल है। रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) और एडवांस्ड एलिमेंटल एनालिसिस के लिए विशेष सुविधाएं स्थापित करके सीएमपीडीआई भारत की महत्वपूर्ण खनिज जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी खोज और अनुसंधान क्षमताओं का सार्थक रूप से विस्तार कर रहा है।

## मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहें युवा : डॉ प्रभात

बिभा संवाददाता

**रांची।** मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को सिविल सर्जन कार्यालय, रांची के तत्वावधान में संध्या फेरी सह जागरूकता अभियान के तहत कार्यशाला और माइकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अभियान के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहना चाहिए। मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं को भी जन्म देता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की अपील की। डॉ कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में नशे के स्वरूप और प्रकारों में व्यापक बदलाव आया है, जिससे जागरूकता की आवश्यकता और बढ़ गई है।

कार्यशाला में एनटीसीपी कंसल्टेंट सुशांत कुमार ने तंबाकू और अन्य मादक पदार्थों से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की जानकारी दी। वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) प्रवीण कुमार सिंह ने नशा मुक्ति अभियान के उद्देश्यों, जनसहभागिता और जागरूकता कार्यक्रमों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, एएनएमटीसी की छात्राएं सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

## रांची सदर अस्पताल बनेगा टेली एसएनसीयू और ई-संजीवनी हब, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा विस्तार

बिभा संवाददाता

**रांची।** झारखंड में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रांची सदर अस्पताल को टेली एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) हब तथा ई-संजीवनी हब सेंटर के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया है।

बुधवार को जारी निर्देश में अजय कुमार सिंह ने कहा कि इस पहल से राज्य में नवजात शिशु चिकित्सा सेवाओं, टेलीमेडिसिन और ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही जिला एवं प्रखंड स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लक्ष्य को भी बल मिलेगा।

उन्होंने रांची के सिविल सर्जन को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विभाग का मानना है कि सदर अस्पताल में पहले से संचालित टेली रेडियोलॉजी और टेली आईसीयू सेवाओं के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को और बेहतर बनाएगी।

प्रस्तावित टेली एसएनसीयू हब के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिला अस्पतालों में संचालित नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों (एसएनसीयू) को रांची सदर अस्पताल से जोड़ा जाएगा। इससे गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं की निगरानी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ऑनलाइन की जा सकेगी तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श समय पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे दूरदराज के जिलों में नवजात शिशुओं के उपचार की गुणवत्ता में सुधार आने की संभावना है।

वहीं, ई-संजीवनी हब के माध्यम से ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों के मरीज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। इससे मरीजों को बेहतर चिकित्सा सलाह के लिए बड़े शहरों का रुख करने की आवश्यकता कम होगी तथा समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के इस विस्तार से राज्य में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

## एम्बुलेंस सेवा में लापरवाही पर दो चिकित्सक निलंबित

बिभा संवाददाता

**रांची।** झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा विभाग ने 108 एम्बुलेंस सेवा के संचालन और निगरानी में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में बुधवार को दो चिकित्सकों को निलंबित कर दिया है।

विभाग ने इसे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई बताया है।

निलंबित चिकित्सकों में बुंडू अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनुप तिर्की और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लापुंग के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शिशिर कुमार विनायक शामिल हैं। दोनों चिकित्सकों को 108 एम्बुलेंस सेवा के प्रभावी संचालन, पर्यवेक्षण एवं मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की रिपोर्ट में पाया गया कि दोनों चिकित्सकों ने प्रतिनियुक्ति आदेश के अनुरूप समय पर योगदान नहीं दिया और उन्हें सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में गंभीर उदासीनता बरती। रिपोर्ट में उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना और सरकारी सेवा के अपेक्षित अनुशासन का पालन नहीं करने की बात भी सामने आई।

मामले को गंभीर मानते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रथम दृष्टया आरोपों को सही पाते हुए दोनों चिकित्सकों को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय क्षेत्रीय उपनिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रांची कार्यालय निर्धारित किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोनों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी चलायी जाएगी और जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला स्तरीय बूथ सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे हुए शामिल

# बूथ स्तर का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत, संगठन को बनाएं मजबूत: विनोद कुमार पांडे

बिभा संवाददाता

**बोकारो:** बोकारो टाउन हॉल (शिबू सोरेन स्मृति भवन) में आज बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा जिला स्तरीय बूथ सम्मेलन सह कार्यकर्ता महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस महासम्मेलन में पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में जिलाभर के पार्टी पदाधिकारियों, बूथ स्तरीय कार्यकताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी। सम्मेलन के दौरान संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम स्थल पर केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे के पहुंचते ही कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया। जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी और बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव के नेतृत्व में उनका झारखंडी संस्कृति के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। महिला-पुरुष कार्यकताओं ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप पर 'लोटा-पानी' की रस्म के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने पार्टी के समर्थन में गगनभेदी नारे लगाए और मुख्य अतिथि विनोद कुमार पांडे को चांदी का मुकुट व माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस जिला स्तरीय बूथ सम्मेलन में मुख्य रूप से वर्तमान में चल रही जनगणना प्रक्रिया और संभावित एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर बूथ स्तर के कार्यकताओं को आवश्यक तकनीकी जानकारी और निर्देश दिए गए। पार्टी नेताओं ने कार्यकताओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जनता को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें।

महासम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे ने कहा झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार का नेतृत्व कर रही है और पार्टी राज्य की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और दायित्व भी सबसे अधिक हैं। बूथ स्तर का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली रीढ़ और ताकत होता है। संगठन की मजबूती हमेशा बूथ से ही तय होती है। हमें सरकार की उपलब्धियों को हर घर तक पहुंचाना है।

सम्मेलन को विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री माननीय योगेंद्र प्रसाद महतो ने भी कार्यकताओं में जोश भरा और संगठन को और अधिक गतिशील बनाने की अपील की।

सम्मेलन के दौरान पार्टी नेतृत्व ने कार्यकताओं से आगामी राजनीतिक चुनौतियों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर पूरी गंभीरता के साथ काम करने का आह्वान किया। चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि बोकारो जिले के हर बूथ पर संगठन को अभेद्य किला बनाने के लिए लगातार कार्यक्रम चलाए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित हजारों कार्यकताओं ने संगठन की मजबूती और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया। संगठनात्मक दृष्टिकोण से इस सम्मेलन को बेहद सफल और महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन का संचालन बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव एवं जिला सचिव मुकेश महतो ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक केंद्रीय सदस्य संतोष रजवार हीरालाल मांझी जयनारायण महतो अखिलेश महतो मनोहर मुर्मू अशोक मुर्मू विजय रजवार इकबाल अंसारी फिरदौस अंसारी घुनू हांसदा मोहन मुर्मू सहित सैकड़ो लोग शामिल थे।

## सेक्टर-4 में मारपीट कर जख्मी करने के मामले में तीन गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

**बोकारो।** सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के क्वार्टर नंबर 1196 के बगान में 8 जून को हुई मारपीट और एक व्यक्ति के जख्मी होने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के संबंध में 9 जून को सेक्टर-04 थाने में कांड संख्या-42/2026 के तहत जय प्रकाश ठाकुर व दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

एसपी बोकारो के निर्देश पर डीएसपी नगर के नेतृत्व में गठित टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। टीम ने 8 जून को जय प्रकाश ठाकुर को रुद्रा होटल के पास से गिरफ्तार किया, जबकि आकाश कुमार और संदीप कुमार को उनके-उनके घरों से पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में तीनों आरोपियों ने क्वार्टर नंबर 1196 में हुई मारपीट में संलिप्तता स्वीकार की। जय प्रकाश ठाकुर के कब्जे से घटना से जुड़ा घायल व्यक्ति का मोबाइल और एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है।

## धरना में भाग लेने को मोर्चा की इकाई रांची हुई रवाना

बिभा संवाददाता

**बोकारो।** बोकारो स्टेशन से इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, बोकारो जिला के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष -राजदेव माहथा के नेतृत्व मे,रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव करने के लिए सैंकड़ों आंदोलनकारी रांची के लिए बुधवार को रवाना हुए। मोर्चा अपनी मांगों को लेकर रांची में धरने पर बैठेगी। मांगों में सभी अधिसूचित/चिंहित आंदोलनकारियों को समान रूप से सम्मान पेंशन-50-50 हजार रुपया, सरकार द्वारा दिए,10% क्षैतिज आरक्षण को लागू करना। सभी आश्रितों को सीधा नौकरी में नियुक्ती ,चिकित्सा की व्यवस्था, स्वास्थ्य बीमा परिवारों को 10-10 लाख रुपया दो,सभी आंदोलनकारियों को एक-एक पक्का मकान देने, जिला समाहरणालय द्वारा प्रमाण-पत्र,प्रशस्ति पत्र एवं अन्य राजकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए कि बात शामिल है। जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा ने कहा है कि रांची में आयोजित मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव को सफल करने के लिए-बोकारो जिला के सभी प्रखंडों से लगभग पन्द्रह सौ आंदोलनकारियों विभिन्न गन्तव्य स्थानों से-बोकारो रेलवे स्टेशन से,पश्चिम बंगाल के चास रोड रेलवे स्टेशन से एवं पुरे जिले से आंदोलनकारी अपने लगभग एक सौ निजी वाहनों से कूच किए हैं।अनिश्चितकालीन घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए-केन्द्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो,जिला महासचिव खगेन्द्र नाथ वर्मा,जिला उपाध्यक्ष लखन खवास,युवा अध्यक्ष ललित नारायण,संरक्षक खिरोधर महतो,अमीर शेख, गयासुद्दीन साह,बोकारो महानगर अध्यक्ष ज्योति लाल महतो,जिला सचिव राजकिशोर महतो, सहित सैकड़ों आंदोलनकारी रांची जा रहें हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### शादी का वादा कर शारीरिक संबंध कराने का आरोप, युवक गिरफ्तार, जेल

**चास (बिभा)।** चास (मु0) थाना क्षेत्र की एक महिला द्वारा 22 मई 2026 को दिए गए आवेदन के आधार पर राकेश कुमार दास नामक युवक के विरुद्ध शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया था कि राकेश कुमार दास ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में विवाह से इनकार कर दिया। प्राप्त आवेदन पर चास (मु0) थाना में दिनांक 22 मई 2026 को कांड सं. 55/26 के तहत धारा 69/352/351 (2) बीएनएस-2023 के अंतर्गत अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। घटनास्थल व साक्ष्यों की जांच के बाद पुलिस ने विस्तृत अनुसंधान कर आरोपी की पहचान व तलाश जारी रखी। पुलिस ने बताया कि आज, 10 जून 2026 को अभियुक्त राकेश चन्द्र वैष्णव उर्फ राकेश कुमार दास को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का पता दर्ज है—पे० स्व० तारापद वैष्णव, साता- वाटविनोर, थाना चास (मु0), जिला बोकारो। गिरफ्तार करने वाली छापामारी दल में चास थाना प्रभारी पु0अ0नि0 प्रकाश मंडल, पु0अ0नि0 मो0 मोजम्मील तथा सशस्त्र बल के अधिनस्थ कर्मी शामिल थे। गिरफ्तारी के पश्चात अभियुक्त को आवश्यक औपचारिकताओं के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की आगे की कानूनी कार्यवाही व जांच जारी है।

### होमगार्ड कंपनी कमांडर आनंद नायक का स्थानांतरण, वेलफेयर एसोसिएशन ने दी भावभीनी विदाई

**बोकारो (बिभा):** झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन, बोकारो कमेटी ने बुधवार को सेक्टर-01 स्थित जिला समादेष्टा कार्यालय में कंपनी कमांडर आनंद नायक के बोकारो से सिमडेगा तबादले पर विदाई समारोह आयोजित किया। समारोह में जिला समादेष्टा किरण कुमारी की उपस्थिति में आनंद नायक को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार द्विवेदी ने किया। उन्होंने नायक के सरल स्वभाव, कार्यकुशलता और होमगार्ड जवानों के प्रति सहयोगात्मक रवैये की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। समारोह में उन्होंने नए कार्यस्थल पर सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं भी दीं। स्थानांतरित होने वाले कंपनी कमांडर आनंद नायक ने कहा कि उन्हें जिले में मिले सहयोग, स्नेह और सम्मान को वह सदैव स्मरण रखेंगे। उन्होंने बोकारो में कार्य करने का अपना अनुभव सकारात्मक और यादगार बताया। समारोह में वर्षकार पांडे, उमेश पांडे, जयप्रकाश यादव, सूरज कुमार, दीपक कुमार झा, आशीष कुमार, सुमित कुमार, मुकेश कुमार सिंह, रवि कुमार, विजय सिंह, राजकुमार शाह, कुमार हेमंत सहित महिला और पुरुष होमगार्ड जवानों ने भाग लिया। जिला कमेटी के सदस्यों ने आनंद नायक के योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

### पुलिस अधीक्षक एंटी क्राइम और ड्रंक एंड ड्राइव अभियान का किया औचक निरीक्षण

**बोकारो(बिभा)।** जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने मध्य रात्रि में बोकारो स्टील सिटी क्षेत्र के सिटी, सेक्टर फोर एवं सेक्टर सिक्स थाना क्षेत्रों में संचालित रात्रि गश्ती (यानि पेट्रोलिंग) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष ड्रंक एंड ड्राइव जांच अभियान भी संचालित किया गया। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों के दस्तावेजों की जांच के साथ-साथ सुरक्षा मानकों के अनुपालन की भी समीक्षा की। इस दौरान कई स्थानों पर पुलिस की सक्रियता देखी गई, जिससे आम लोगों में सुरक्षा का एहसास बढ़ा। पुलिस अधीक्षक ने रात्रि गश्ती में तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने, संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

### तनाव प्रबंधन और कृतज्ञता का भाव विषयों पर शिक्षकों पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

## विद्यार्थियों को अपने मूल्यों से करें प्रेरित : बिस्वरूप

बिभा संवाददाता

**बोकारो।** आजकल के आधुनिक परिवेश में लोगों ने चिंता और तनाव को जीवन का पर्याय बना लिया है। हर दिन की शुरूआत से लेकर दिन का अंत होने तक लोग छोटी - छोटी बातों पर परेशान नजर आते हैं। इसी मानसिकता को कम करने के लिए और शिक्षकों को बेहतर तनाव प्रबंधन के गुण सिखाने के उद्देश्य से बुधवार, 10 जून को चिन्मय विद्यालय बोकारो में तनाव प्रबंधन और कृतज्ञता का भाव विषयों पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

तनाव प्रबंधन विषय के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में राहुल रॉय और श्रीमती सुप्रिया चौधरी मौजूद रही। दूसरी तरफ, ₹कृतज्ञता का भाव₹ विषय पर विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के दौरान विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे। साथ ही, विद्यालय के सभी शिक्षक और स्टाफ मौजूद रहे।

कार्यशाला की शुरूआत में संसाधन व्यक्ति राहुल रॉय ने सभी शिक्षकों को तनाव, उसके कारण और तनाव के आयाम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि तनावपूर्ण जीवन शिक्षकों के लिए जहर की तरह काम करता है। कक्षा में पठन - पाठन का कार्य करने के दौरान ये जहर विद्यार्थियों में भी फैल सकता है। उन्होंने सभी शिक्षकों को उनके जीवन के तनाव के कारणों से दूर रहने की सलाह दी।

प्रशिक्षण को आगे बढ़ाते हुए सुप्रिया चौधरी ने तनाव प्रबंधन के विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए ये बहुत जरूरी है कि वे अपने और अपने विद्यार्थियों के जीवन के विभिन्न तनाव के कारणों का बेहतर तरीके से समाधान करें। उन्होंने कई सरल और प्रभावपूर्ण सुझावों पर भी चर्चा की, जिससे तनाव को जीवन से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि निजी और पेशेवर जीवन में सही संतुलन बनाना जरूरी है।

## महिला समिति का वार्षिकोत्सव संपन्न

बिभा संवाददाता

**बोकारो।** महिला समिति, बोकारो का वार्षिकोत्सव बीएसएल के मानव संसाधन विभाग के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक, डीआईजी (सीआईएसएफ), सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत महिला समिति की सदस्याओं द्वारा पौधा, पुष्पगुच्छ एवं गुलाब भेंट कर किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

महिला समिति, बोकारो की अध्यक्ष श्रीमती शुभम रंजन ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए समिति द्वारा समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामुदायिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे विविध कार्यों एवं योगदानों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक सचिव श्रीमती श्वेता कुमार ने किया, जबकि समिति की सचिव श्रीमती ऋचा प्रियदर्शिनी ने समिति की वार्षिक गतिविधियों एवं विभिन्न परियोजनाओं का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक एवं मनोरंजक बनाते हुए समिति की सदस्याओं ने नृत्य, गीत एवं लघु नाटिका (स्किट) सहित अनेक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इस अवसर पर समिति की सचिव द्वारा रचित एक विशेष गीत भी प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए महिला समिति द्वारा समाज एवं समुदाय के कल्याण हेतु किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने समिति की सक्रियता, समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर महिला समिति की वार्षिक पत्रिका ह्यमैत्रीह्न का भी विमोचन किया गया।

## बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सीजीएम को सौंपा सुझाव पत्र, विकास व व्यापार के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग

बिभा संवाददाता

**बोकारो:** बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि मंडल ने बोकारो इस्पात नगर के समग्र विकास, व्यापार संवर्धन और नागरिक सुविधाओं से संबंधित मुद्दों पर नगर सेवा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) श्री कुंदन कुमार को एक विस्तृत सुझाव पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने नगर के विकास और जनता की सुविधाओं को प्रभावित कर रहे कई अहम बिंदुओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। प्रतीनिधी मंडल के अध्यक्ष मनोज चौधरी और महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि सिटी सेंटर स्थित व्यावसायिक व आवासीय भूखंडों के लीज नवीकरण के लिए निर्धारित लीज राशि, लीज रेंट तथा सर्विस चार्ज में अत्यधिक वृद्धि (लगभग 100 गुना, 446 गुना तथा 357 गुना तक) किए जाने से नगर में विकास संबंधी गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इस विषय पर माननीय झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा भी आदेश पारित किया जा चुका है, इसलिए नगर के संतुलित एवं दीर्घकालिक विकास को देखते हुए न्यायालय के आदेश के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंधन द्वारा लगाये जा रहे उच्च शुल्क एवं विभिन्न प्रतिबंधों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। कहा गया कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी आर्थिक परिदृश्य में ऐसी व्यवस्थाएं स्थानीय व्यापार एवं निवेश को प्रभावित कर रही हैं और कई व्यवसायी अन्यत्र स्थानान्तरण पर विचार कर रहे हैं। इसलिए नियमों व शुल्कों की पुनर्समीक्षा कर उन्हें व्यावहारिक और व्यापार-अनुकूल बनाया जाना चाहिए।

महामंत्री ने नगर के प्रमुख क्षेत्रों में बार-बार होने वाली बिजली व पेयजल आपूर्ति समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की। सिटी सेंटर के ब्लॉक बी, सी और ई में विद्युत पैनल जर्जर हो चुके हैं और इनको तत्काल बदले जाने की आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल ने सेक्टर-9 के बसंती मोड़ से रामडीह मोड़ होते हुए चंद्रपुरा तक जाने वाली सड़क के शीघ्र पुनर्निर्माण पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त सिटी सेंटर व विभिन्न सेक्टरों की जर्जर आंतरिक सड़कों की मरम्मत और पुनर्निर्माण की भी मांग की गई।

## बीएकेएस ने डी-प्लास्ट क्वार्टर फ़्लोरिडा ऑर्डर डिजाइन की मांग की

बिभा संवाददाता

**बोकारो :** बोकारो अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने प्रबंधन द्वारा हाल ही में जारी डी-प्लेट क्वार्टर फ़्लोरिक प्रक्रिया पर गंभीर आवश्यकताओं की मांग करते हुए आदेश जारी किया है। संघ ने रेफरी. क्रमांक बीएसएल/टीएटीएएमएस /2026/डी/009 दिनांक 30.05.2026 के जारी विज्ञप्ति में सरकरोल में वरिष्ठता (वरिष्ठता) के सिद्धांतों और एचएआर -2017 के पेशेवरों की राय शामिल है।

यूनियन ने कहा कि किर्क सरूल में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि ₹निम्नलिखित रिक्त डी टाइप क्वार्टरों को वरिष्ठता के अनुसार कड़ाई से आवंटन के लिए पेश किया जा रहा है₹, प्रस्तुत सूची और वरिष्ठता सूची के परीक्षण से पता चलता है कि केवल वरिष्ठता का पालन नहीं हुआ है, बल्कि एचएआर -2017 की मूल भावना भी समाप्त हो गई है। यूनियन ने कहा कि इसी तरह कई वरिष्ठ कर्मचारियों को क्वार्टर शेयरिंग दी गई, जबकि कनिष्ठ कर्मचारियों को क्वार्टर डिपार्टमेंट दिया गया।

बीकेएएस ने यह भी बताया कि प्रबंधन ने पहले फी. संख्या बीएसएल/टीए/टीएएमएस/2026 /डी/007 के माध्यम से 4 ए और 4 डी सेक्टर की महिला कर्मचारियों के लिए चयन विकल्प आमंत्रित किए गए थे, जबकि बाद में सरकुल रेफरी। नंबर बीएसएल/टीए/टीएएमएस/2026 /डी/009 में स्पष्ट कर दिया गया कि उन महिला कर्मचारियों की नैतिकता पर अब विचार नहीं होगा। यूनियन का कहना है कि एचएआर-2017 या उसके प्रोफेशनल आर्टिस्ट में महिला कर्मचारियों के लिए अलग से कोई प्रस्ताव नहीं है; ऐसे भिन्न व्यवहार को अनुकूलता के सिद्धांत का उल्लंघन और नियमविरुद्ध माना गया है।

संघ ने प्रबंधन से सवाल उठाया कि यदि महिला कर्मचारियों के लिए अलग व्यवस्था की जा सकती है तो उन कर्मचारियों के लिए विशेष व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है जो वर्षों से जर्जर और क्षतिग्रस्त क्वार्टरों में रहने को मजबूर हैं। बीएकेएस ने मांग की है कि डैमेज क्वार्टरों में रहने वाले कर्मचारियों के लिए अलग-अलग सेल जारी कर विशेष रूप से आवंटित अभियान चलाया जाए।

संघ ने क्लॉज-13(ए) का हवाला देते हुए कहा कि चेंज केसों के लिए सामान्य वरिष्ठता सूची बनाई गई थी और फ्रेश केसों और चेंज केसों के बीच 1:1 का अनुपात तय किया गया था। केवल मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रचलित मेडिकल परिवर्तन मामलों को अन्य परिवर्तन मामलों की तुलना में 3:1 अनुपात में संस्थागत दी गई थी। वर्तमान प्रक्रिया में परिवर्तन के मामलों में सामान्य वृद्धों से ऊपर रखे गए वृद्धों की सूची तैयार की गई है और उसी के आधार पर सूची तैयार की गई है, जिसमें पुराने मानकों का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है।

यूनियन ने यह भी कहा कि पूर्व कर्मचारियों को किसी प्रकार की आपत्ति (आपत्ति) या दावा (दावा) प्रस्तुत करने का अवसर नहीं दिया गया। इस प्रकार की त्रुटि के कारण प्रभावित वृद्ध कर्मचारियों के पास न तो प्रभावशाली सुधार का माध्यम है और न ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जा रहा है।

## पुलिस अधीक्षक ने किया महिला थाना का औचक निरीक्षण, पिंक पेट्रोलिंग पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

**बोकारो।** पुलिस अधीक्षक, बोकारो ने बुधवार को नगर महिला थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

पुलिस अधीक्षक ने महिला थाना के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को शहर के संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित रूप से पिंक पेट्रोलिंग संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा उनमें सुरक्षा की भावना को और मजबूत करने के लिए पुलिस की सक्रिय उपस्थिति आवश्यक है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि महिलाओं से संबंधित किसी भी शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर महिला थाना के पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

# सदर अस्पताल रामगढ़ में बढेंगे 250 अतिरिक्त बेड अपर मुख्य सचिव ने भवन निर्माण का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

**रामगढ़ः** स्वास्थ्य चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रामगढ़ जिले का औपचारिक दौरा कर जिले में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा आधारभूत संरचनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का भ्रमण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सर्वप्रथम अपर मुख्य सचिव ने कांकेबार स्थित ट्रॉमा सेंटर भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रॉमा सेंटर में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, उपकरणों एवं आपातकालीन सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ट्रॉमा सेंटर के मॉड्यूलर सिस्टम को अपग्रेड करने का निर्देश दिया। साथ ही ट्रॉमा सेंटर भवन के प्रथम तल पर अतिरिक्त निर्माण कार्य कराए जाने की संभावनाओं एवं आवश्यकताओं पर भी चर्चा की गई। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को आवश्यक तकनीकी परीक्षण कर प्रस्ताव तैयार करने तथा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। इसके उपरांत अपर मुख्य सचिव ने सदर अस्पताल रामगढ़ का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव ने ऑपरेशन थिएटर (ओटी), स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू), डायलिसिस सेंटर, डॉक्टर क्वार्टर, स्टाफ क्वार्टर सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का निरीक्षण किया। डॉक्टर एवं स्टाफ क्वार्टर की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के उपरांत उन्होंने पुराने डॉक्टर एवं स्टाफ क्वार्टर को हटाकर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 10 मंजिला आवासीय भवन के निर्माण की संभावनाओं पर चर्चा की तथा इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में अपर मुख्य सचिव ने उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज के साथ सदर अस्पताल परिसर में 250 अतिरिक्त बेड की क्षमता वाले नए भवन के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान बताया गया कि भवन का निर्माण जी+6 (ग्राउंड प्लस छह मंजिला) मॉडल पर किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने संबंधित अभियंताओं को भवन निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने, सभी तकनीकी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा भविष्य की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त बेड क्षमता विकसित होने से जिले के मरीजों को बेहतर एवं विस्तारित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

दौरे के क्रम में अपर मुख्य सचिव ने सिविल सर्जन कार्यालय रामगढ़ का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारी, अभियंता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

## मोहर्रम सेन्ट्रल कमेटी का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, वसीम अहमद बने अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

**हजारीबाग।** खिदमत -ए- खल्क कमेटी के बैनर तले हजारीबाग शहर स्थित मिलन पैलेस कल्लू चौक में बुधवार को मोहर्रम सेन्ट्रल कमेटी 2026 का चुनाव फिरोज खलिफा उर्फ राजा की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया सर्वसम्मति से पूरी की गई, जिसमें समाजसेवी एवं वार्ड संख्या-21 के वार्ड पार्षद वसीम अहमद उर्फ टिंकू खान को मोहर्रम सेन्ट्रल कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही प्रवेज अहमद को उपाध्यक्ष, इरफान अहमद काजू को महासचिव तथा शादाब कुरैशी को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष वसीम अहमद उर्फ टिंकू खान ने कहा कि मोहर्रम केवल एक पर्व नहीं बल्कि त्याग, बलिदान, सत्य और इंसाफ का संदेश देने वाली महान धार्मिक परंपरा है। उन्होंने कहा कि मोहर्रम की धार्मिक आस्थाओं एवं परंपराओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष आयोजन को भव्य, अनुशासित और ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही सभी अखाड़ों, अंजुमनों और समाज के लोगों के सहयोग से शांति एवं भाईचारे का वातावरण कायम रखा जाएगा।

उपाध्यक्ष प्रवेज अहमद ने कहा कि कमेटी का उद्देश्य सभी अखाड़ों एवं मोहल्लों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मोहर्रम के कार्यक्रमों को सफल बनाना है। महासचिव इरफान अहमद काजू ने कहा कि मोहर्रम से जुड़े सभी कार्यक्रमों के संचालन में पारदर्शिता, अनुशासन और बेहतर प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी। सचिव शादाब कुरैशी ने कहा कि मोहर्रम की ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए युवाओं की सकारात्मक भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कमेटी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में मोहर्रम के आयोजन को सफल बनाएगी। अंत में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोहर्रम पर्व को पूरी श्रद्धा, अनुशासन, धार्मिक गरिमा और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न कराना ही कमेटी की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

# संक्षिप्त खबरें

## उपायुक्त ने पावरलिफ्टर प्रिंस को किया सम्मानित

**लातेहार(बिभा):** हाल ही में झारखंड में आयोजित स्टेट और नेशनल पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में लातेहार जिले का नाम रोशन करने वाले विजेता खिलाड़ी आसिफ अली प्रिंस को कांस्य पदक मिला जिन्हें उपायुक्त संदीप कुमार ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सम्मानित किया।रांची के गुरुनानक स्कूल के पीपी कंपाउंड में आयोजित झारखंड स्टेट पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में राज्य भर से आए खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में लातेहार के प्रिंस ने शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक अपने नाम किया और जिले को गौरवान्वित किया।सम्मान समारोह के दौरान उपायुक्त संदीप कुमार ने प्रिंस को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव मदद करेगा।उपायुक्त ने प्रिंस के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आगामी नेशनल प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि आसिफ अली प्रिंस जिले के भारत माता भवन में जिला प्रशासन द्वारा संचालित जिम सेंटर के ट्रेनर भी हैं।इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार,जिला सूचना जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ चन्दन,गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस समेत अन्य उपस्थित थें।

## रोजगार की मांग को लेकर रेशमी मेटलिक कंपनी के खिलाफ विस्थापित मजदूरों का आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

**लातेहार(बिभा):** चन्दवा प्रखंड के चकला-बाना गांव स्थित रेशमी मेटलिक कंपनी में रोजगार की मांग को लेकर विस्थापित एवं स्थानीय मजदूरों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बुधवार को कंपनी परिसर स्थित टीजी ब्लॉक के समीप बड़ी संख्या में मजदूरों और ग्रामीणों ने बैठक कर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की तथा कंपनी प्रबंधन को एक मांग पत्र सौंपते हुए आंदोलन की चेतावनी दी।ग्रामीणों ने बताया कि अभिजीत पावर प्लांट की स्थापना के समय रोजगार और क्षेत्रीय विकास के भरोसे उन्होंने अपनी जमीन कंपनी को उपलब्ध कराई थी। लेकिन अभिजीत ग्रुप के दिवालिया होने के बाद परियोजना बंद हो गई। इसके बाद आरसीएम कंपनी के अधीन परियोजना रहने के दौरान प्रभावित परिवारों को जीवन-यापन के लिए प्रतिमाह 8 से 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती रही, जो जनवरी 2026 तक जारी रही।मजदूरों के अनुसार 14 जनवरी 2026 को एनसीएलटी की कानूनी प्रक्रिया के तहत रेशमी मेटलिक कंपनी ने प्लांट का अधिग्रहण कर उसके पुनर्जीर्णोद्धार एवं संचालन की प्रक्रिया शुरू की। कंपनी द्वारा लगभग 100 पुराने श्रमिकों को रोजगार दिया गया, लेकिन अब भी 50 से अधिक विस्थापित और स्थानीय मजदूर रोजगार से वंचित हैं।बैठक में उपस्थित मजदूरों ने आरोप लगाया कि रोजगार की मांग को लेकर कई बार कंपनी प्रबंधन से बातचीत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला।उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपनी जमीन परियोजना के लिए दी, उन्हें रोजगार से वंचित रखना अन्याय है। मजदूरों ने कहा कि वे अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं और अब उनका सब्र का बांध टूटने लगा है।मजदूरों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि शेष विस्थापितों और स्थानीय लोगों को शीघ्र रोजगार नहीं दिया गया तो गुरुवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।आवश्यकता पड़ने पर कंपनी का कार्य भी बाधित किया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।हालांकि, इस संबंध में रेशमी मेटलिक कंपनी प्रबंधन का पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका था।

## पुराने ग्राहक ही बैंक की असली पूंजी : शाखा प्रबंधक मनीष कुमार

**सिल्ली(बिभा) :** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा पतराहातु ने बुधवार को बैंक के सबसे पुराने ग्राहकों का डोर टू डोर जाकर बर्षो से बेहतरीन सहयोग और रिश्ते बनाए रखने को लिए सम्मानित किया। इस मौके पर शाखा प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि पुराने ग्राहक ही बैंक की असली पूंजी है। जिनके विश्वास के बदौलत बैंक लगातार आगे बढ़ रहा है। सम्मानित होने पर ग्राहकों ने भी बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रबंधक ने कहा एसबीआई की स्थापना 1 जुलाई 1955 को हुई थी और 1 जुलाई 2026 को बैंक अपना 71 साल पूरा करेगा। इस 71 साल के विश्वास को शाखा प्रबंधक मनीष कुमार और बलराम महतो के द्वारा 71 मिनट में पूरा करने का कोशिश किया गया। इस मौके पर भीमसेन महतो, रविन्द्र हजाम आदि मौजूद रहे।

विक्की कुमार सोनी हत्याकांड का 24 घंटे में हजारीबाग पुलिस ने किया खुलासा

# जीजा ही निकला साले का कातिल, दो गिरफ्तार

### करसो पुल के पास घात लगाकर मारी थी गोली, एसआईटी की त्वरित कार्रवाई से दो आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

**हजारीबाग :** बरही थाना क्षेत्र में हुए चर्चित विक्की कुमार सोनी हत्याकांड का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि मृतक का अपना जीजा ही हत्या का मुख्य साजिशकर्ता और आरोपी निकला। पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, ओकनी निवासी विक्की कुमार सोनी 8 जून को कोडरमा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बरही थाना क्षेत्र के करसो पुल के समीप पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगने से उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे जिले में सनसनी फैल गई और पुलिस महकमा तत्काल सक्रिय हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी जानकारियों के आधार पर जांच शुरू की। लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने बिहार के नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र निवासी विक्रम कुमार (25 वर्ष) और गया जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र निवासी दिलीप कुमार (25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बरही डीएसपी राधाप्रेम किशोर ने बताया कि गिरफ्तार विक्रम कुमार मृतक विक्की कुमार सोनी का जीजा है, जबकि दिलीप कुमार उसका सहयोगी और मृतक का परिचित है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश और निजी विवाद को हत्या की मुख्य वजह माना जा रहा है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपी पहले से आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इनके खिलाफ बिहार के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, मारपीट, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, ड्रग्स तस्करी एवं उत्पाद अधिनियम से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान दोनों ने हजारीबाग समेत अन्य जिलों में हुई कई आपराधिक घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है, जिसकी जांच जारी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। हालांकि हत्या में प्रयुक्त हथियार अब तक बरामद नहीं हो सका है। पुलिस उसकी बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है। सनसनीखेज हत्याकांड का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर हजारीबाग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई का परिचय दिया है। वहीं, मृतक के अपने जीजा के ही हत्या का मास्टरमाइंड निकलने से पूरे क्षेत्र में लोगों के बीच हैरानी और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

## राज्यव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की शुरूआत, विभिन्न प्रखंडों में निकाली गई जागरूकता रैली

**जमशेदपुर :** राज्य सरकार द्वारा 10 जून से 26 जून 2026 तक संचालित राज्यव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत सरायकेला-खरसावां जिले में जनजागरूकता कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया।जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वावधान में जिले के विभिन्न प्रखंडों में नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री का प्रदर्शन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने लोगों को निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अभियान के अगले चरण में जिले के अन्य प्रखंडों में भी जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण कार्यक्रम एवं विभिन्न आईईसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 11 जून 2026 को सदर अस्पताल, सरायकेला से नशा मुक्ति संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक बाइक रैली निकाली जाएगी।

## हजारीबाग थ्रोबॉल संघ एवं आरएफसी के सदस्यों ने नेशनल थ्रोबॉल विजेताओं को किया जोरदार स्वागत

बिभा संवाददाता

**हजारीबागः** राजस्थान में आयोजित 36वीं जूनियर नेशनल थ्रो बॉल चैंपियनशिप 2026-27 में झारखंड की बालिका टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान का पदक जीत कर झारखंड का नाम रोशन किया है। जिसमें बालिकाएं बिहार, मध्य प्रदेश एवं तमिलनाडु को पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक से रोमांचक मुकाबले में मात्र एक पॉइंट से पराजित हुई एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। बुधवार की अहले सुबह जैसे ही विजेता टीम हजारीबाग पहुंची हजारीबाग थ्रोबॉल संघ के सभी सदस्य एवं रिटायर्ड फुटबॉल क्लब की सभी गणमान्य सदस्यों ने बालक एवं बालिका टीम को हजारीबाग कर्जन ग्राउंड में फूलमाला, गुलदस्ता तथा मिठाई खिलाकर जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में रिटायर्ड फुटबॉल क्लब के सचिव अभय पासवान ने कहा की बहुत ही गर्व की बात है कि झारखंड की टीम में हजारीबाग के बालिका एवं बालक टीम नेशनल खेलने गए एवं बालिका टीम पदक जीतकर पूरे झारखंड का नाम रोशन किया। जिसके लिए मैं तहे दिल से धन्यवाद देता हूं और मुझे विश्वास है कि इन बच्चों को यदि लगातार अभ्यास कराया जाए तो निश्चित रूप में स्वर्ण पदक के हकदार होगी।

हजारीबाग थ्रोबॉल संघ के सचिव अबोध राम ने बताया कि यह झारखंड के बालक एवं बालिकाएं टीम काफी सुदूरवर्ती क्षेत्र से है। यदि इन्हें थोड़ी सी और प्रोत्साहित किया जाए तो यह बच्चे आने वाले समय में थ्रोबॉल खेल में झारखंड का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के सचिव राजेश कुमार एवं भारतीय थ्रोबॉल संघ के सचिव गौतम कुमार को धन्यवाद देते हुए कहा कि खुशी की बात है कि इन लोगों के द्वारा हजारीबाग में थ्रो बॉल संघ का बढ़ावा देने के लिए हम लोगों को प्रेरित किए हैं जिसके लिए तहे दिल से धन्यवाद देते हैं।

## बस किराया बढ़ोतरी को लेकर झारखंड प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन का बड़ा फैसला, 15 जून से यात्रियों को देना होगा अधिभार

बिभा संवाददाता

**हजारीबागः** झारखंड प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन ने बस किराया बढ़ोतरी को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। एसोसिएशन की ओर से बताया गया कि राज्य में लगातार बढ़ रही परिचालन लागत को देखते हुए आगामी 15 जून 2026 से झारखंड के सभी जिलों में वर्तमान बस किराए पर अतिरिक्त अधिभार (सर्चार्ज) लिया जाएगा।एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप कुमार ने बताया कि बस किराया बढ़ाने को लेकर झारखंड सरकार के परिवहन सचिव को 26 मई 2026 को आवेदन सौंपा गया था, लेकिन अब तक परिवहन विभाग की ओर से किराया बढ़ोतरी को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में बस संचालन से जुड़ी सभी आवश्यक वस्तुओं के दामों में लगातार वृद्धि हुई है। डीजल, पेट्रोल, यूरिया, मोबिल, टायर, स्पेयर पार्ट्स और रखरखाव की लागत बढ़ने से बस संचालकों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में वर्तमान किराए पर बसों का संचालन करना काफी कठिन होता जा रहा है।

महासचिव ने बताया कि राज्य के कुछ जिलों में स्थानीय बस ऑनर्स एसोसिएशन द्वारा किराए में बढ़ोतरी की जा चुकी है। इसी को देखते हुए अब प्रदेश स्तर पर सभी जिलों में वर्तमान किराए के साथ अतिरिक्त राशि अधिभार (सर्चार्ज) के रूप में लेने का निर्णय लिया गया है।

एसोसिएशन ने यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि बस सेवा आम लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन माध्यम है। बढ़े हुए अधिभार के माध्यम से सहयोग मिलने से बसों का नियमित परिचालन सुचारू रूप से जारी रखा जा सकेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि परिचालन लागत के अनुसार किराए में उचित समायोजन नहीं किया गया, तो आने वाले समय में बसों का संचालन प्रभावित हो सकता है और कई रूटों पर बस सेवा बंद होने जैसी स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है।

एसोसिएशन ने यात्रियों, प्रशासन और संबंधित विभागों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य यात्रियों को बेहतर और नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है।

# नशा मुक्ति के खिलाफ महाअभियान का शुभारंभ, उपायुक्त और एसपी ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

बिभा संवाददाता

**लातेहार :** आम जनमानस को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जागरूकता रथ,उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक,उप विकास आयुक्त एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत की गई। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त के द्वारा पदाधिकारियों एवं सहकर्मियों को नशा मुक्ति को लेकर शपथ कराया गया।राज्य सरकार द्वारा दिनांक 10 जून 2026 से 25 जून 2026 तक प्रस्तावित राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु,जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा,निकाले गए जागरूकता रथ को आज उपायुक्त संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम करेगी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा न केवल शरीर को बल्कि व्यक्ति के सपनों और उसके भविष्य को भी नष्ट कर देता है। नशे से ग्रसित बच्चों एवं नागरिकों में कई मानसिक शारीरिक लक्षण देखने को मिलते हैं।गौरतलब है कि यह कार्यक्रम जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के सहयोग से चलाया जाना हैं जिसमें ग्राम चौपाल,नुक्कड नाटक,चित्रांकन/कविता लेखन/क्विज प्रतियोगिता आदि किया जाना है।

लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार का नशामुक्ति को लेकर जिलेवासियों से अपिल उपायुक्त संदीप कुमार ने लातेहार वासियों से अपील करते हुए कहा कि सरकार के इस अभियान में आप सभी सहभागी बनें। नशा ऐसी बुराई है जो केवल व्यक्ति को शारीरिक मानसिक और आर्थिक रूप से खोखला करती है, बल्कि यह परिवार और समाज को भी खोखला बनाती है इसलिए हम सभी की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि इसे समाज से बाहर निकालें ।

नशा से छुटकारे के लिए टोल फ्री नम्बर 112 (24×7)सिनपास,रांची, केंद्रीय मनो चिकित्सा संस्थान, रांची,अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स),देवघर मौके उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी,सिविल सर्जन राजमोहन खलखो, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, उपनिर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी , गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस,जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ चन्दन, कार्यपालक दंडाधिकारी अजय कच्छप, कार्यपालक अभियंता दीपक महतों सहित अन्य उपस्थित थें।

## मोदी के सुशासन का 12 वर्ष पूरे होने पर उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन के लिए पूजा- अर्चना की गई : विवेकानंद सिंह

बिभा संवाददाता

**हजारीबागः** यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन का 12 वर्ष पूरे होने पर ,उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना हेतु हजारीबाग के बुढ़वा महादेव मंदिर में, जिला के भाजपा कार्यकताओं द्वारा संध्या 5:00 बजे, पूजा -अर्चना एवं आरती की गई। कार्यकताओं ने यह कामना की ,कि बहुत जल्द ही मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इन वर्षों में भारत ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति और वैश्विक कूटनीति के मामले में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा गया। शासन के इस सफर ने देश को एक नए मुकाम पर पहुंचा है। भारत में डिजिटल पेमेंट और युपीआई तकनीक ने विश्व स्तर पर एक मिसाल कायम की है।12 वर्षों के दौरान भारत दुनिया की चौथीसबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। सब्सिडी और सरकारी सहायता का पैसा सीधे लाभार्थियों की बैंक खातों में जमा करके ,भ्रष्टाचार को कम किया गया है। देश के करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को मुफ्त इलाज की सुविधा दी है ।स्वच्छ भारत मिशन के जरिए गरीबों को घर, शौचालय प्रदान की गई। देशभर में एक्सप्रेसवे, हाईवे और नई रेल लाइनों का भारी मात्रा में विस्तार हुआ है। विदेश नीति और कूटनीति में वैश्विक मुद्दों पर ,भारत की राय और प्रभाव काफी बढा है ।अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पीएम मोदी के नेतृत्व की दुनिया भर के नेताओं द्वारा सराहना की गई है। पूजा- अर्चना कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ,प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव ,अनिल मिश्रा समेत कई लोग उपस्थित थे।

# मोदी युग के बारह वर्षः विकास, विश्वास और विराट का उदय

ललित गर्ग

**मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।**

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा-'अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए।' उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया-'मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा?' किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई।

उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

## संपादकीय

### विकास और विश्वास

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को ह्यअंत्योदय दृष्टिह्न से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने ह्यएक देश, एक करह्न की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न ह्यखाऊंगा और न खाने दूंगा।ह्न यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की।

## चिंतन-मनन

### जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें।

यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा।

राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

## नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक,जलता रहा है जलता रहेगा

निर्मल रानी

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में गत 3 जून को हुए एक भीषण अग्निकांड की घटना घटित हुई। बताया जाता है कि इस अग्निकांड के परिणाम स्वरूप 21 लोगों की मौत आग से झुलसने या धुएँ में दम घुटने की वजह से हो गयी। कहा जा रहा है कि मृतकों में 9 भारतीय जबकि 12 विदेशी नागरिक थे। इस अग्निकांड में स्थानीय लोगों द्वारा लगभग 49 लोगों को उनकी जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस अग्निकांड में रियाजुद्दीन नामक एक मुस्लिम गद्दा व्यापारी ने अपनी सूझबूझ,तत्परता व मानवता के चलते अग्निकांड में फंसे लगभग 15 लोगों की जान बचाकर काफी सुर्खियां बटोरीं। घटनास्थल के करीब ही रियाजुद्दीन की गद्दों (मैट्रेस) की दुकान है। रियाजुद्दीन व उनके बेटे ने आग की लपटें बढ़ते ही अपने नफे-नुकसान की परवाह किये बिना अपनी दुकान के सारे गद्दे जलते हुये भवन के ठीक नीचे एक पर एक रखकर बिछा दिये। इनके अतिरिक्त अफजल, मोहम्मद शाहरुख , मोहम्मद अनीस, मोहम्मद आमिर और मोहम्मद वसीम ने भी अपनी जान पर खेल कर लोगों की जान बचाने में मदद की। नतीजतन लगभग 15 प्रभावित लोगों ने जलते हुये भवन की खिड़कियों से उन्हीं गद्दों पर कूद कर अपनी जान बचाई। हालाँकि इस दौरान रियाजुद्दीन के करीब 2 लाख रुपए के गद्दे क्षति ग्रस्त हो गये। आज स्थानीय लोग यह कहने को मजबूर हैं कि रियाजुद्दीन ने फरिश्ता बनकर लोगों की जान बचाई।

रियाजुद्दीन व उनके बेटे के इस समझदारी भरे साहसिक कार्य के लिये उनकी चौतरफा प्रशंसा की जा रही है। लोग उनके गद्दों की क्षतपूर्ति के लिये व उनके साहसिक कार्य के लिये उनसे मिल रहे हैं उन्हें सम्मानित कर रहे हैं यहाँ तक कि उन्हें आर्थिक सहायता दे रहे हैं। उधर रियाजुद्दीन ने उन्हें आर्थिक सहायता देने वालों से पैसे न भेजने की अपील की है। स्थनीय भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने इनकी तारीफ करते हुये कहा कि आज के जांबाजों को सलाम। हौज रानी, मालवीय नगर में लगी भीषण आग के दौरान इन साहसी नागरिकों ने मदद की और यहां तक कि लोगों को सीपीआर भी दिया। मुझे आप पर बहुत गर्व है। यही इंसानियत है, जो सबसे ऊपर है और सबसे बड़ा धर्म है। निश्चित रूप से यह घटना इंसानियत व धर्म से ऊपर साहस व मानवता की मिसाल बन गई है। एक मुस्लिम व्यापारी ने अपने आर्थिक नुकसान की परवाह किए बिना हिन्दू व अन्य धर्मों के लोगों की जान बचाई, और हिन्दू विधायक व अनेक संस्थाओं ने उसे सम्मान व नकद इनाम दिया।

इसी तरह महाकुंभ 2025 को मौनी अमावस्या पर इलाहाबाद में मची भगदड़ को याद कीजिये जब हजारों हिंदू तीर्थ यात्रियों को मुस्लिम बस्तियों, मस्जिदों और इमामबाड़ों में शरण मिली थी । 28-29 जनवरी 2025 को रात 1-2 बजे के बीच प्रयागराज में संगम नोज और अखाड़ा मार्ग पर मौनी अमावस्या के पावन स्नान पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए थे जिससे शहर की 90 लाख आबादी में दस गुना भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी बीच रात 1 बजे के पास संगम तट से पहले बने द्वार पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि भगदड़ जैसी स्थिति बन गयी। तभी अखाड़ा मार्ग पर लगे बैरिकेड्स को फांदकर कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गये जिससे वहां अफरातफरी मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस भगदड़ में 30 लोग हताहत हो गए थे। शहर के रास्तों से अनजान लोग अपनी जान बचाने के लिये कई मुस्लिम बस्तियों में प्रवेश कर गये। उसी बीच सर्दी की रात में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने करुणा और सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल पेश कर मानवता का सन्देश दिया था। मुस्लिम लोगों ने भगदड़ के बाद शहर की अनेक मस्जिदों, दरगाहों, इमामबाड़ों व अनेक अल्पसंख्यक संस्थानों में हजारों हिंदू तीर्थयात्रियों को शरण दी और उन्हें परदेस में भी सुरक्षित रहने का एहसास दिलाया। उन्हें जरूरत के अनुसार चाय,नाश्ता,खाना,रजाई,कंबल,दवाइयां आदि मुहैय्या कराई। यह घटना भी सांप्रदायिक सौहार्द्र और इंसानियत की बड़ी मिसाल के रूप में सामने आई जब अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय ने हिंदू तीर्थयात्रियों की मदद कर धार्मिक भावनाओं से ऊपर उठकर मानवता का परिचय दिया।

साम्प्रदायिक सद्भाव पेश करने वाली दिसंबर 2015 की वह घटना भी याद कीजिये जब चेन्नई में आई भयानक बाढ़ में मस्जिदों में हिंदुओं और ईसाइयों को पनाह मिली थी। उन दिनों 1 दिसंबर 2015 से शुरू हुई बारिश एक सप्ताह तक लगातार चली थी।। इसे चेन्नई में 100 वर्षों में सर्वोच्च वर्षा के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। बाढ़ का पानी कुछ क्षेत्रों में तो दो मंजिलों तक पहुँच गया था। डैम के गेट खोलने के बाद शहर के कई हिस्से पूरी तरह डूब गए थे। चेन्नई में इसी बाढ़ में 260 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। उस दौरान भी यहाँ की कई मस्जिदों के दरवाजे बाढ़ पीड़ित हिन्दुओं व ईसाईयों के लिये कई हफ़्तों के लिये खुल गये थे। बाढ़ पीड़ितों को मस्जिद में पनाह के साथ साथ रसद व दवाइयां भी मुहैय्या कराई गई थीं। उसी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में प्रसूतावस्था में पीड़ित एक हिन्दू महिला की यूनुस नामक एक मुसलमान ने जान बचाकर उसे अस्पताल तक पहुँचाया। बाद में सुरक्षित डिलेवरी होने पर उस हिन्दू महिला और उसके पति ने अपनी नवजात बच्ची का नाम यूनूस रखा। यह घटना भी धार्मिक सौहार्द और मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल है । इसी तरह 2023 में पंजाब में आई भीषण बाढ़ में मुस्लिम समुदाय ने बिना किसी भेदभाव के सभी प्रभावित लोगों की मदद की थी। जमात-ए-इस्लामी हिंद और जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसी संस्थाओं ने बाढ़ प्रभावितों को राशन, दवाइयां, व कपड़े वितरित किए थे । तमाम मुस्लिम स्वयंसेवकों ने सिख और हिंदू समुदायों के साथ मिलकर बचाव कार्यों में हिस्सा लिया था । यहाँ भी उस समय बाढ़ प्रभावित इलाकों की कुछ मस्जिदों को अस्थायी आश्रय स्थल के रूप में खोला गया था। देशभर के मुसलमान संकट की इस घड़ी में पंजाब के बढ़ प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े दिखाई दिये थे। एक तरफ जहां सत्ता के भूखे भेड़िये देश की सामाजिक एकता को तार तार करने पर तुले हैं वहीं देश भर में साम्प्रदायिक सद्भाव की ऐसी अनगिनत मिसालें भी देखने सुनने को मिलेंगी जब हिन्दुओं ने मुसलमानों की व मुसलमानों ने हिन्दुओं की जान बचाई व संकट की घड़ी में एक दूसरे के साथ खड़े दिखाई दिये। गोया नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक हमेशा जलता रहा है जलता रहेगा।

## बेरोजगारों को ठग रहे हैं गिरोहबंद जालसाज

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल ठग बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा ले रहे हैं.एक ओर देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है और केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए देश के विभिन्न राज्यों से युवा पलायन करके रोजगार की तलाश में दूसरे देशों को जा रहे हैं और जो विदेश जाने का जुगाड़ नहीं कर पाते उनमें से अनेक नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगने वाले गिरोहों का शिकार बन रहे हैं। कई बार देश विदेश तक फैले जालसाजों के गिरोह भोले भाले युवाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर विदेश भेज देते हैं वहां पहुंचने पर पता चलता है कि ठगे गए लेकिन समझौता करना पड़ता है और बेहद निम्न स्तरीय काम रोजगार कर विदेश से लौटने के लिए कई कई साल वहां फंसकर रह जाते हैं।

ठगी के कुछ मुख्य प्रचलित तरीके पंजीकरण शुल्क नौकरी शुरू करने या इंटरव्यू के नाम पर एडवांस पैसों की मांग करना.फर्जी जॉइनिंग लेटर बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों के नकली सील-सिक्के वाले पत्र थमाना.वर्क फ्रॉम होम / पार्ट-टाइम टास्कघर बैठे लाइक करें या वीडियो देखें जैसे काम देकर शुरू में थोड़ा फायदा दिखाना और बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर ठग लेना। आए दिन इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार बन जाने पर तमाम कैरियर चौपट हो जाता है परिवार की जमा पूंजी ठग लेकर रफूचककर हो जाते हैं इस तरह बेरोजगारों पर दोहरी मार पड़ जाती है। कुछ वारदातों से समझने का प्रयास करें।

आपको बता दें कि 2 जनवरी को अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) के एक युवक अंकित कुमार को गृह मंत्रालय में डाटा एंट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में दिल्ली की एक महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। 1 मार्च को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में विदेश में ऊंची सैलरी वाली नौकरी दिलवाने का लालच देकर 100 से अधिक लोगों से लगभग 70 लाख रुपयों की ठगी करने वाले 2 जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 13 मार्च को गुरुग्राम में वर्क इंडिया ऐप के जरिए शिस कार्पोरेशन नामक फर्जी कम्पनी बनाकर बेरोजगारों से ट्रेनिंग और वैरीफिकेशन के नाम पर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की गई। 30 मार्च को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक बेरोजगार युवक को रूस में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.92 लाख रुपए ठगने के आरोप में एक महिला सहित 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

5 मई को रायपुर (छत्तीसगढ़) ग्रामीण पुलिस ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलवाने के नाम पर 34 लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली करने वाले एक शिक्षक और क्लर्क को गिरफ्तार किया।28 मई को जबलपुर (मध्य प्रदेश) में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक युवक से 1.26 लाख रुपए की ठगी मारने का मामला सामने आया। आरोपी स्वयं को नेताओं का करीबी बताकर लोगों से रुपए वसूलता था।3 जून को खटीमा (उत्तराखंड) में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलवाने का लालच देकर तथा उसे फर्जी नियुक्तिपत्र देकर उससे 21 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया 4 जून को पुणे (महाराष्ट्र) के हिंजवाड़ी फेज-2 स्थित थिंक टैक्नोलॉजी इंडिया नाम की कम्पनी द्वारा सैंकड़ों इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स, फ्रैशर्स और इंटर्स को नौकरी, स्टाइपेंड व स्थायी रोजगार का सपना दिखाकर लाखों रुपए ठग लेने के आरोप में कम्पनी के सी.ई.ओ. हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

5 जून को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में होटल मैनेजमैंट के छात्रों को विदेशी क्रूज पर नौकरी दिलाने का लालच देकर 52 लाख रुपयों की ठगी करने का भंडाफोड़ हुआ। ठगों ने सोशल मीडिया विज्ञापनों और फर्जी इंटरव्यू के जरिए छात्रों को जाल में फंसाया था।

5 जून को ही सिरसा (हरियाणा) के नाथूसरी चौपटा गांव में अली मोहम्मद नामक युवक को विदेश में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 1.90 लाख रुपए ठगने के आरोप में राजस्थान के एक आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने केस दर्ज किया।और अब 6 जून को ग्वालियर (मध्यप्रदेश) के महाराजपुरा में एक तांगा चलाने वाले को नगर निगम में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.25 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध केस दर्ज किया।ये तो वे चंद वारदातें हैं जो समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए हैं। इनके अलावा भी न जाने ऐसे कितने मामले हुए होंगे जिनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। अतः नौकरी पाने के उतावले पन में नौकरी दिलवाने का दावा करने वाले लोगों की अच्छी तरह पड़ताल करने और काम हो जाने के बाद ही उन्हें पैसे देने चाहिएं।

ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस को आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

शिकायत कहाँ और कैसे करें?यदि आपके साथ या किसी परिचित के साथ ऐसी ठगी हुई है, तो बिना समय गंवाए नीचे दिए गए कदम उठाएंःसाइबर हेल्पलाइन : तुरंत टोल-फ्री नंबर 1930 डायल करें. यदि वित्तीय धोखाधड़ी के 2 घंटे के भीतर शिकायत की जाए, तो पैसे फ्रीज होने की संभावना बढ़ जाती है.ऑनलाइन शिकायत : गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल साइबर क्राइम पोर्टल पर जाकर पूरी जानकारी, चैट स्क्रीनशॉट और बैंक ट्रांजेक्शन डिटेल्स अपलोड करें.लोकल पुलिस स्टेशन आप अपने नजदीकी थाने या साइबर सेल में जाकर भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं.बैंक को सूचित करेंः जिस बैंक अकाउंट या यूपीआई से पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उस बैंक को तुरंत सूचित कर ट्रांजेक्शन ब्लॉक करने को कहें.ठगी से बचने के जरूरी नियमपैसे कभी न देंः कोई भी असली कंपनी या सरकारी विभाग नौकरी देने के बदले पैसों की मांग नहीं करता है.वेबसाइट की जांच करेंः सरकारी नौकरियों की जानकारी हमेशा सिर्फ ॅड्ढ५.ल्ल या ल्ल्रू.ल्ल वाली आधिकारिक वेबसाइटों पर ही देखें.सत्यापन किसी भी अनजान नंबर से आए जॉब ऑफर पर भरोसा करने से पहले उस कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाकर वैकेंसी की पुष्टि करें जरूरत है कि जागरूक बने सावधान रहें सतर्क रहें ऐसा करके ही युवाओं को इस तरह की ठगी से बचाया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

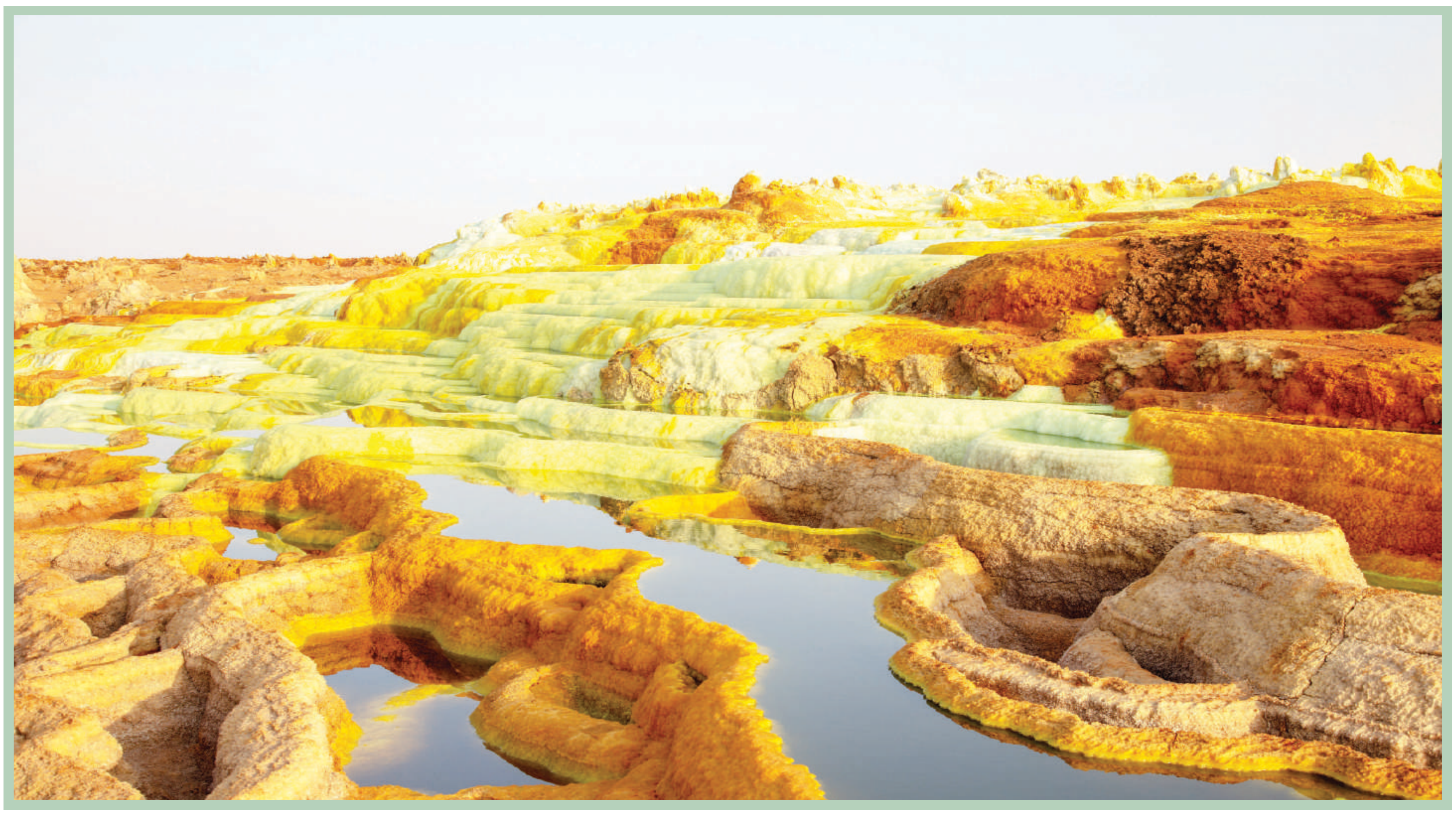

# इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

### डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंतत: गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

### कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

### अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

## शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है. इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

## फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन – 1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल – इ छोटा चम्मच

विटामिन श्व कैप्सूल – 2

पिघला हुआ मोम – थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए।20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा।स्किन की ड्राईनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी।यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं।तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

## रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

### वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

### महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है।यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

### क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है।इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

### पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है।शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं।संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

### संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है।यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं।मंदिर के आसपास से बेहद

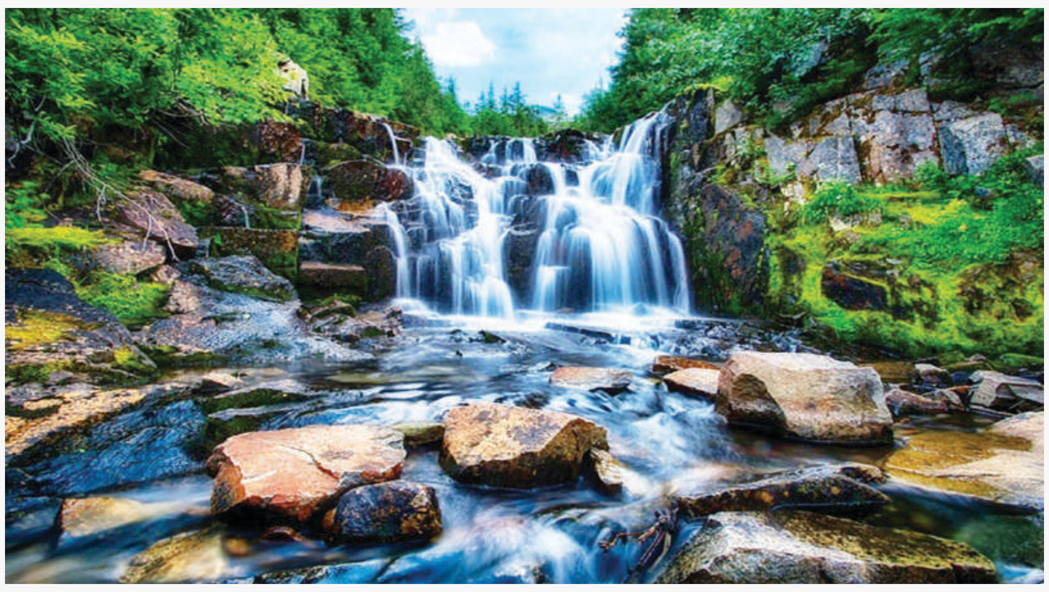

खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है।कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

### मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

## उरी सेक्टर में उपकरणों के रख-रखाव में ग्रेनेड फटा, दो जवान शहीद

बारामूला (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में मंगलवार को उपकरणों के रख-रखाव के दौरान एक हैंड ग्रेनेड फट गया। इस दर्दनाक हादसे में भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने इस घटना की पुष्टि की है। बलिदानी जवानों की पहचान महाराष्ट्र के ऐरोली के रहने वाले चव्हाण विक्रम बालकृष्ण और महाराष्ट्र के सतारा जिले की कराड तहसील के शाहपुर के रहने वाले अर्जुन जाधव राजेंद्र के तौर पर हुई है। सैन्य अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यह हादसा उरी सेक्टर के कमलकोट स्थित सेना के एक शिविर में हुआ। शिविर में सैन्य उपकरणों और हथियारों के नियमित हस्तांतरण का काम चल रहा था। इसी दौरान एक हैंड ग्रेनेड अचानक छिटपुट होने के बजाय फट गया। विस्फोट की चपेट में आने से ड्यूटी पर तैनात दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके के तुरंत बाद शिविर में अफरा-तफरी मच गई। साथी जवानों और अधिकारियों ने बिना वक्त गंवाए दोनों घायल जवानों को तुरंत वहां से निकाला और अस्पताल ले गए। हालांकि, चोटें इतनी गंभीर थीं कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों जवानों को मृत घोषित कर दिया। सैन्य और स्थानीय पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संबंध में कानून के तहत आवश्यक कानूनी और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए आंतरिक जांच भी की जा रही है।

## 36 हजार भारतीय सिम कंबोडिया में एक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कंबोडिया से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान और पंजाब में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। जांच में खुलासा हुआ है कि हजारों भारतीय सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिव कर विदेशी नेटवर्क तक पहुंचाए जा रहे थे, जिनका इस्तेमाल भारत में बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा था। जांच के दौरान एजेंसी ने करीब 2.3 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया। इसमें सामने आया कि लगभग 36 हजार भारतीय सिम कार्ड कंबोडिया में सक्रिय थे। इनमें से करीब 5300 सिम कार्ड सीधे तौर पर भारत में साइबर फ्रॉड के मामलों में इस्तेमाल किए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार इन नंबरों के जरिए देशभर में सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया गया। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जोधपुर साइबर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की।

## सिख श्रद्धालुओं का जत्था गया पाकिस्तान

अमृतसर (एजेंसी)। पांचवें पातशाह श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर बुधवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी यानी एसजीपीसी की अगुवाई में श्रद्धालुओं का एक विशेष जत्था पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुधामों के दर्शन के लिए रवाना हुआ। अटारी-वाघा सीमा पर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा की शुरुआत की। जानकारी के मुताबिक, कुल 561 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट वीजा के लिए भेजे गए थे, जिनमें से 541 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान हाई कमीशन द्वारा वीजा जारी किया गया। वहीं 20 श्रद्धालुओं की वीजा अर्जी स्वीकृत नहीं हो सकी। धर्म प्रचार कमेटी के सचिव गुरिंदर सिंह मथरेवाल ने बताया कि पाकिस्तान में 18 जून को श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस से संबंधित मुख्य धार्मिक समागम आयोजित किए जाएंगे। जत्था विभिन्न ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करने के बाद इन समागमों में शामिल होगा और 19 जून को भारत वापस लौटेगा।

## आरएसएस मुख्यालय, सीएम दफ्तर उड़ाने की धमकी, खालिस्तान नाम से भेजे गए ईमेल, महाराष्ट्र में जांच एजेंसियां सतर्क

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बुधवार को आरएसएस मुख्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय और मुंबई-पुणे के मेयर कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। ईमेल खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले ग्रुप की ओर से भेजे गए थे। इसके बाद कई इमारतें खाली कराई गईं और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। नागपुर की मेयर नीता ठाकरे को एक ईमेल मिला। इसमें दावा किया गया था कि महाल स्थित आरएसएस मुख्यालय और रेशीमबाग के डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन में विस्फोटक लगाया गया है। सूचना मिलते ही बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड को मौके पर भेजा गया। पूरे परिसर और आसपास के संवेदनशील इलाकों की जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

## राम को काल्पनिक कहने पर राहुल के खिलाफ दोबारा सुनवाई

वाराणसी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से भगवान राम को कथित तौर पर 'मिथकीय पात्र' बताए जाने संबंधी टिप्पणी को लेकर दायर शिकायत मामले में वाराणसी की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज करने वाले आदेश को रद्द करते हुए मामले की नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश युजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने कहा कि संबंधित मजिस्ट्रेट सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसलों के आलोक में मामले की दोबारा सुनवाई करें और कानून के अनुसार नया आदेश पारित करें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हरिशंकर पांडेय बनाम राहुल गांधी एवं अन्य में 27 मई 2025 को पारित मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त किया जाता है और मामले पर पुनः विचार किया जाए।

**भगवान राम को पौराणिक बताया-** दरअसल, राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। राहुल ने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिया थे। उन्होंने भगवान राम को पौराणिक बताया था और उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था। इस मामले में वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है।

# आ रही नितिन नवीन की नई भाजपा टीम, मोदी कैबिनेट में भी फेरबदल की तैयारी !

### टीम नवीन में युवा और अनुभव का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठनात्मक ढांचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंत्रिपरिषद में जल्द ही बड़ा फेरबदल हो सकता है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में एक नई और युवा टीम की घोषणा जल्द हो सकती है, वहीं मोदी कैबिनेट में भी नए चेहरों को जगह मिलने की अटकलें तेज हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 15 जून के बाद कभी भी नए पदाधिकारियों के नामों का ऐलान हो सकता है, जबकि कैबिनेट विस्तार को लेकर भी सुगबुगाहट तेज है।

जनवरी में पदभार संभालने के बाद से ही 45 वर्षीय नितिन नवीन, जो भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष हैं, अपनी नई टीम के गठन में जुटे हैं। पार्टी की परंपरा रही है कि नए अध्यक्ष के चुने जाने के बाद संगठन में बदलाव होते हैं। पार्टी आलाकमान संगठन को अधिक युवा, अनुभवी और सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाला बनाना चाहता है। माना जा रहा है कि नई टीम में युवा और अनुभव का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा, जिसमें आगामी राजनीतिक रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए ओबीसी और दलितों जैसे प्रमुख वर्गों पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। अध्यक्ष नवीन इन दिनों लगातार कई राज्यों का सघन दौरा कर जमीनी फीडबैक जुटा रहे हैं, जो संगठनात्मक बदलावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पार्टी संगठनात्मक बदलावों के साथ ही मोदी कैबिनेट में भी व्यापक फेरबदल की चर्चाएं तेज हैं। प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे करने वाले हैं, जिसके बाद कैबिनेट विस्तार की अटकलें और तेज हो गई हैं। हाल के कुछ घटनाक्रमों ने इन अटकलों को बल दिया है। दो केंद्रीय मंत्रियों पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को क्रमशः उत्तर प्रदेश और दिल्ली में पार्टी की राज्य इकाइयों का प्रमुख बनाकर भेजा गया है, जिससे कैबिनेट में पहले से ही जगह खाली हुई है। वहीं, जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू जैसे नेताओं को राज्यसभा के लिए फिर नामित नहीं किया गया है, जिससे उनके लिए नई भूमिकाओं की संभावना बनी है। चर्चा है कि बिट्टू को पंजाब चुनाव के मद्देनजर कोई बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी या चुनाव अभियान का अहम जिम्मा सौंपा जा सकता है, जबकि कुरियन को किसी राज्य का राज्यपाल बनाकर भेजा जा सकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन की नई कोर टीम और प्रधानमंत्री मोदी के संभावित कैबिनेट विस्तार में कई चौंकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं। भाजपा आलाकमान की रणनीति में दक्षिण भारत में पार्टी की स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे अहम राज्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 46 वर्षीय अध्यक्ष नवीन की टीम में अनुभवी नेताओं को उपाध्यक्ष और युवा चेहरों को अन्य पदों पर जगह मिल सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है, जिससे उनके केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की प्रबल संभावनाएं हैं। एनडीए के सहयोगी दलों जैसे जेडीयू, टीडीपी, एनसीपी और आरएलएम के नेताओं को भी कैबिनेट विस्तार में तवज्जो मिलने की उम्मीद है, खासकर जेडीयू और टीडीपी को कुछ राज्यमंत्री पद मिल सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पंजाब से आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए एक राज्यसभा सांसद को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। नीट पेपर लीक विवाद के चलते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठ रही है, इसके बाद माना जा रहा है कि उनके विभाग में भी बदलाव किया जा सकता है। कुल मिलाकर, जल्द ही सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर बड़े बदलावों का साक्षी बनने की उम्मीद है।

## ममता को एक और झटका : ममता की सयानी भी हुई बागी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। तृणमूल कांग्रेस में बढ़ता बिखराव उनकी चिंता का कारण बन गया है। हाल ही में, 20 टीएमसी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर संसद में अलग बैठने की मांग की है, और इस सूची में अभिनेत्री से नेता बनी सयानी घोष का नाम भी शामिल है। सियानी के इस बदले तेवर को ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सयानी घोष की कुल संपत्ति 90 लाख रुपये से अधिक है। सयानी ने मात्र 17 साल की उम्र में साल 2010 में टेलीफिल्म इच्छे दाना से बंगाली सिनेमा में कदम रखा था। जल्द ही उन्होंने एक अभिनेत्री और गायिका के रूप में अपनी पहचान बनाई। 12वीं तक शिक्षित सयानी 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुई थीं। इसी साल उन्हें आसनसोल सीट से विधानसभा चुनाव लड़ाया गया, हालांकि उन्हें हार मिली। उनकी राजनीतिक यात्रा ने 2023 में तब नया मोड़ लिया, जब वे टीएमसी यूथ विंग की अध्यक्ष बनीं और 2024 के लोकसभा चुनाव में जाधवपुर सीट से जीत कर सांसद बनीं। चुनाव आयोग को दिए गए उनके हलफनामे के अनुसार, सयानी की कुल संपत्ति 91.89 लाख रुपये है, जबकि उन पर करीब 59 लाख का कर्ज भी है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान घोषित जानकारी के मुताबिक, उनके पास 35,000 रुपये नकद थे, वहीं विभिन्न बैंक खातों जैस एचडीएफसी बैंक, यूको बैंक और रिकरिंग डिपॉजिट में 10.25 लाख रुपये जमा थे। उन्होंने शेयर बाजार या पोस्टल सेविंग में कोई निवेश नहीं किया है। सयानी के पास कुल 11.03 लाख रुपये मूल्य की चार जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जिनमें से दो एलआईसी और दो एचडीएफसी लाइफ की हैं। चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 8 ग्राम सोना भी है। इसके अतिरिक्त, उनके नाम पर एक होंडा जैज कार है, जिसकी अनुमानित कीमत 6 लाख रुपये है। इन सभी को मिलाकर उनकी कुल चल संपत्ति लगभग 29 लाख रुपये बैठती है।

## मोदी कैबिनेट में फेरबदल की संभावना, राघव चड्ढा की एंट्री की अटकलें

**-राज्यसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल बढ़ी; 10-12 मंत्रियों के विभाग बदलने और कुछ मंत्रियों के बाहर होने की चर्चा**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राज्यसभा चुनाव के नतीजों से पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) या भारतीय जनता पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन विभिन्न राजनीतिक और मीडिया हलकों में बड़े बदलावों की संभावनाएं जताई जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आगामी फेरबदल में कुछ मौजूदा मंत्रियों को संगठन में जिम्मेदारी दी जा सकती है, जबकि चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्यों को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों को मंत्रिपरिषद में शामिल किया जा सकता है।

खासकर पंजाब को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं, जहां भाजपा संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय दिखाई दे रही है। इसी बीच सबसे अधिक चर्चा राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के नाम को लेकर हो रही है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े राघव चड्ढा को केंद्र सरकार में जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि इस संबंध में न तो राघव चड्ढा और न ही किसी राजनीतिक दल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है। इसलिए फिलहाल इसे केवल अटकलों के तौर पर ही देखा जा रहा है।

पंजाब से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं तरुण चुघ और सुनील जाखड़ के नाम भी संभावित नए चेहरों में शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को इस बार राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन को भी टिकट नहीं मिलने से मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव की अटकलों को बल मिला है।

**मंत्रियों के विभाग बदलने की संभावना**

रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि फेरबदल के दौरान 10 से 12 मंत्रियों के विभाग बदले जा सकते हैं। कुछ मंत्रियों को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं, जबकि दक्षिण भारत में पार्टी के विस्तार को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण नियुक्तियां होने की संभावना है। कर्नाटक भाजपा की कमान किसी केंद्रीय मंत्री को सौंपे जाने की भी चर्चा है, हालांकि इस संबंध में कोई नाम स्पष्ट नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में राघव चड्ढा को राज्यसभा की याचिका समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसके बाद से राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर अटकलों का दौर और तेज हो गया है। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल को लेकर अंतिम फैसला भाजपा नेतृत्व और प्रधानमंत्री कार्यालय की घोषणा के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

# मीनाक्षी के खारिज नामांकन को लेकर ईसीआई के साथ कांग्रेस नेताओं की बैठक आज

### कमलनाथ ने बीजेपी पर अलोकतांत्रिक तरीकों से सीट हथियाने का लगाया आरोप

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत निर्वाचन आयोग बुधवार को कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेगा। बैठक में मध्य प्रदेश में 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र खारिज किए जाने पर कांग्रेस की आपत्तियों पर चर्चा की जाएगी। ईसीआई के सीनियर अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं के बीच बैठक दोपहर में नई दिल्ली में आयोग के हेडक्वार्टर में होनी है। बैठक के लिए कांग्रेस के अनुरोध को स्वीकार करते हुए, ईसीआई के सचिव अश्विनी कुमार मोहाल ने उन प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम भी मांगे जो बुधवार को ईसीआई ऑफिस जाने वाले हैं।

इससे पहले मध्य प्रदेश में 18 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर ने कांग्रेस की एकमात्र उम्मीदवार नटराजन के नॉमिनेशन पेपर खारिज कर दिए थे। पूर्व सीएम कमलनाथ ने बीजेपी पर अलोकतांत्रिक तरीकों से कांग्रेस की राज्यसभा सीट हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल प्रशासनिक और प्रक्रियागत हथकंडों के जरिए कांग्रेस के अभियान को पटरी से उतारने की कोशिश कर रही है। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि बीजेपी नेताओं ने विधानसभा परिसर में हंगामा करने से पहले जानबूझकर नटराजन के नॉमिनेशन को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की राज्यसभा सीट छीनने के लिए सभी राजनीतिक मानदंडों का उल्लंघन करने पर आमादा है। हालांकि, कांग्रेस ऐसे तरीकों से डरेगी नहीं, और बीजेपी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा। बता दें बीजेपी ने नटराजन के नॉमिनेशन फॉर्म पर आपत्ति जताई थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने तेलंगाना की अदालत में लंबित एक मामले के बारे में जानकारी छिपाई थी। दर्ज की गई आपत्ति के मुताबिक पूर्व कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव ए श्रीलता ने नटराजन के खिलाफ चौथे अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नटराजन ने कुंभम शिवकुमार रेड्डी को राजनीतिक संरक्षण दिया, जिन पर श्रीलता ने छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी समेत गंभीर आरोप लगाए हैं। सीनियर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने बीजेपी की आपत्ति के आधारों पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि नटराजन की उम्मीदवारी के बारे में गलत जानकारी फैलाई जा रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। उन्होंने बताया कि यह मामला सिर्फ एक नोटिस से जुड़ा है, जिसमें पूछा गया था कि उनसे और कई अन्य लोगों से 10 करोड़ रुपए के मुआवजे की वसूली की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। उनके मुताबिक नटराजन के वकील ने चुनाव कार्यालय में नोटिस का जवाब पहले ही जमा कर दिया था और इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

## पीएम मोदी के 12 वर्ष पूरे होने पर दरगाह में चढ़ाई चादर, देश की खुशहाली के लिए मांगी गई दुआ

अजमेर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने बुधवार को अजमेर स्थित अजमेर शरीफ दरगाह में चादर पेश कर विशेष दुआ की। दरगाह पहुंचे लोगों ने पीएम मोदी की दीर्घायु के साथ ही देश की खुशहाली की दुआ मांगी। दरगाह में चादर चढ़ाने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु और देश में अमन-चेन, शांति, भाईचारे और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दरगाह के गद्दीनशीन सैयद अफशान चिश्ती ने प्रतिनिधिमंडल को जियारत कराई और दस्तारबंदी के बाद तबरूक भेंट किया। कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन के नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और इसी क्रम में देश की उन्नति एवं सामाजिक सौहार्द के लिए दुआ की गई।

# गाजियाबाद के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में मिला पोलियोवायरस

**-स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप, 107 टीमें घर-घर जाकर करेंगी जांच**

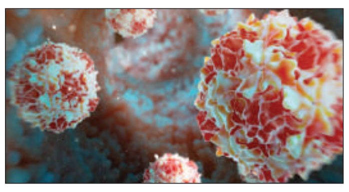

**गाजियाबाद (एजेंसी)।** भारत के पोलियो मुक्त अभियान को एक बड़ा झटका लगा है। गाजियाबाद के डूंडाहेड़ा स्थित एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) से लिए गए दूषित पानी के नमूने की जांच में वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस (वीडीपीवी) टाइप-1 की पुष्टि हुई है। इस चौंकाने वाली रिपोर्ट के सामने आते ही स्थानीय स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए शहरी क्षेत्र की 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के तहत 107 टीमों को तैनात किया है, जो घर-घर जाकर बच्चों की सेहत की जांच करेंगी और उन्हें पोलियो ड्रॉप्स पिलाएंगी।

दरअसल, स्वास्थ्य विभाग द्वारा पोलियोवायरस की नियमित निगरानी के लिए हर महीने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के दूषित पानी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाता है। इसी प्रक्रिया के तहत हाल ही में डूंडाहेड़ा एसटीपी से भी सैंपल लेकर दिल्ली की प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया था। सोमवार को विभाग को प्राप्त हुई इस जांच रिपोर्ट ने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी, क्योंकि इसमें वीडीपीवी टाइप-1 वायरस सक्रिय पाया गया। रिपोर्ट मिलते ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) सभागार में आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें पीएचसी प्रभारियों ने वायरस के स्रोत और इसके नियंत्रण पर गहन मंथन किया।

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, चिन्हित किए गए क्षेत्रों में आशा, एएनएम और स्वास्थ्य कर्मियों की 107 टीमें डोर-टू-डोर सर्वे करेंगी। ये टीमें शून्य से पांच साल तक के बच्चों की सेहत की बारीकी से जांच करेंगी ताकि किसी भी संभावित संक्रमण को समय रहते पकड़ा जा सके। वायरस की पुष्टि होने के बाद मुख्य रूप से राजनगर, शास्त्रीनगर, बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र, दौलतपुरा, न्यू पंचवटी, घुकना, हिंडन विहार, कैला भट्टा, मिर्जापुर, विजय नगर-1 और 2 तथा खैराती नगर पीएचसी क्षेत्रों को इस सघन सर्वे अभियान में शामिल किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन से उत्पन्न यह पोलियो वायरस उन बच्चों की आंतों में आसानी से पनपने और फैलने लगता है, जिनका पूर्ण टीकाकरण नहीं हुआ होता है। आशंका जताई जा रही है कि जिन रिहायशी इलाकों में स्वच्छता या सैनिटाइजेशन का स्तर खराब है, वहां किसी संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से यह वायरस बहकर सीवरेज प्लांट तक पहुंच गया होगा। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस उन बच्चों को लकवाग्रस्त (पैरालाइज्ड) कर सकता है जिनका टीकाकरण अधूरा है या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहद कमजोर है। दूषित माहौल में यह एक बच्चे से दूसरे बच्चे में बहुत तेजी से फैलता है। जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि रूटीन जांच में इस तरह पोलियो वायरस का मिलना बेहद चिंता का विषय है। विभाग ने इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों के हर एक बच्चे की सघन जांच कराकर जल्द से जल्द इस वायरस के मुख्य स्रोत (सोर्स) का पता लगाया जाएगा ताकि इसे आगे फैलने से रोका जा सके।

# जोजिला टनल : सेना के लिए रसद और हथियारों की सप्लाई होगी आसान

### -11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही टनल 2028 में खुलने की संभावना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बन रही जोजिला टनल टनल के दोनों छोर मंगलवार को आपस में जुड़ गए। इससे पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रिमोट दबाकर ब्लास्ट किया। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा और सीएम उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। यह टनल 13.15 किमी लंबी है, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को जोड़ेगी। इससे सेना के लिए रसद और हथियारों की सप्लाई आसान हो जाएगी।

यहां बताते चलें कि करीब 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही यह टनल की लागत करीब 6,500 करोड़ रुपए है। जोजिला टनल में सीसीटीवी कैमरे, रेडियो कंट्रोल और हवा के बहाव के लिए एडवांस वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, ब्रेकथ्रू के बाद सिविल और इलेक्ट्रिकल काम पूरा करके इस सुरंग को जनवरी-फरवरी 2028 तक आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक टनल का करीब 50फीसदी काम पूरा हो चुका है, जबकि कुछ अधिकारियों का कहना है कि 80फीसदी काम हो चुका है। अधिकारियों के मुताबिक टनल को फरवरी 2028 तक आम लोगों के लिए खुल सकती है। समुद्र तल से करीब 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही ये सुरंग दुनिया की सबसे लंबी सिंगल-ट्यूब बाईडायरेक्शनल सुरंग है। ये सुरंग श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे पर स्थित है। श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की वजह से सर्दियों के तीन महीनों के लिए पूरी तरह बंद हो जाता है, जिससे लद्दाख का संपर्क देश से कट जाता है। लेकिन इस ऑल-वेदर सुरंग के पूरी तरह शुरू होने के बाद कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच साल भर आना-जाना हो सकेगा। पहले जोजिला दर्रे को पार करने में 1 से 1.5 घंटे का समय लगता था, वह सफर अब महज 15 मिनट में तय होगा। जोजिला सुरंग संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए रसद, सैन्य टुकड़ियों और हथियारों की सप्लाई को बेहद सुरक्षित होगी। इसके साथ ही आम नागरिकों के लिए भी ये वरदान से कम नहीं है। इससे सर्दियों में होने वाला अलगाव खत्म होगा और क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और जरूरी सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। लोगों का कहना है कि इस सुरंग के बनने से उनका सालों पुराना सपना सच होने जा रहा है। लद्दाख के रहने वाले एक शख्स ने कहा कि हम इस टनल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं। हम न सिर्फ यात्रा कर पाएंगे, बल्कि टनल के जरिए चीजों का लेन-देन भी कर पाएंगे। इससे हमारे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। बता दें पश्चिमी हिमालय के इस हिस्से में सुरंग बनाना बेहद मुश्किल काम था। इसे बनाने में इंजीनियरों को -20डिग्री से -30डिग्री तक के तापमान, हिमस्खलन के खतरे और हिमालय की नाजुक और बदलती चट्टानी संरचना जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एजेंसी ने बिना किसी दुर्घटना के इस काम को पूरा किया।

# मध्यप्रदेश में हर दिन हो रही 42 आत्महत्याएं, हिंदी भाषी राज्यों में पहले नंबर पर

### -रिपोर्ट में खुलासा, देश में हुई 1,70,924 में से 15,386 आत्महत्या मप्र में

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़ें सामने आ गए हैं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हुई आत्महत्या के मामले में मध्यप्रदेश तीसरे नंबर पर और हिंदी राज्यों में पहले नंबर है। देश में हुई 1,70,924 में से 15,386 आत्महत्या मध्यप्रदेश में हुईं। आंकड़ों के मुताबिक जहां राष्ट्रीय औसत प्रतिदिन 468 आत्महत्या का है, वहीं प्रदेश में प्रतिदिन 42 लोग या प्रति घंटे करीब दो लोगों का है।

रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में 22,746 आत्महत्या, तमिलनाडु में 19,834, मध्यप्रदेश में 15,386 आत्महत्या हुईं है। कर्नाटक में यह आंकड़ा 13,606 और पश्चिम बंगाल में 12,669 है। वहीं, देश की 17 फीसदी आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 2022 में हुई आत्महत्याओं से केवल 4.8 फीसदी मौतें हुईं, जबकि इन राज्यों में सभी आत्महत्याओं का 49.3 फीसदी हिस्सा था, शेष 23 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में थे।

इससे यह भी पता चला कि देश में अपना जीवन समाप्त करने वाले 59,087 लोग 18-30 आयु वर्ग के थे। इनमें 38,259 पुरुष और 20,828 महिलाएं शामिल थीं। इनमें से 31.7 फीसदी लोगों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण जबकि 18.4 फीसदी लोगों ने बीमारी के कारण आत्महत्या की। पिछले साल मध्यप्रदेश में इंदौर में 746 आत्महत्याएं हुईं। इसके बाद भोपाल में 527, ग्वालियर में 307 और जबलपुर में 213 आत्महत्याएं हुईं।

भोपाल के पुलिस आयुक्त एचसी मिश्रा ने बताया कि यह मुख्य रूप से संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने, भावनात्मक बंधन और संचार की कमी के कारण इस तरह आत्महत्या के मामले होते हैं। उन्होंने बताया कि युवा, विशेषकर छात्र उचित परामर्श की कमी के साथ-साथ समाज में संचार की कमी के कारण अपनी जान दे रहे हैं। मिश्रा ने कहा कि उन्होंने पाया कि मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा शहर में आत्महत्याओं की उच्च संख्या के कारणों में से एक थी, जिसके बाद विशेषज्ञों को परामर्श और सलाह प्रदान करने के लिए कहा गया था, जो लोग हेल्पलाइन से संपर्क करते हैं। उन्होंने दावा किया कि संवेदनशीलता के मुद्दों पर पुलिस कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और हेल्पलाइन कॉल का सही ढंग से जवाब देने के परिणामस्वरूप आत्महत्या की संख्या में कमी आई है। वहीं मनोचिकित्सक ने कहा कि परिवार के अंदर संवादहीनता के साथ-साथ कभी-कभी मीडिया में आत्महत्याओं का महिमामंडन और सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारित होने वाली घटनाओं के कारण भी संख्या बढ़ रही है। उन्होंने अभिनेता सुशांत सिंह की आत्महत्या का भी जिक्र किया, जहां मीडिया कवरेज का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी कवरेज कभी-कभी लोगों को सोचने पर मजबूर कर देती है कि अपनी जिंदगी खत्म करना ही सबसे आसान समाधान है।

बाल हित सर्वोपरि: जिला स्तरीय बैठक में संरक्षण तंत्र सुदृढ़ करने की पहल

# बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : पूनम

बिभा संवाददाता

**साहेबगंज** । साहेबगंज जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी कार्यालय में बुधवार को बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न हितधारकों के साथ एक दिवसीय जिला स्तरीय एडवोकेसी बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन झारखंड विकास परिषद, पतना, साहेबगंज एवं जिला बाल संरक्षण इकाई, साहेबगंज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। वहीं कहा कि बैठक का उद्देश्य जिले में बाल संरक्षण से संबंधित चुनौतियों, उपलब्धियों एवं समन्वित कार्ययोजना पर विचार-विमर्श कर बाल संरक्षण तंत्र को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाना था। वहीं बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई,

बाल कल्याण समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, झारखंड विकास परिषद, किशोर न्याय बोर्ड तथा बाल गृह (बालक), साहेबगंज के अधीक्षक सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं एवं विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वहीं बैठक के दौरान बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इनमें बाल विवाह की रोकथाम एवं समय पर हस्तक्षेप, बाल श्रम एवं बाल तस्करी के मामलों की पहचान एवं बचाव, बच्चों के विरुद्ध हिंसा, शोषण एवं दुर्व्यवहार की रोकथाम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से प्राप्त मामलों के त्वरित निष्पादन, ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समितियो की सक्रियता एवं सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों एवं समुदाय स्तर पर बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन तथा स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर एवं अन्य बाल संरक्षण योजनाओं की जानकारी एवं लाभुकों की पहचान जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया गया। वहीं बैठक के दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दिशा में नियमित समन्वय बैठकें आयोजित करने तथा सामुदायिक स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। वहीं बैठक के अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने जिले में बाल संरक्षण व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने हेतु आपसी सहयोग, समन्वय एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

## शेरशाहबादी पहचान की पड़ताल : महाराजपुर-मोगलपाड़ा में पहुंची जांच समिति, जुटाए सामाजिक-सांस्कृतिक साक्ष्य

बिभा संवाददाता

**बरहरवा** । शेरशाहबादी समुदाय की जातीय पहचान एवं सामाजिक स्थिति को लेकर चल रही प्रशासनिक जाँच के तहत बुधवार को गठित समिति ने महाराजपुर एवं मोगलपाड़ा क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय लोगों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। समिति ने शेरशाहबादी और खोरठा समुदाय के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अंतर को समझने के लिए ग्रामीणों, बुजुर्गों और समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद किया। वहीं निरीक्षण के दौरान यह भी जांच का विषय रहा कि पुराने खातियानों में दोनों समुदायों के कई लोगों की जाति ह्लशेखह्व दर्ज होने के बावजूद वे स्वयं को अलग-अलग सामाजिक पहचान वाला क्यों मानते हैं। समिति ने भाषा, रीति-रिवाज, सामाजिक परंपराओं, वंशावली और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़े तथ्यों का संकलन किया। जाँच दल में राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, भूमि सुधार उप समाहर्ता राजमहल, अंचल अधिकारी बरहरवा तथा शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के प्रतिनिधि मो. इस्तियाक, मो. आजमाइल, तौफाइल शेख, मामूद हसन और सोलोमन शेख शामिल थे। गौरतलब है कि शेरशाहबादी समुदाय को जाति प्रमाण-पत्र निर्गत किए जाने से संबंधित मांगों और उपलब्ध तथ्यों की निष्पक्ष समीक्षा के लिए उपायुक्त, साहिबगंज ने 1 जून 2026 को पाँच सदस्यीय जाँच समिति का गठन किया था। समिति विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर तथ्य जुटाने में लगी है। महाराजपुर और मोगलपाड़ा में बुधवार को हुई जाँच प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। समिति अब संकलित तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपेगी, जिसके बाद आगे की प्रशासनिक कार्रवाई तय की जाएगी।

## संक्षिप्त खबरें

### राजमहल में मेंटेनेंस कार्य को आज रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित

**राजमहल (बिभा)**। विद्युत शक्ति उपकेंद्र मंडई में मेंटेनेंस कार्य को लेकर गुरुवार को 11केवी राजमहल शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इसकी जानकारी देते हुए विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार ने इस संवाददाता को बताया कि मेंटेनेंस कार्य को लेकर 11केवी राजमहल शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि विद्युत शक्ति उपकेंद्र मंडई में मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। उन्होंने उपभोक्ताओं से असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि मेंटेनेंस कार्य पूर्ण होते ही क्षेत्र में सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

### यज्ञ मंडप की परिक्रमा से मिलता है आध्यात्मिक लाभ, धर्म से जुड़ें नई पीढ़ी: तांत्रिक विजय जी महाराज

**साहेबगंज(बिभा)** । शहर के मां बायसी मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय नौ कुंडीय शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन बुधवार को श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुरोहितों ने 33 कोटि देवी-देवताओं का आह्वान कर यज्ञ मंडप का पूजन एवं हवन संपन्न कराया। सुबह, दोपहर और संध्या बेला में विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन किया गया। महायज्ञ का शुभारंभ गत दिनों भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था। यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर तांत्रिक विजय जी महाराज ने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों को सनातन धर्म, संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़कर रखना चाहिए। धार्मिक आयोजनों में पूरे परिवार की सहभागिता से युवा पीढ़ी को धर्मग्रंथों और भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि यज्ञ मंडप की परिक्रमा आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत कल्याणकारी और लाभदायक मानी जाती है। श्रद्धा एवं निष्ठा के साथ परिक्रमा करने से मन को शांति मिलती है, सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा जीवन की बाधाओं और कष्टों से मुक्ति की भावना उत्पन्न होती है। परिक्रमा सदैव दक्षिणावर्त अर्थात घड़ी की दिशा में करनी चाहिए। महायज्ञ परिसर में दिनभर महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत कथा एवं रासलीला का रसास्वादन किया। कथा प्रसंग में शिव-पार्वती विवाह और भगवान शिव की बारात का मनोहारी मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं वैदिक मंत्रों की गूंज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है। यज्ञ समिति के सदस्यों ने बताया कि आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, कथा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में यज्ञ समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

### एक किशोर ने किशोर के साथ किया यौन शौषण

**तालझारी(बिभा)** । तालझारी थाना क्षेत्र के एक गांव के एक किशोर ने दूसरे किशोर का यौन शौषण का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार के एक गांव के एक 17 वर्षीय किशोर ने 9 वर्षीय किशोर को खेलने के लिये जंगल की ओर ले गया जहां उनके साथ यौन शौषण कि घटना को अंजाम दिये। जिसके बाद पीडित किशोर ने घटना की जानकारी मां को दिया जिसके बाद मां ने घटना की जानकारी तालझारी थाना पुलिस को दिया। जिसके बाद पुलिस ने उक्त किशोर को थाना लाया। वहीं थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि पीड़ित किशोर की मां के आवेदन के आधार पर थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए घटना को अंजाम देने वाले किशोर को बाल सुधार गृह दुमका भेजा गया। इस दौरान रामसिंह बारपाई सहित पुलिस बल मौजूद थे।

### जिले के होटलों, लॉजों एवं अतिथि गृहों का होगा विशेष फायर सेफ्टी ऑडिट

**साहेबगंज(बिभा)**। जिले में हाल के दिनों में विभिन्न स्थानों पर हुई अग्नि दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी दीपक कुमार दुबे ने जनहित एवं नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले के सभी होटल, लॉज एवं अतिथि गृहों में अग्नि सुरक्षा मानकों (फायर सेफ्टी नॉर्म्स) के अनुपालन की व्यापक जांच एवं फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। जिसको लेकर उपायुक्त द्वारा एक संयुक्त जांच समिति का गठन किया गया है। समिति में साहेबगंज एवं राजमहल के अनुमंडल पदाधिकारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, साहेबगंज तथा जिला अग्निशमन पदाधिकारी को शामिल किया गया है। समिति अपने-अपने अनुमंडल क्षेत्रों के अंतर्गत संचालित सभी छोटे-बड़े होटल, लॉज और अतिथि गृहों का स्थल निरीक्षण करेगी। कहा जांच के दौरान फायर एक्सटिंग्विशर, फायर अलार्म सिस्टम, आपातकालीन निकास व्यवस्था, विद्युत वायरिंग, जलापूर्ति व्यवस्था सहित अन्य सुरक्षा मानकों की गहन समीक्षा की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित प्रतिष्ठान भवन निर्माण एवं अग्नि सुरक्षा से जुड़े निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। साथ ही उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि जिन प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन अथवा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं का अभाव पाया जाएगा, उनके विरुद्ध नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन स्टैंडर्ड्स 2026, बिल्डिंग बायलॉज-2016 एवं फायर सेफ्टी नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कहा गठित समिति को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया है।

## भूगर्भ जल संरक्षण पर मॉडल कॉलेज की पहल, छात्रों ने दिया जल बचाओ का संदेश

बिभा संवाददाता

**राजमहल** । विश्व भूगर्भ जल दिवस-2026 के अवसर पर मॉडल कॉलेज राजमहल में ऑनलाइन परिचर्चा आयोजित कर जल संरक्षण के महत्व पर व्यापक चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की, जबकि विद्यार्थियों और शिक्षाविदों ने भूगर्भ जल के संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। वहीं अपने संबोधन में डॉ. रंजीत सिंह ने भूगर्भ जल को मानव जीवन का आधार बताते हुए कहा कि तेजी से घटता जल स्तर भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने इस वर्ष की थीम ह्लजल और लैंगिक समानताह्व का उल्लेख करते हुए कहा कि जल संकट का सबसे अधिक असर महिलाओं और बालिकाओं पर पड़ता है, इसलिए जल प्रबंधन और संसाधनों तक उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं परिचर्चा में शामिल विद्यार्थियों ने भी जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। छात्र अभिषेक चौधरी, छात्रा रिधि और मरगुबा ने कहा कि भूगर्भ जल केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और जैव विविधता के अस्तित्व के लिए भी अनिवार्य है। उन्होंने लोगों से जल का दुरुपयोग रोकने और संरक्षण के प्रति जागरूक बनने की अपील की। वहीं कार्यक्रम में शिक्षा केंद्र, साहिबगंज के निदेशक एवं नॉलेज पार्टनर अनिकेत कुमार भी अपने विद्यार्थियों के साथ जुड़े। निशा कुमारी, छोटी कुमारी, बबली कुमारी, नेहा, सोनाली, पुष्पा, रेशमा और आदित्य सहित कई छात्र-छात्राओं ने वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण और भूगर्भ जल पुनर्भरण जैसे व्यावहारिक उपायों पर सुझाव प्रस्तुत किए। वहीं समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. सिंह ने सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए कहा कि ह्लजल बचाना ही जीवन बचाना हैह्व उन्होंने समाज के प्रत्येक व्यक्ति से भूगर्भ जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रमजान अली ने किया।

## मानसून में नदियों को मिली राहत, 15 अक्टूबर तक बालू खनन पर पूर्ण प्रतिबंध

बिभा संवाददाता

**साहेबगंज** । मानसून के आगमन के साथ ही देशभर की नदियों को राहत मिली है। एनजीटी के निदेर्शानुसार 10 जून से 15 अक्टूबर तक सभी नदियों से बालू खनन, ढुलाई और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। इस अवधि में किसी भी प्रकार का खनन कार्य अवैध माना जाएगा। वहीं प्रशासन ने सभी बालू घाट संचालकों और संबंधित कारोबारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर खनन अधिनियम एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध खनन में प्रयुक्त वाहनों को जब्त करने, भारी जुमार्ना लगाने और दोषियों को जेल भेजने का भी प्रावधान है। वहीं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से हर वर्ष मानसून के दौरान यह रोक लगाई जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मौसम में बालू खनन से नदी तटों का कटाव बढ़ता है तथा जलीय जीवों के प्रजनन चक्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने एनजीटी के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह आदेश नदियों के लिए जीवनदान के समान है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कहीं भी अवैध बालू खनन दिखाई देने पर तत्काल प्रशासन को सूचना दें, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। उधर पुलिस-प्रशासन ने भी आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि अवैध खनन की सूचना देकर नदियों को बचाने के अभियान में सहभागी बनें। प्रतिबंध लागू होने के बाद निर्माण कार्यों की गति प्रभावित होने और बालू की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। इसे देखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने विशेष निगरानी और छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। अब 15 अक्टूबर के बाद ही निर्धारित नियमों और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप बालू घाटों से खनन कार्य दोबारा शुरू किया जा सकेगा।

## झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन उधवा इकाई के प्रखंड अध्यक्ष बने राकेश रमण सरकार

बिभा संवाददाता

**उधवा** । उधवा झील पक्षी आश्रयणी स्थित गेस्ट हाउस परिसर में बुधवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला प्रभारी शौकत खान के निदेर्शानुसार संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड प्रभारी अभिजीत रक्षित उपस्थित रहें। बैठक के दौरान पत्रकार हितों और पत्रकारिता के स्तर को ऊंचा उठाने को लेकर गंभीर मंथन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन का विस्तार करना और जमीनी स्तर पर इसकी मजबूती सुनिश्चित करना था। उपस्थित सदस्यों ने संगठन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में राकेश रमण सरकार,समाउन शेख,भास्कर यादव,राजेश कुमार साहा,अब्दुल वहाब,कमल हुसैन और अब्दुल मन्नान सहित कई स्थानीय पत्रकारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने विचार साझा किए। संगठन को सुचारू रूप से चलाने और नई ऊर्जा देने के लिए सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस नई टीम में राकेश रमण सरकार को प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही अब्दुल बहाव को उपाध्यक्ष,भास्कर यादव को सचिव,मो. कमल हुसैन को कोषाध्यक्ष तथा अब्दुल मन्नान को संरक्षक के रूप में चुना गया। नव मनोनित ने पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। नवनिर्वाचित टीम ने कहा कि वे पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और संगठन की मजबूती के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी और उम्मीद जताई कि यह नई टीम संगठन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी।

## जिला स्थापना महोत्सव में मैराथन की जगह पदयात्रा, विकास और स्वच्छता का देंगे संदेश

बिभा संवाददाता

**साहेबगंज** । 43वें साहेबगंज जिला स्थापना महोत्सव को लेकर संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक एनआरपी सेंटर सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधानाचार्य मनोज कुमार झा ने की, जबकि आयोजन प्रमुख एवं झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. सच्चिदानंद ने महोत्सव की तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान 14 जून को प्रस्तावित मैराथन दौड़ पर विशेष चर्चा हुई। खेल प्रतियोगिता प्रभारी बच्चू लाल ने भीषण गर्मी को देखते हुए मैराथन के स्थान पर पदयात्रा आयोजित करने का सुझाव दिया। समिति ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए पदयात्रा के मार्ग और समय को अंतिम रूप दिया। वहीं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पदयात्रा सुबह 6:30 बजे रेलवे जनरल इंस्टीच्यूट से प्रारंभ होगी। यह गांधी मूर्ति, पटेल चौक, रेलवे स्टेशन, पूर्वी फाटक और सुभाष चौक होते हुए साक्षरता चौक पहुंचेगी, जहां प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान किया जाएगा। वहीं बैठक में कालिदास पाठक ने सुझाव दिया कि पदयात्रा में अधिक से अधिक स्कूली छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से विद्यालयों को आमंत्रित किया जाए। समिति ने इस सुझाव पर भी सकारात्मक सहमति जताई। वहीं पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों के हाथों में साहिबगंज के विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, गंगा संरक्षण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जागरूकता से संबंधित संदेशों वाली तख्तियां होंगी। कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित थाना प्रभारियों को लिखित सूचना देने तथा प्रशासनिक सहयोग लेने का भी निर्णय लिया गया। वहीं संचालन समिति ने बताया कि महोत्सव को सफल बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों एवं गणमान्य नागरिकों का सक्रिय सहयोग मिल रहा है, जिससे जिला स्थापना महोत्सव एक जनउत्सव का स्वरूप लेता जा रहा है।

## वीर नारियों और पूर्व सैनिकों के द्वार पहुंचा सेना का सम्मान, शौर्य संपर्क दल ने सुनी समस्याएं

बिभा संवाददाता

**साहेबगंज**। भारतीय सेना अपने जवानों को केवल सेवा काल में ही नहीं, बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद भी परिवार का हिस्सा मानती है। इसी भावना को साकार करते हुए पंजाब रेजिमेंटल सेंटर, रामगढ़ कैंट का शौर्य संपर्क दल बुधवार को साहिबगंज पहुंचा और जिले के भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके आश्रितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जे एंड बी सब एरिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में दल ने पूर्व सैनिकों की पेंशन, अभिलेख एवं अन्य प्रशासनिक विसंगतियों से जुड़ी शिकायतों का संज्ञान लिया तथा उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। दल ने कहा कि सेना अपने पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के सम्मान एवं कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। वहीं कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध के शहीद स्व. सुबोध कुमार सिंह की पत्नी श्रीमती मंजु सिंह तथा गलवान घाटी में शहीद स्व. कुंदन कुमार ओझा की पत्नी श्रीमती नम्रता कुमारी को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया और शहीदों के बलिदान को याद करने का अवसर प्रदान किया। वहीं पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर साजेश बाबू पी.जी. के निर्देश पर पहुंचे दल ने कहा कि 7 से 10 जून तक झारखंड के दुमका, देवघर और साहिबगंज जिलों में इस प्रकार के शिविर आयोजित किए गए हैं। इनका उद्देश्य केवल समस्याओं का समाधान करना नहीं, बल्कि वीर सैनिकों और उनके परिवारों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करना भी है। इस अवसर पर सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन एन.एन. शाह, जिला सैनिक संघ के अध्यक्ष तेज नारायण राय, सूबेदार गौतम कुमार गिरी, अमित तोड़ी, नायक रंजीत टुडू, नायक राजकुमार तिवारी, नायक प्रभुनाथ यादव सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीर नारियां एवं उनके आश्रित उपस्थित थे। साथ ही दल के सदस्यों ने कहा आप सभी भारतीय सेना के विस्तारित परिवार का हिस्सा हैं। आपकी समस्याओं और जरूरतों के प्रति सेना हमेशा संवेदनशील रहेगी तथा भविष्य में भी ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

## बीडीओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

**उधवा** । उपायुक्त के निदेर्शानुसार बीडीओ सह सीओ उधवा जयंत कुमार तिवारी ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में मूलभूत सुविधाओं की जांच किया। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस दौरान बीडीओ श्री तिवारी ने स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसव कक्ष,पैथोलॉजी लैब रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों व चिकित्सकों की उपस्थिति की जानकारी लिया। वहीं स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल की सुविधा,निर्बाध बिजली की सुविधाओं की जानकारी ली। इसके अलावा सभी सहिया, एएनएम, जीएनएम, एमपीडब्ल्यू को प्रतिमाह बैठक करने सहित आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य उपकरणों एवं दवा की उपलब्धता की जांच किया। वहीं बीडीओ ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। मौके पर डॉक्टर सैय्यद सद्दाम, एएनएम सालेहा खातून, एमटीएस अनिल पाल, एलटी अतुल कुमार, एलटी शाहनवाज आलम सहित अन्य मौजूद थे।

# रुतुराज ने बनाया रिकार्ड, लिस्ट ए क्रिकेट में नंबर वन औसत वाले बल्लेबाज बने

**मुम्बई (एजेंसी)।** युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ पहले ही मैच में शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस शतकीय पारी के साथ ही रुतुराज लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत वाले विश्वक के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली भी इस मामले में उनसे कहीं पीछें हैं।

गौरतलब है कि लिस्ट ए प्रारुप उन सभी घरेलू 40 से 60 ओवर के मैचों, अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मुकाबलों और अंतरराष्ट्रीय ए टीमों के बीच खेले गए मैचों की जानकारी देत है। इस प्रारुप में रुतुराज गायकवाड़ छाये हुए हैं। 100 लिस्ट ए मैचों की 96 पारियों में उनके नाम 59.32 की औसत से कुल 5161 रन हैं। इस दौरान उनके नाम 20 शतक और 19 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 220 रन नाबाद रहा है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह कितने निरंतर और प्रभावी बल्लेबाज हैं।

इससे वह विराट से भी आगे निकल गये हैं। विराट का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 57.91 है। विराट ने अपने करियर (2006 से अब तक) में 347 लिस्ट ए मैच खेलते हुए 334 पारियों में 16447 रन बनाए हैं, जिसमें 59 शतक और 86 अर्धशतक शामिल हैं। आंकड़ों में भले ही कोहली के रन और शतक कहीं अधिक हों पर औसत की आती है तो गायकवाड़ ने उन्हें पछाड़ दिया है। वहीं तेंदुलकर, जिनके नाम कई रिकॉर्ड हैं, वे इस विशिष्ट औसत सूची के शीर्ष 5 में भी शामिल नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि गायकवाड़ की उपलब्धि की बड़ी है। दुनिया के अन्य दिग्गज बल्लेबाज भी इस सूची में उनसे काफी पीछे हैं।

रुतुराज के बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जबकि तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज माइकल बेवन का नाम आता है। बेवन ने 1989 से 2006 के बीच 427 मैचों की 385 पारियों में 57.86 की शानदार औसत से 15103 रन बनाए थे, जिसमें 13 शतक और 116 अर्धशतक शामिल थे। चौथे पायदान पर इंग्लैंड के सैम हेन हैं, जिन्होंने 2013 से 2023 के बीच कुल 64 मैचों की 62 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.76 की औसत से 3004 रन बनाए और 10 शतक जड़े। इस सूची में पांचवें भारतीय नाम चेतेश्वर पुजारा का है, जिनकी 130 मैचों की 127 पारियों में 57.01 की औसत से 5759 रन हैं, जिसमें 16 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं।

# फीफा विश्वकप से पहले हुए मुकाबले में मेसी के गोल से अर्जेन्टीना ने आइसलैंड को हराया

**अलबामा (एजेंसी)।** स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेन्टीना ने फीफा विश्वकप से पहले अपने दोस्तान मैच में आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। इससे मेसी की फिटनेस पर उठे सवाल भी समाप्त हो गये। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौट रहे मेसी ने मुकाबले की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की, लेकिन जब वह मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया।

मेसी 70 वें मिनट में मैदान पर उतरे, जिससे स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर गया। उनके मैदान पर आने के केवल दो मिनट बाद ही, 72वें मिनट में लोटारो मार्टिनेज के खिलाफ फाउल के लिए मिली पेनल्टी को उन्होंने गोल में बदल दिया। यह गोल उनकी शानदार फिटनेस और खेल कौशल का प्रमाण था, और इसने यह संकेत भी दिया कि वह एक बार फिर विश्व कप के बड़े मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अर्जेन्टीना की टीम आइसलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में पूरी तरह से हावी रही। मेसी के आने से पहले ही टीम ने दो अन्य गोल दागकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली थी, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ा। पूरी टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत ने टीम को विश्व कप से पहले एक मजबूत मंच प्रदान किया है।

# भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ की, कहा- इसीलिए वह नंबर वन हैं

**लंदन (एजेंसी)।** भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक खिलाड़ी के तौर पर उनके विकास का श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने 2013 में IPL में आने के बाद से अब तक जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, वह काबिले-तारीफ है। दुनिया में बहुत कम ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में इतना बड़ा असर डाला है। 2016 में अपने इंटरनेशनल डेब्यू के बाद से बुमराह तेजी से भारत के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बन गए हैं। बारबाडोस में भारत की 2024 मेन्स ञ्20 वर्ल्ड कप जीत में बुमराह ने 15 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर बुमराह ने जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, उसके लिए उन्हें श्रेय दिया जाना चाहिए। वह बहुत फोकस्ड हैं। उन्हें अपने खेल की अच्छी समझ है। वह हमेशा बेहतर करने की कोशिश करते रहते हैं। इसीलिए वह नंबर वन हैं। वह तीनों फॉर्मेट में दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को सिर्फ खेले गए मैचों की संख्या से नहीं आंकना चाहिए, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि उन्होंने तीनों फॉर्मेट में कैसा असर डाला है।' उन्होंने कहा, 'दुनिया में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हैं जो तीनों फॉर्मेट में इतना असर डालते हैं। टी20, वनडे और टेस्ट में उनके आंकड़े उनकी मेहनत और लगन को दिखाते हैं। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है। वह आसानी से हार नहीं मानते और गेंद को छोड़ते नहीं हैं।'

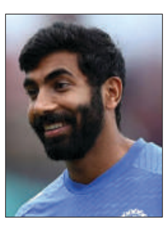

पूर्व कोच ने बुमराह के लीडरशिप रोल को पसंद करने पर भी खुशी जताई जिन्होंने अब तक तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'उन्हें टीम की कप्तानी करना भी पसंद आने लगा है और मैं इस बात से बहुत खुश हूं। वह सिर्फ अपने खेल पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि सबको साथ लेकर चलते हैं। वह समझते हैं कि उनकी भूमिका दूसरों को तैयार करने और उनकी मदद करने की भी है और उन्होंने इसे बहुत अच्छे से निभाया है। यह सिर्फ देश के लिए मैच जीतने की बात नहीं है। यह हर किसी पर अपनी छाप छोड़ने की बात है।'

# आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: हैरी ब्रूक नंबर वन, शुभमन गिल टॉप-10 में शामिल

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही साथ ही खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जो रूट को पीछे छोड़ा है। रुट अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें स्थान पर पहुँच गए हैं, जिससे उन्होंने शीर्ष 10 में अपनी जगह और मजबूत की है।

ब्रूक ने यह शानदार उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में हासिल की, जहाँ इंग्लैंड ने 115 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले की पहली पारी में ब्रूक ने महत्वपूर्ण 56 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं रूट को लॉर्ड्स टेस्ट खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। वह इस मैच में एक और आठ रन ही बना सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, रूट दो स्थान खिसककर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम के शुभमन ने रैंकिंग में अच्छी छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़ने के बाद शुभमन दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर आ गए हैं।

रैंकिंग में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह छठे पायदान पर खिसक गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें स्थान पर कायम हैं। भारत के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौवें स्थान पर हैं, वहीं श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल एक पायदान ऊपर चढ़कर दसवें स्थान पर पहुँच गए हैं।

# फीफा विश्व कप 2026 में किसी भी भूमिका को निभाने तैयार हैं इबानेज

सेन डियागो ।ब्राजील फुटबॉल टीम में शामिल डिफेंडर रोजर इबानेज ने कहा वह फीफा विश्व कप 2026 में राइट-बैक सहित किसी भी जगह पर खेलने के लिए भी तैयार हैं।वेस्ली फैंका के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल इबानेज आम तौर पर सेंटर-बैक के तौर पर खेलते हैं पर अब टीम की जरुरतों के अनुसार दूसरी जिम्मेदारी भी निभाने को तैयार हैं।इबानेज के अनुसार देश की ओर से खेलना सबसे बड़ी बात है।इसलिए वह इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं।उन्होंने कहा कि वह कि टीम की जरुरत को सबसे आगे मानते हैं और उनको जो भी भूमिका दी जाएगी उसे निभा सकते हैं।वहीं अभ्यास मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए वेस्ली के बाद टीम में राइट-बैक के तौर पर किसे उतरा जाये ये सबसे बड़ा सवाल बना है। अनुभवी और भरोसेमंद खिलाड़ी डैनिलो को इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार माना जा रहा है पर अब इबानेज भी एक प्रभावी विकल्प तौर पर सामने आए हैं, जिन पर चयनकर्ता गंभीरता से विचार कर सकते हैं। इस मामले को लेकर इबानेज ने कहा, मेरी पोजीशन तय करना कोच का काम है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि जहां भी टीम को मेरी जरूरत होगी, मैं वहां खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ी बात और सम्मान का विषय है।' यह बयान टीम के प्रति उनके गहरे समर्पण को दिखाता है। सऊदी अरब के क्लब अल अहली से जुड़ें इबानेज ने टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी डैनिलो की भी जमकर तारीफ की।

# धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेश्ठ खिलाड़ी अवार्ड

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है। धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसकों को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला।इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए। साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए। इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं।98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए।इस दौरान कई बार उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकाकर जीत दिलायी हालांकि इसके बाद भी उन्हें एक बार भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला।इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ये है कि टी20 क्रिकेट में धोनी अधिकतर नंबर 5, 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने आते थे, जहां उन्हें आमतौर पर 10 से 15 गेंदें ही खेलने को मिलती थीं।ऐसी स्थिति में भले ही धोनी ने कई बार छोटी, तेज और मैच विजेता पारियां खेलीं है पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड आमतौर पर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पास चला जाता है। वहीं सबसे बड़ा कारण ये रहा है कि धोनी ने हमेशा ही अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की जगह पर टीम की जीत को महत्व दिया है। इसी कारण कई अवसरों पर उन्होंने अपनी जगह युवा बल्लेबाजों को खेलने के लिए ऊपरी क्रम में भेजा है।इससे धोनी ने साबित किया है कि एक कप्तान के तौर पर उनके लिए टीम को खिताबी जीत दिलाना व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक आगे है 1 अवॉर्ड भले ही उन्हें नहीं मिला पर एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में उन्हें कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। एकदिवीसय क्रिकेट में धोनी को रिकॉर्ड 21 बार जबकि टेस्ट क्रिकेट में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है।

# आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया

**-नकारात्मक अंक भी दिये**

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट (लॉर्ड्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है। इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलाव लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है।

लॉर्ड्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरुरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिख। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही। पूरी दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ।। इस मैच के शुरुआती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था।

वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रीम ला ब्रूय ने अपनी रिपोर्ट में कह कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था। उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार यह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए सही नहीं थी। इन मुकाबलों में आकर्षण नहीं था जिससे दर्शक भी निराशा हुए। अब यदि यदि इन स्टेडियमों की पिचों को अगले पांच साल के अंदर और नकारात्मक अंक मिलते हैं तो ये उन पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी नहीं कर पायेंगी।

# अभिमन्यु मिथुन हैं : भारतीय घरेलू क्रिकेट के अद्वितीय रिकॉर्डधारी

मुम्बई ।क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ऐसा अद्वितीय रिकॉर्ड दर्ज है, जो किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी के पास नहीं है।वह घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रमुख प्रारूपों – रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।मिथुन ने अपनी तेज गेंदबाजी से विभिन्न टीमों के खिलाफ यह कमाल किया है।रणजी ट्रॉफी में उन्होंने उत्तर प्रदेश के विरुद्ध, विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के सामने यह उपलब्धि हासिल की।यह दर्शाता है कि उनकी निरंतरता और विकेट लेने की क्षमता विभिन्न प्रारूपों में कितनी प्रभावी रही।उनका यह अनूठा रिकॉर्ड उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है, जिसने उन्हें घरेलू क्रिकेट में एक विशिष्ट स्थान दिलाया।भारतीय टीम के लिए हालांकि उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले।अभिमन्यु मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 12 विकेट अपने नाम किए।उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण 2010 में हुआ था, जहां उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ गाले में अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट झटके थे।उसी साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय क्रिकेट में भी कदम रखा।उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, जिसके बाद उनका भारतीय टीम का सफर थम गया।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सीमित अवसरों के बावजूद, अभिमन्यु का घरेलू करियर शानदार रहा।उन्होंने कर्नाटक के लिए 300 से अधिक फर्स्ट क्लास विकेट लिए, जो उनकी लंबी और प्रभावी करियर का प्रमाण है।इसके अलावा, उनके नाम टी20 क्रिकेट में एक ओवर में 5 विकेट लेने का असाधारण रिकॉर्ड भी दर्ज है।यह कारनामा उन्होंने 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाफ किया था।उस मैच में उन्होंने पारी के अंतिम ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार विकेट लिए और अंतिम गेंद पर पांचवां विकेट लेकर अपनी टीम कर्नाटक को जीत दिलाई।यह उपलब्धि किसी भी गेंदबाज के लिए अविश्वसनीय मानी जाती है।

# इंग्लैंड वर्ल्ड कप जीतने का बड़ा दावेदार नहीं, कोच ने दिया चौंकाने वाला बयान

न्यूयॉर्क ।इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल ने 2026 FIFA वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को दावेदारों में से एक मानने की बात को कम करके आंका।उन्होंने कहा कि 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) को छह दशकों से कोई खिताब न जीतने के बाद सबसे बड़े मंच पर खुद को साबित करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार ट्यूशेल बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी वार्म-अप मैच से पहले प्रेस को संबोधित कर रहे थे। यह मैच शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 की मुश्किल जीत के बाद हो रहा है।जब ट्यूशेल से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड टूर्नामेंट जीतने वाली टीमों में शामिल है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'कितने दावेदार हैं? हम सबसे बड़े दावेदार नहीं हैं।हम ऐसा हो भी नहीं सकते क्योंकि हमने इतने सालों से इसे नहीं जीता है।टूर्नामेंट में ऐसी टीमें हैं जो पहले जीत चुकी हैं और ज्यादा सफल रही हैं।' कोच ने कहा, 'हम मुकाबला करते हैं, बड़े सपने देखते हैं और जानते हैं कि इसके लिए क्या चाहिए।जिम्मेदारी कोशिश करने पर है और हमारा ध्यान उसी पर है।हम खुद को कॉम्पिटिटर और चैलेंजर के तौर पर देखते हैं।हम आखिर तक जाना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम बहुत बड़े दावेदार हैं।' ट्यूशेल ने हैरी केन को इंग्लैंड का कप्तान और आर्सेनल के मिडफील्डर डेक्लान राइस को उप-कप्तान बनाने के फैसले पर भी बात की।ट्यूशेल ने कहा, 'डेक्लान और हैरी वो दो खिलाड़ी हैं जिनके पास आर्मबैंड है।हैरी हमारे कप्तान हैं – इसमें कोई शक नहीं। और डेक्लान हमारे दूसरे कप्तान हैं।जब हैरी कैंप में नहीं थे और वेल्स के खिलाफ नहीं खेले थे, तो हमारे पास एक विकल्प था और मैंने तुरंत डेक्लान को यह जिम्मेदारी देने का फैसला किया।' इंग्लैंड के कोच ने कहा कि राइस का 'फुटबॉल IQ बहुत अच्छा है।वह फॉर्मेशन और स्ट्रक्चर, तालमेल और हमारे खेल की लय का ध्यान रखते हैं।आर्सेनल के साथ उनके दो शानदार सीजन रहे हैं... वह इस समय यूरोप के सबसे अच्छे मिडफील्डरों में से एक हैं और उनमें बहुत आत्मविश्वास है। इसीलिए वह मेरे उप-कप्तान हैं।' कोच ने यह भी कहा कि इंग्लैंड कैंप में अभी शांत माहौल है।उन्होंने समझाया, 'तनाव स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा, खासकर जब हम कंसास जाएंगे और फिर पहले मैच की तैयारी के लिए चार दिन मिलेंगे।' इंग्लैंड 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा।

# सिंधु जीती, तन्वी ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी को हराकर किया उलटफेर

**सिडनी (एजेंसी)।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया जबकि तन्वी शर्मा भी उलटफेर करने में सफल रहीं। तीसरी वरीय सिंधु, तन्वी, मालविका बंसोड, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों के लिए हालांकि बुधवार का दिन खराब रहा जब किरण जॉर्ज, थारुन मान्नेपल्ली और क्वालीफायर सनीथ दयानंद पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को सीधे गेम में सिर्फ 32 मिनट में 21-13, 21-11 से हराया। सिंधु अगले दौर में हमवतन ईशारानी से भिड़ेंगी जिन्होंने एक घंटा तीन मिनट चले कड़े मुकाबले में चीन की हान कियान को 22-20, 10-21, 21-14 से शिकस्त दी।

दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 17 साल की तन्वी ने किया जिन्होंने पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की च्यु पिन चियान को 45 मिनट में 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी अगले दौर में साथी भारतीय खिलाड़ी मालविका से भिड़ेंगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए थाईलैंड की तोरुंग सेहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से हराया।

तान्या ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 39 मिनट में 21-17, 21-18 से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड की दूसरी वरीय और दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी। पुरुष एकल में किरण को कड़े मुकाबले में मलेशिया के जस्टिन हो के खिलाफ एक घंटा दो मिनट में 19-21, 21-14, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। क्वालीफायर दयानंद भी चीन के हू झिआन के खिलाफ सिर्फ 35 मिनट में 8-21, 10-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

थारुन उलटफेर करने के करीब पहुंचे लेकिन अंततः उन्हें दूसरे वरीय और दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ एक घंटा 20 मिनट में 21-18, 13-21, 23-25 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव रावत और मनीषा के ने लिन जेडन और विक्टोरिया जोनाडी की ऑस्ट्रेलिया

की जोड़ी को 27 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान को हालांकि गुओ शिन वा और चेन फेंग हुइ की चीन की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 20 मिनट में 6-21, 5-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

# फरहान की कप्तानी में 2026 एशियाई खेलों में उतरेगी पाकिस्तान टीम, बाबर, रिजवान सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

लाहौर। युवा बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम आगामी एशियाई खेलों में उतरेगी। एशियाई खेल जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाएंग। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इन खेलों के लिए अपनी जो 15 सदस्यी टीम घोषित की है। उसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी और कप्तान सलमान अली आगा को शामिल नहीं किया गया है।इस प्रकार देखा जाये तो टीम में अधिकतर नये खिलाड़ी हैं। इसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। चार खिलाड़ियों ने तो अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण तक नहीं किया है। फरहान को टी20 विश्व कप 2026 में अच्छे प्रदर्शन के कारण कप्तानी दी गयी है।

# खूंटी जिले में सड़क हादसों का कहर : विभिन्न जगहों में दो की मौत, चार घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बुधवार को हुए अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है।

### अज्ञात कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

पहली घटना कर्रा थाना क्षेत्र के धामामुंजी गाँव के पास हुई। जहाँ एक अज्ञात कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतका की पहचान मरकस तिडू की पत्नी हीरामनी संगा (37 वर्ष), निवासी बिचना पाण्डू के रूप में हुई है।

घटना के बाद उन्हें गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल खूँटी लाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

### पेड़ से टकराई स्कूटी, युवक ने अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

दूसरी घटना कर्रा थाना क्षेत्र के कुदा-कर्रा मार्ग पर तेज रफ्तार स्कूटी के पेड़ से टकरा जाने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुरज हेरेंज (19 वर्ष), पिता अनमोल हेरेंज, निवासी कुदा के रूप में हुई है। बताया गया कि सुरज जापुद गाँव से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान कुदा गांव पहुँचने से पहले उसकी स्कूटी अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई।

दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे कर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल खूँटी रेफर किया गया। हालांकि अस्पताल पहुँचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

### कुत्ते को बचाने के प्रयास में पलटा टेम्पो, तीन महिलाएँ घायल

तीसरी घटना , जरियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत रेगरे से बकसपुर जाने वाली सड़क पर बुधवार दोपहर करीब दो बजे एक टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में टेम्पो पर सवार तीन महिलाएं घायल हो गईं।

टेम्पो चालक सह मालिक ने बताया कि वह बकसपुर पंचायत भवन से सात महिलाओं को लेकर अपने गांव छोटका रेगरे लौट रहा था। इसी दौरान अचानक एक कुत्ता सड़क पर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में वाहन का संतुलन बिगड़ गया और टेम्पो पलट गया।

घायलों में संतोषी देवी (28 वर्ष), गुड़िया देवी (28 वर्ष) एवं पौलिना कंडुलना(55) शामिल हैं। सभी को एम्बुलेंस से सदर अस्पताल खूँटी लाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। पौलिना कण्डुलना की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया।

### बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

चौथी घटना , मुरहू थाना क्षेत्र में खूँटी-मुरहू मुख्य सड़क पर एक अज्ञात बोलेरो ने मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में मासी सिरुम (25 वर्ष), निवासी सिदुरीबेड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल युवक को उसके भाई द्वारा सदर अस्पताल खूँटी लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

### पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम, परिजनों को सौंपा शव

दोनों मृतकों के मामलों में पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मृत्यु समीक्षा पत्र तैयार कराया तथा शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस दुर्घटनाओं के कारणों की जांच कर रही है।

## ग्रामीण विकास व पंचायतीराज विभाग के लंबित विकास कार्य को शीघ्र पूरा करें : डीडीसी

बिभा संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायतीराज विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश ने विभागों के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति के बारे अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और लम्बित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जिसमें मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन, पूर्ण एवं लंबित योजनाएँ भी हैं। उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंडों में लंबित योजनाओं और संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना के कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा।

पंचायतीराज विभाग की समीक्षा करते हुए टाइड एवं अनटाइड फण्ड के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग पर पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने, पंचायत भवनों की आवश्यकता अनुसार मरम्मत कराने, पंचायत भवनों में संचालित ज्ञान केंद्रों के बेहतर संचालन को सुनिश्चित करने तथा पंचायत मेंटेनेंस फण्ड का समुचित एवं जनहित में उपयोग करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), अबुआ आवास योजना, अम्बेडकर आवास योजना सहित अन्य आवासीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जल संरक्षण एवं जल संचयन से संबंधित योजना पर उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जल संचयन संरचनाओं का निर्माण गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया जाए तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में जिला पंचायतीराज पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी मनरेगा, डीपीएम पंचायतीराज, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त खबरें

### स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम पर राज्यभर में मनाया जाएगा 12वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रांची(बिभा) : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा 12वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में योगमय झारखंड 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है। राज्य के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 21 जून को योग दिवस के सफल आयोजन हेतु राज्य के सभी जिलों में 12 जून को जिला स्तरीय, 13 जून को प्रखंड स्तरीय तथा 15 जून को संकुल स्तरीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसमें राज्य के सभी विद्यालयों से एक-एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक/नोडल शिक्षक भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त विद्यालयों में 12 जून को राष्ट्रीय योग ओलंपियाड के अंतर्गत स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग विषय पर कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों हेतु पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिता तथा कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों हेतु कविता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। वहीं 16 से 20 जून तक 5 दिवसीय प्रतिदिन प्रातः 07:15 बजे से 08:00 बजे तक योग प्रोटोकॉल का सामूहिक अभ्यास कराया जाएगा। 17 जून को सभी विद्यालयों में योग क्लबों का पुनर्गठन किया जाएगा। 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन राज्यभर में किया जाएगा। इस अवसर पर रविवार होने के बावजूद सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय अन्य कार्य दिवसों की भाँति खुले रहेंगे तथा सामूहिक योगाभ्यास एवं योग आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। विभाग द्वारा सभी कार्यक्रमों का संचालन योगमय झारखंड 2026 के मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप करने तथा योग गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। योगमय झारखंड 2026 विद्यार्थियों में स्वास्थ्य चेतना, अनुशासन, शारीरिक सक्रियता एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

### रिम्स में मेडिकल शिक्षा के विस्तार की बड़ी पहल, यूजी, पीजी व सुपर स्पेशियलिटी सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव

रांची(बिभा)। झारखंड सरकार ने राज्य में चिकित्सा शिक्षा और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से रिम्स, रांची में स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) तथा सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों की सीटों में व्यापक वृद्धि का प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बुधवार को रिम्स निदेशक को पत्र भेजकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार की ओर से संचालित एक केंद्र प्रायोजित योजना के तहत मेडिकल कॉलेजों में यूजी, पीजी एवं सुपर स्पेशियलिटी सीटों की वृद्धि के लिए प्रति अतिरिक्त सीट लगभग 1.5 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना में कुल लागत का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार तथा 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार की ओर से वहन किया जाएगा। विभाग ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पहले ही महात्मा गांधी मेमोरियल चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, जमशेदपुर में यूजी सीटों को 150 से बढ़ाकर 250 तथा पीजी सीटों को 49 से बढ़ाकर 200 करने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था, जिसे स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसी प्रकार शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, धनबाद में यूजी सीटों को 100 से बढ़ाकर 250 तथा पीजी सीटों को 19 से बढ़ाकर 200 करने के प्रस्ताव को भी भारत सरकार की ओर से मंजूरी दी जा चुकी है। इसी क्रम में अब रिम्स, रांची के लिए भी महत्वाकांक्षी विस्तार योजना तैयार की जा रही है। प्रस्तावित योजना के अनुसार यूजी सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250, पीजी सीटों की संख्या 176 से बढ़ाकर 275 तथा सुपर स्पेशियलिटी सीटों की संख्या 11 से बढ़ाकर 100 करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए रिम्स प्रशासन को आवश्यक अधोसंरचना, भवन, उपकरण एवं अन्य संसाधनों का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासी परिषद की स्वीकृति के बाद राज्य सरकार को भेजने का निर्देश दिया गया है, ताकि प्रस्ताव को भारत सरकार को अग्रसारित किया जा सके। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सीटों की वृद्धि के लिए पुराने भवनों के जीर्णोद्धार, जर्जर एवं अनुपयोगी भवनों को ध्वस्त कर नए भवनों का निर्माण तथा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त अधोसंरचना विकसित करने के प्रस्ताव भी शामिल किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित रिम्स-2 परियोजना के अंतर्गत छात्रावास निर्माण को लेकर भी नई रणनीति अपनाने की तैयारी है। राज्य सरकार ने सिद्धांततः निर्णय लिया है कि छात्रावासों का निर्माण प्रत्यक्ष सरकारी व्यय के बजाय पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर कराया जाए। इसके लिए भारत सरकार के वायबिलिटी गैप फंड (वीजीएफ) से अनुदान प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा। इससे राज्य सरकार पर वित्तीय बोझ कम होगा तथा छात्रावासों के संचालन, रखरखाव और आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता में निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी। पत्र में रिम्स परिसर में पहले से निर्मित छात्रावासों के उन्नयन, रखरखाव तथा भविष्य की आवश्यकताओं का आकलन कर नए छात्रावासों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने को भी कहा गया है। इस प्रस्ताव को शासी परिषद के एजेंडे में शामिल कर अनुमोदन प्राप्त करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस पहल के सफल क्रियान्वयन से रिम्स न केवल पूर्वी भारत के प्रमुख चिकित्सा शिक्षण संस्थानों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा, बल्कि झारखंड में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने तथा राज्य के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## एशिया कप अंडर-18 नाबालिग अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाले दिग्गजों की खूटी में विजय जुलूस

बिभा संवाददाता

खूँटी । एशिया कप अंडर 18 अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में भारत को बालक वर्ग के द्वारा रजत और बालिका वर्ग के द्वारा स्वर्ण पदक दिलाने वाले खूंटी जिले के हॉकी खिलाड़ियों का आज विजय जुलूस निकाला गया। जो कि उसके गांव गनालोया , ओसकेया और माहिल के लोगों के साथ खूँटी के खेलप्रेमियों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चौक से गाजे-बाजे के साथ विजय जुलूस निकाला जो खूँटी प्रखंड मुख्यालय गेट से पास समाप्त किया । इस दौरान लोगों ने विजेता खिलाड़ियों को माला पहनाकर अभिनन्दन किया और एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुशियां साझा किया। वहीं इस खुशी में लोगों ने खूँटी की सड़कों में महिला पुरूष सभी सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण शामिल हुई। इसके लिए गनालोया के ग्रामीणों ने चंदा करके कार्यक्रम किया । जोकि काफी खुशी का वातावरण दिखा । कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में सहयोग करने वाले हॉकी प्रशिक्षक दशरथ महतो ने बताया कि बाहर के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को सेमी फाइनल में जबरदस्त टक्कर देकर उसे जीत हासिल की और फिर जापान के साथ कड़ा मुकाबले में पदक प्राप्त किया। जिसमें खूंटी के खिलाड़ी ने सर्वाधिक गोल मारकर विदेश में भारत का तिरंगा उंचा किया। जिसमें खूंटी के खिलाड़ियों का हमेशा ही हॉकी में भारत की जीत पर अच्छा भूमिका निभाता रहा है। और आगे भी उम्मीद है कि यह सभी खिलाड़ी भारतीय टीम में शामिल होकर देश और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। विदेश के साथ 19 बार मुकाबला में हिस्सा लेने वाले खूँटी के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुशील तोपनो ने कहा कि खूंटी हॉकी की धरती है। जहाँ शुरू से ही हॉकी में आगे रहा है। इस बार भी बच्चों ने जो जीत हासिल किया वह काबिले तारीफ है और उम्मीद है कि आगे भी एक खिलाड़ी और अच्छा करेंगे ऐसा मेरा मानना है।

इस कार्यक्रम में गनालोया और ओसकेया गाँव की महिलाएँ भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा ली। साथ ही, होनहार खिलाड़ियों के अभिभावक व सगे सम्बन्धी भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गनालोया गांव के ग्रामीणों ने अहम भूमिका निभाया।

## अल्मा मेटर संस्था के चित्रांकन प्रतियोगिता में 40 प्रतिभागी हुए शामिल

बिभा संवाददाता

खूँटी । गर्मी की छुट्टी में घर पर रहकर मन उसने से अच्छा है कुछ अच्छा करें। ऐसे विद्यार्थियों के लिए उनके बीच अल्मा मेटर संस्था ने मनोरंजन के साथ ज्ञानवर्धक व एक दूसरे से आगे बढ़ने का भाव उत्पन्न कराने के लिए बुधवार को चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

शहर के बीच गोपद कॉम्प्लेक्स में चित्रांकन प्रतियोगिता का सामुदायिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में 40 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें अपने स्वविचार से प्रतिभागियों ने रंगीन चित्र उकेर कर अपने भावना को कला के द्वारा प्रस्तुत किये। इससे न केवल मनोरंजन और कार्यक्रम का उत्साह रहा । बल्कि एक दूसरे से अच्छा करने का भाव प्रतिभागियों में सामने आया। वहीं उपस्थित सभी प्रतिभागियों को उनकी कला एवं रचनात्मकता के लिए सम्मानित किया गया।

इस आयोजन को सफल बनाने में अल्मा मेटर संस्था की रितिका दत्ता एवं आंचल कुमारी ने विशेष सहयोग प्रदान किया। संस्था के सचिव भूपेंद्र कंसारी ने बताया कि समय-समय पर बच्चों के लिए अतिरिक्त कार्यक्रम की गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिससे बच्चों के अंदर छुपी हुई प्रतिभाएँ सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है। अल्मा मेटर संस्था ने भविष्य में भी इसी प्रकार के रचनात्मक और शैक्षणिक आयोजन करते रहने की प्रतिबद्धता जताई है।

## एसआईआर अभियान को लेकर झामुमो का बूथ स्तरीय प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद के टाउन हॉल में बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से बूथ स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में पार्टी के केंद्रीय सचिव विनोद पांडे, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान को लेकर बूथ स्तर के कार्यकताओं और बीएलए को प्रशिक्षित करना था। इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों और अभियान के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में जिलेभर से पहुंचे झामुमो कार्यकताओं और बूथ लेवल एजेंटों को मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की बारीकियों से अवगत कराया गया। नेताओं ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक बूथ पर कार्यकताओं की सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण होगी।

झामुमो के केंद्रीय सचिव विनोद पांडे ने कहा कि पार्टी आगामी एसआईआर अभियान को लेकर पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने बताया कि 30 जून से शुरू होने वाली इस प्रक्रिया से पहले कार्यकताओं को प्रशिक्षित करना जरूरी था ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। उन्होंने कार्यकताओं से पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

कार्यशाला में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने और आम मतदाताओं तक सही जानकारी पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकताओं से संगठनात्मक मजबूती और जनसंपर्क बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

## बालू का अवैध खनन रोकने और पुल बचाव के लिए गनालोया नारी शक्ति की महिलाएं सड़क पर उतरी

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में बालू की अवैध खनन और ढुलाई धड़ल्ले से चल रही है। बालू तस्कर नदियों से बेखौफ बालू की अवैध खनन कर तस्करी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। जिसे रोकने में प्रशासन भी विफल रही है। लोग नदियों से दिनदहाड़े बालू खनन करने लगे हैं । जिसके कारण अब नदियों का अस्तित्व बिगड़ने लगा है। खासकर मुरहू प्रखंड क्षेत्र के बनई नदी बालू तस्करी का हब बन गया है। जिसके कारण पुल पुलिया का भी अस्तित्व खतरे में आ गया है। वहीं माहिल गनालोया के बीच बनई नदी पर बना पुल की नींव कमजोर होने होने का बात बताया जा रहा है। बालू उठाव के कारण पिलर का निचला हिस्सा से बालू खिसक गया है। जिसके कारण अब गनालोया के ग्रामीण व महिलाएँ चिंतित हैं। प्रशासन से कई बार तस्करी रोकने के लिए ग्रामीणों ने मांग किया लेकिन प्रशासन आज तक इस पर कभी कदम नहीं उठाया। जिसके कारण बेखौफ लोग बालू तस्करी करने से डरते नहीं हैं। प्रशासन के निष्क्रियता को देखते हुए अब गनालोया की महिलाएं नारी शक्ति मंडली को सड़क पर उतरना पड़ गया है। जिस काम को अपराध नियंत्रण के लिए प्रशासन को कार्य करना था लेकिन ग्रामीण महिलाओं बालू तस्करी रोकने के लिए आगे आना पड़ गया है। अगर बालू तस्करी करते माने के क्रम में महिलाओं पर वाहन चपेट में ले लिया तो खतरा और भी बढ़ जाएगा। लेकिन जब प्रशासन मौन हो गया है तो नदियों का अस्तित्व बचाने के लिए अब महिलाओं को आगे आना पड़ गया है। ग्रामीण महिला उर्मिला देवी ने बताई की बालू का उठाव के कारण पुल का निचला हिस्सा से पिलर से काफी नीचे तक दिखाई देने लगा है। उन्होंने साफ कहा कि प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं देती है लोग देखो बालू का तस्करी करते हैं जागृत बनई नदी का अस्तित्व मिटता जा रहा है। रंगीला देवी ने बताई कि इस बनई नदी से बालू का अवैध खनन धड़ल्ले से होता है और प्रशासन मौन है। ऐसा लगता है कि प्रशासन के मिलीभगत से तस्करी होता है। यही कारण लोग बेखौफ होकर तस्करी करते हैं। ललीता देवी? ने बतायी कि अगर कानूनी तौर से भी अगर बालू उठाव का परमिशन देना है तो फूल के 100 मीटर के बाद ही बालू उठाना है लेकिन अभी पुल के पास से ही उठाया जा रहा है । जिसके कारण पुल कमजोर हो गया है और पीलर का छड़ दिखाई दे रहा है। प्रशासन को इसपर रोक लगाना चाहिए। लेकिन पैसा लेकर बालू गाड़ी को छोड़ देता है। संजोती देवी ने बतायी कि हमारी शक्ति के लोग निर्णय लिए हैं कि यहां से बालू उठाव करने नहीं देंगे। अगर प्रशासन ईश्वर रोग लगे होती तो हम लोगों को आगे आना नहीं पड़ता लेकिन मजबूर हो गए हैं धड़ल्ले से बालू उठाव हो रहा है और मिली भगत के कारण ये बालू खनन रुक नहीं रहा है। इसलिए नारी शक्ति अब पुल के नीचे बालू खनन करने से रोकेगी ।

## निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता अभियान का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिला समाज कल्याण विभाग खूँटी द्वारा जिले में 10 जून से 25 जून 2026 तक चलने वाले निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को नशामुक्त समाज के निर्माण तथा मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु शपथ भी दिलाई गई।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि 10 जून से 25 जून तक जिले के ग्राम, पंचायत, प्रखंड एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत जनजागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, नुक्कड़ नाटक, विद्यालय एवं महाविद्यालय आधारित कार्यक्रम तथा विभिन्न जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

उप विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार प्रकाश ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति, परिवार एवं समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। इसके उन्मूलन के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी लोगों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों पर रोक लगाने एवं इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन पूर्णतः संकल्पित है तथा इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

काउंसलर द्वारा यह भी बताया गया कि नशीले पदार्थों की लत से प्रभावित व्यक्ति अथवा उनके परिजन आवश्यकता पड़ने पर सहायता एवं परामर्श के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 112 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से नशे से संबंधित समस्याओं को छिपाने के बजाय समय पर सहायता लेने की अपील की।

इस दौरान उप विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार प्रकाश द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर लोगों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों एवं नशामुक्त जीवन के महत्व के प्रति जागरूक करेगा।

इस अवसर पर जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

# कैबिनेट ने अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-2ए को दी मंजूरी, एयरपोर्ट तक पहुंचेगी मेट्रो

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-2ए (कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट कॉरिडोर) को मंजूरी दे दी है। 6.032 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में पांच स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें चार एलिवेटेड और एक भूमिगत स्टेशन शामिल होगा। परियोजना की कुल लागत 2,169.04 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां मीडिया को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोटेश्वर रोड-एयरपोर्ट कॉरिडोर को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि छह किलोमीटर लंबे इस मार्ग में पांच स्टेशन होंगे और इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एयरपोर्ट को सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव से जोड़ेगा, जिसे राष्ट्रमंडल खेलों के मद्देनजर विकसित किया जा रहा है। परियोजना को चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

फेज-2ए के तहत बनने वाले स्टेशनों में आश्रम रोड, कोटेश्वर प्राचीन मंदिर, साबरमती नदी, सरदार नगर और एयरपोर्ट स्टेशन शामिल हैं। इस चरण के पूरा होने के बाद अहमदाबाद-गांधीनगर में सक्रिय मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई बढ़कर 77.63 किलोमीटर हो जाएगी।

सरकार के अनुसार यह परियोजना एयरपोर्ट, आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा से जोड़ेगी तथा मौजूदा अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो नेटवर्क के साथ निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करेगी। इससे शहरी आवागमन आसान होगा, पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा वर्ल्ड पुलिस गेम्स 2029 और कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिए आसपास स्पोर्ट्स सुविधाएं भी विकसित किए जाने की संभावना है। सरकार के मुताबिक परियोजना से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, निवेश आकर्षित होगा और कम विकसित क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक वर्गों के लोगों को सार्वजनिक परिवहन की समान सुविधा उपलब्ध होने से जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

अहमदाबाद मेट्रो फेज-2अ से निर्माण कार्य के सबसे व्यस्त समय में लगभग दो हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है, जबकि परिचालन और रखरखाव के दौरान करीब 500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

## अमरावती में दो बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं को दी मंजूरी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कैबिनेट ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में दो प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में केंद्रीय सरकारी कार्यालयों के लिए जनरल पूल ऑफिस आवास (सीजीजीपीओए) और कर्मचारियों के लिए जनरल पूल रेजिडेंशियल आवास (जीपीआरए) शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां राष्ट्रीय मीडिया को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि इन दोनों परियोजनाओं का उद्देश्य आधुनिक, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल अवसंरचना का विकास करना है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने अमरावती में केंद्रीय सरकारी जनरल पूल ऑफिस आवास परियोजना को 1,299.08 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। इस परियोजना में 23.25 लाख वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र होगा। साथ ही जनरल पूल रेजिडेंशियल आवास परियोजना को भी मंजूरी दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1,234.91 करोड़ रुपये है और इसमें 31.30 लाख वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र होगा। उन्होंने बताया कि दोनों परियोजनाएं सस्टेनेबल और ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के मानकों पर आधारित होंगी। इनमें न्यूनतम एकीकृत आवास मूल्यांकन हेतु हरित रेटिंग (गृहा) 4-स्टार रेटिंग सुनिश्चित की जाएगी और ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (ईसीबीसी 2024) के अनुरूप डिजाइन तैयार किया जाएगा। भवनों को ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण-अनुकूल बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में समावेशी विकास को भी प्राथमिकता दी गई है। परिसर को दिव्यांगजन के लिए बाधा-मुक्त बनाया जाएगा और आधुनिक नागरिक एवं सामुदायिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

## प्रयागराज मंडल की विशेष व्यवस्था, कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेनें

बिहान भारत

**प्रयागराज :** उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2026 में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा विशेष व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गईं। परीक्षार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यकतानुसार एग्जाम स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया, जिससे उन्हें अपने परीक्षा केंद्रों तक समय पर एवं सुगमता से पहुँचने में सहायता मिली।

मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, रजनीश अग्रवाल के निर्देशन में प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल सहित प्रमुख स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किए गए। प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर तथा प्रवेश एवं निकास द्वारों पर अतिरिक्त व्यवस्थाएँ कर यात्रियों की आवाजाही को सुचारु बनाया गया। मंडल स्तर पर स्थापित वार रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से प्रमुख स्टेशनों की निरंतर निगरानी की गई तथा अधिकारियों द्वारा भीड़ एवं यात्री संचालन की स्थिति पर सतत नजर रखी गई।

अभ्यर्थियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए रेलवे सुरक्षा बल तथा राजकीय रेलवे पुलिस के जवानों को प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रेनों में तैनात किया गया। वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने यात्रियों का मार्गदर्शन किया, जबकि हेल्प डेस्क एवं टिकट जांच स्टाफ द्वारा आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराई गईं।

भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाए रखने हेतु अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गई तथा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को लगातार आवश्यक जानकारी दी जाती रही। रेलवे प्रशासन का निरंतर प्रयास है कि परीक्षार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं तनावमुक्त यात्रा उपलब्ध कराई जा सके, जिससे वे समय पर अपने गंतव्य तक पहुँचकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकें।

### कानपुर से संचालित एग्जाम स्पेशल ट्रेन

1. कानपुर सेंट्रल-झाँसी एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने 13 :40 बजे प्रस्थान किया । इस ट्रेन में लगभग 2500 यात्री थे ।
2. कानपुर सेंट्रल-लखनऊ एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने से 15 :00 बजे प्रस्थान किया । इस ट्रेन में लगभग 800 यात्री थे।
3. कानपुर सेंट्रल-झाँसी एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने 18 :20 बजे प्रस्थान किया । इस ट्रेन में लगभग 3500 यात्री थे ।
4. कानपुर सेंट्रल-लखनऊ एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने से 18 :27 बजे प्रस्थान किया । इस ट्रेन में लगभग 3800 यात्री थे ।
5. प्रयागराज से बांदा की ओर जाने के लिए एक स्पेशल ट्रेन प्लेटफार्म स. 10 पर 18 .45 बजे प्लेस की गई है

## संक्षिप्त खबरें

### आसनसोल मंडल द्वारा स्टेशनों एवं रेल कॉलोनियों में मानसून-पूर्व नाला सफाई अभियान जारी

**आसनसोल:** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा मानसून-पूर्व तैयारियों के तहत 09 एवं 10 जून 2026 को मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, रेल कॉलोनियों तथा सेवा परिसरों में नाला सफाई एवं गाद निकासी अभियान जारी रखा गया। उचित जल निकासी सुनिश्चित करने, जलभराव की संभावनाओं को रोकने तथा रेलवे परिसरों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से इंजीनियरिंग एवं संबंधित विभागों द्वारा यह अभियान संचालित किया गया। 09 जून 2026 को पानागढ़, चित्तरंजन, कुल्टी, सीतारामपुर, सिउड़ी, आसनसोल कॉलोनी, मधुपुर, जामताड़ा, देवघर, अंडाल, दुमका कॉलोनी तथा रानीगंज में नाला सफाई एवं गाद निकासी का कार्य किया गया। इसी प्रकार 10 जून 2026 को सिउड़ी, अंडाल, बराकर, उखड़ा, दुगार्पुर, सीतारामपुर, गिरिडीह, मधुपुर, कुमारडुबी, रानीगंज, पानागढ़, मानकर तथा आसनसोल में भी समान गतिविधियां संचालित की गईं। अभियान के दौरान नालों से गाद, जमा कचरा तथा अन्य अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारु बनाने और स्वच्छता की स्थिति में सुधार लाने का कार्य किया गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की तथा कार्यों की निगरानी की। यह अभियान मानसून के दौरान रेलवे परिसरों में प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने हेतु आसनसोल मंडल द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों का हिस्सा है।

### भारत ने नेपाल को 50 हजार मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक खरीदने की मंजूरी दी

**काठमांडू।** भारत सरकार ने नेपाल को 30 हजार मीट्रिक टन यूरिया और 20 हजार मीट्रिक टन डीएपी (डाइ-अमोनियम फॉस्फेट) रासायनिक उर्वरक खरीदने की मंजूरी दे दी है। इस स्वीकृति के साथ ही दोनों देशों की सरकारी एजेंसियों ने सरकार-से-सरकार (जीटूजी) समझौते के तहत उर्वरक आपूर्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। धान रोपाई के मुख्य मौसम में रासायनिक उर्वरकों की कमी की आशंका को देखते हुए नेपाल सरकार ने भारत से उर्वरक उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। इसके बाद भारत ने अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत नेपाल को आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। भारत की नेशनल केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर लिमिटेड (आरसीएफ) ने 30 हजार मीट्रिक टन यूरिया और 20 हजार मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध कराने पर सहमति जताई है। उर्वरक की खरीद और ढुलाई प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आरसीएफ और कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड (केएससीएल) तकनीकी तैयारियों में जुट गए हैं। कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड के सूचना अधिकारी पुण्यप्रसाद उपाध्याय ने बताया कि भारत से उर्वरक उपलब्ध कराने की औपचारिक स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि नेपाल सरकार खरीद के लिए आवश्यक धनराशि समय पर जारी कर देती है, तो निर्धारित समय के भीतर उर्वरक नेपाल पहुंच जाएगा। उपाध्याय ने कहा कि यूरिया और डीएपी उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए भारत की आरसीएफ कंपनी से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। सरकार यदि समय पर बजट जारी कर दे, तो साउन के मध्य तक उर्वरक नेपाल पहुंच जाएगा। हाल के दिनों में वैश्विक राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण कई देशों में रासायनिक उर्वरकों की कमी देखी जा रही है। इसके बावजूद भारत सरकार ने नेपाल में धान रोपाई के मौसम के दौरान उर्वरक संकट को रोकने के लिए इस मात्रा में उर्वरक खरीद की अनुमति प्रदान की है। जीटूजी समझौते के तहत होने वाली इस आपूर्ति के लिए आवश्यक प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रियाओं को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी होने पर लगभग जुलाई अंत तक उर्वरक नेपाल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

## मिशन यात्री: पूर्व रेलवे ने यात्री सुरक्षा और सुविधा के लिए खाना-रामपुरहाट खंड में मेगा ब्लॉक कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया

बिहान भारत

**कोलकाता:** पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में, 7 जून 2026 को खाना-रामपुरहाट खंड पर यात्री सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से जटिल मेगा ब्लॉक अवसंरचना उन्नयन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विशाल कपूर की देखरेख में इन कार्यों की अत्यंत सुव्यवस्थित योजना बनाई गई। इंजीनियरिंग तथा ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन विभागों ने संयुक्त रूप से संसाधनों का उपयोग किया ताकि यात्रियों को कम से कम परेशानी हो। ट्रैफिक और पावर ब्लॉक सुबह 03:50 बजे लिया गया, कार्यों को सुरक्षित रूप से 07:30 बजे तक पूरा कर लिया गया तथा 08:00 बजे यातायात पूरी तरह बहाल कर दिया गया। इस दौरान एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में गति शक्ति इकाई द्वारा बोलपुर शांतिनिकेतन स्टेशन पर नए फुट ओवर ब्रिज का सफलतापूर्वक लोकार्पण/स्थापना किया गया, जिससे यात्रियों की आवाजाही और अधिक सुगम होगी।

साथ ही, इंजीनियरिंग विभाग ने परिसंपत्ति नवीनीकरण के अंतर्गत महत्वपूर्ण ट्रैक कार्य पूरे किए, जिनमें पीएनई एवं केपीएलई में 4 सेट टीडब्ल्यूएसईजे बिछाना, 17 एसकेभी जॉइंट्स की वेल्डिंग, 62.10 मीटर रेल परिवर्तन, 260 ट्रैक मीटर पैनल रेल परिवर्तन तथा 1 जोड़ी पैनल रेल का समावेशन शामिल है।

इसी दौरान, टीआरडी टीम ने ओवरहेड विद्युत प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए व्यापक ओवरहॉलिंग कार्य संपन्न किए। प्रमुख उपलब्धियों में 11 एक्स/ओ एओएच, 3 टी/ओ एओएच, 59 लोकेशन एओएच, 6 आइसोलेटर एओएच, 1 न्यूट्रल सेक्शन एओएच, 98 सीएलए, 14 एसआई एओएच, 1 इंसुलेटर प्रतिस्थापन, 6 पक्षी घोंसलों को हटाना, 11 एटीडी एओएच तथा आरआरए पर 1 कॉन्टैक्ट बार का कार्य शामिल है। इसके अतिरिक्त, कुल 51 जम्परों (21 जी, 4 सी तथा 26 एटीजे जम्पर) की जांच की गई। 3 पोर्टल अपराइट और 1 पोर्टल बूम की स्थापना की गई, 2 ओयू तथा 2 ओई शिफ्टिंग कार्य पूरे किए गए, 6 फ्लोरोसेंट टैप उपलब्ध कराए गए तथा कोपाइ/संतोषपुर, अहमदपुर जं./संतोषपुर -क, अहमदपुर जं./संतोषपुर -कक और प्रतिक/तल्ली सैदा साहू गैंट्री के बाहरी हिस्से पर कुल 4 गैंट्रियों का एओएच कार्य पूरा किया गया।

इन व्यापक कार्यों के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार रेल अवसंरचना विकसित की गई है, जिसमें न्यूनतम परिचालन व्यवधान, बेहतर समन्वय, उन्नत यात्री सुरक्षा तथा ट्रैक्शन प्रणाली की बढ़ी हुई विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा कि इन कार्यों की सफल पूर्णता पूर्व रेलवे की एक मजबूत, सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन व्यवस्था प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि खानाझ्ररामपुरहाट खंड पर किए गए प्रत्येक तकनीकी और ट्रैक उन्नयन कार्य को पूर्णतः यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को समर्पित किया गया है।

## मंडल रेल प्रबंधक ने आसनसोल-जसीडीह-देवघर एवं देवघर-बांका खंड का किया विंडो ट्रेल निरीक्षण

बिहान भारत

**आसनसोलः** मंडल रेल प्रबंधक संग्रह मौर्य ने आसनसोल-जसीडीह-देवघर एवं देवघर-बांका खंड का विंडो ट्रेल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ मंडल के विभिन्न शाखा अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने देवघर में प्रस्तावित नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्यों एवं यार्ड रीमॉडलिंग की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने चंदन, कुमराबाद रोहिणी एवं करझौसा स्टेशनों पर ट्रैक एवं सिग्नलिंग परिसंपत्तियों, सुरक्षा प्रणालियों, यात्री सुविधाओं, स्वच्छता मानकों तथा प्रगतिरत आधारभूत संरचना विकास कार्यों का भी व्यापक निरीक्षण किया, ताकि खंड की परिचालन तत्परता एवं सेवा गुणवत्ता का आकलन किया जा सके।

डीआरएम ने सभी प्रगतिरत कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने, सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार पर बल दिया। उन्होंने यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करते हुए सुरक्षा एवं विश्वसनीयता के उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

यह निरीक्षण मंडल द्वारा रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने, सुरक्षा मानकों को और बेहतर करने तथा सुरक्षित, दक्ष एवं यात्री-अनुकूल रेल परिचालन सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

## पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने रेलवे ऑफिसर्स क्लब में किया पौधरोपण

धनबादः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरूवार को रेलवे ऑफिसर्स क्लब, रंगाटांड़, धनबाद परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्षा प्रिया मिश्र, उपाध्यक्षा अल्पना झा, सचिव मीनाक्षी, शैली सहित संगठन की अन्य सम्मानित सदस्याओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्षा द्वारा महिला कर्मचारियों के बीच जूट का बैग वितरित किया गया एवं सभी को अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ, हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

# जब विरोध-प्रदर्शन सपनों को पटरी से उतार दें: पूर्व रेलवे की पटरियों पर एक दिल दहला देने वाली घटना

बिहान भारत

**कोलकाता:** कुछ महीने पहले, 24 वर्षीय लीना दास (परिवर्तित नाम) श्यामनगर से सियालदह जाने वाली ट्रेन में सवार हुई थीं। उनका दिल सिर्फ घबराहट से नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत के बाद मिली उम्मीद की एक किरण से भी तेजी से धड़क रहा था, क्योंकि उस दिन उनका जीवन का पहला नौकरी साक्षात्कार (इंटरव्यू) था। पिता के दुखद निधन के बाद, लीना और उनकी माँ के पास परिवार चलाने के लिए कोई कमाने वाला सदस्य या आय का कोई जरिया नहीं बचा था। यह नौकरी सिर्फ. करियर का एक पड़ाव नहीं थी; यह उनके गुजारे के लिए बेहद जरूरी थी। लेकिन लीना कभी साक्षात्कार कक्ष तक नहीं पहुँच सकीं क्योंकि अचानक हुए रेल आंदोलन ने पटरियों को जाम कर दिया, जिससे उनकी ट्रेन तीन घण्टों से अधिक देर से पहुँची और समय पर उनके गंतव्य तक पहुँच पाना असंभव हो गया। जब वे पहुँचीं, तो अवसर के द्वार बंद हो चुके थे, और एक परिवार की सम्मानजनक भविष्य की उम्मीद धूमिल हो गई।

लीना की यह दर्दनाक कहानी कोई अकेली घटना नहीं है। प्रतिदिन लाखों लोग अत्यंत महत्वपूर्ण अथवा आपातकालीन कार्यों के लिए रेल यात्रा करते हैं। इन दैनिक यात्रियों में ऐसे गंभीर मरीज शामिल होते हैं जो समय के खिलाफ संघर्ष करते हुए अस्पताल पहुंचने की कोशिश कर रहे होते हैं, ऐसे विद्यार्थी होते हैं जो अपने भविष्य को निर्धारित करने वाली परीक्षाओं में शामिल होने जा रहे होते हैं, और ऐसे नौकरी के इच्छुक लोग होते हैं जो साक्षात्कार देने के लिए यात्रा कर रहे होते हैं। जब कोई आंदोलन होता है, तो यह इन सभी निर्दोष यात्रियों के साथ एक गंभीर अन्याय बन जाता है। अधिकांश लोग यह समझ ही नहीं पाते कि रेल आंदोलन का केवल एक घंटा भी किसी व्यक्ति के जीवन को पूरी तरह बदल सकता है और उनके भविष्य में स्थायी अंधेरा ला सकता है। हाल ही में तथा पहले भी पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न मांगों को लेकर कई ऐसे आंदोलन हुए हैं, जिनमें यात्रियों ने रेल पटरियों को अवरुद्ध किया है।

हाल के आंकड़े पूर्व रेलवे के मंडलों में इन व्यवधानों की निरंतर चुनौती को रेखांकित करते हैं। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक की पूरी वित्तीय अवधि के दौरान, कुल 29 ट्रैक अवरोध (रेल रोको) दर्ज किए गए, जिनमें सबसे अधिक संख्या सियालदह (22) में रही, इसके बाद मालदा (4), हावड़ा (2) और आसनसोल (1) का स्थान रहा। इसके अतिरिक्त, इसी अवधि के दौरान विभिन्न ट्रेड यूनियनों द्वारा आम हड़ताल के 20 मामले (सियालदह में 12 और हावड़ा में 8) और मालदा में एक राजनीतिक दल द्वारा 1 चक्का जाम का मामला देखा गया। दुर्भाग्य से, यह प्रवृत्ति चालू वित्तीय वर्ष में भी जारी रही है; अकेले अप्रैल 2026 से मई 2026 तक की दो महीने की संक्षिप्त अवधि में ही 2 और ट्रैक अवरोध पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें सियालदह और हावड़ा में 1-1 घटना शामिल है।

महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के नेतृत्व में पूर्व रेलवे ने हमेशा अपने यात्रियों को अपने परिवार का हिस्सा माना है। रेलवे प्रशासन इस परिवार के प्रत्येक सदस्य की हर मांग को सुनने और प्रत्येक समस्या का समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध और तैयार है। किंतु अपनी शिकायतों को व्यक्त करने के लिए आंदोलन का मार्ग अपनाना कभी भी उचित या न्यायसंगत तरीका नहीं हो सकता। ऐसी अनेक शांतिपूर्ण और सरल वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी मांगों को आसानी से पूर्व रेलवे प्रशासन तक पहुँचा सकता है।

आंदोलनों के माध्यम से रेल सेवाओं को बाधित करना पूर्णतः गैरकानूनी कार्य है, जिसके गंभीर कानूनी परिणाम हो सकते हैं। भारतीय रेल अधिनियम, 1989 की धारा 174 के अंतर्गत ट्रेन संचालन में जानबूझकर बाधा पहुँचाना या व्यवधान उत्पन्न करना दंडनीय अपराध है। कानून के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर ट्रेन को रोकता है—जैसे कि आंदोलन के दौरान पटरियों पर बैठकर अवरोध उत्पन्न करना, होज पाइप से छेड़छाड़ करना या आवश्यक सिग्नलिंग उपकरणों को नुकसान पहुँचाना—तो उसे अधिकतम 2 वर्ष तक का कारावास, 2,000 तक का जुमार्ना, अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं।

आमजनता से सीधे अपील करते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि प्लेटफॉर्म पर कदम रखने वाला प्रत्येक यात्री रेलवे परिवार का सदस्य है और प्रशासन हर समस्या का समाधान संवाद के माध्यम से करने के लिए सदैव तैयार है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को आंदोलन का एक घंटा मामूली विरोध प्रतीत हो सकता है, लेकिन यह किसी व्यक्ति का जीवन हमेशा के लिए बर्बाद कर सकता है, ठीक उसी प्रकार जैसे लीना के साथ हुआ। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे गैरकानूनी आंदोलनों का रास्ता छोड़कर वैधानिक एवं उचित माध्यमों का उपयोग करें, ताकि किसी और व्यक्ति का जीवन और उसके सपने रेलवे पटरियों पर हमेशा के लिए पटरी से न उतर जाएं।

**बिहान भारत** की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com